@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 27 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 293 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नेपाल में बाढ़ से तबाही

नेपाल में अचानक आई बाढ़ में 100 से ज्यादा भारतीय लापता

नेपाल टूरिज्म बोर्ड ने दी जानकारी

एजेंसी
काठमांडू/नई दिल्ली । नेपाल में अचानक आई बाढ़ में कम से कम 105 भारतीय नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड की प्रारंभिक लिस्ट के अनुसार, बुधवार को नेपाल के रसुवा जिले की भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ में 384 लापता हैं।

इन लापता लोगों में से कम से कम 105 भारतीय हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड की प्रारंभिक लिस्ट में लापता बताए जा रहे लोगों में 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड, टूरिस्ट पुलिस और पर्यटन से जुड़े अन्य लोग ट्रैवल एजेंसियों, गाइडों, स्थानीय अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर यात्रियों का पता लगाने और उनकी स्थिति की पुष्टि करने के लिए तालमेल बिठा रहे हैं।

'अब बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को सीधे जेल या जहन्नुम मिलता है'

सीएम योगी का सपा पर हमला

एजेंसी
लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की योजना शुरू करने के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम में योगी ने सपा शासन के दौरान महिला सुरक्षा, पेंशन, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि एक समय प्रदेश में 'देख सपाई बिटिया घबराई' का नारा चलता था, जबकि अब सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा को व्यवस्था और तकनीक से जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाई तो जेल या जहन्नुम, एक जगह तय हो जाएगी। सरकार का लक्ष्य ऐसा उत्तर प्रदेश बनाना है, जहां बेटी घर से निकले, पढ़े, नौकरी करे, कारोबार करे और रात में भी पूरी सुरक्षा के साथ घर लौट सके। 2017 से पहले प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रभावी व्यवस्था नहीं थी। न पर्याप्त हेल्पलाइन थी, न कमांड सेंटर और न ही सीसीटीवी का व्यापक नेटवर्क। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं में बिचौलियों और भ्रष्टाचार का प्रभाव था तथा महिलाओं को मिलने वाली सहायता भी पूरी तरह उन तक नहीं पहुंचती थी।

सुखबीर का पंजाब सरकार पर निशाना, लिखा-

केजरीवाल और सिसोदिया के लिए 'सिलेबस से बाहर' की बात

एजेंसी
चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की ओर से शिक्षा व्यवस्था को लेकर पंजाब सरकार पर निशाना साधा गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को घेरा है। सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'यह कहानी बार-बार सुनाई जानी चाहिए, जब तक कि आप पंजाब, गुरु-द्रोही भगवंत मान और हरजोत सिंह बैंस का झूठा प्रोपेगैंडा पूरी तरह से बेनकाब न हो जाए। पंजाब में जो हो रहा है, वह कोई 'क्रांति' नहीं बल्कि एक बहुत बड़ा 'शिक्षा घोटाला' है!' उन्होंने आगे लिखा, 'निश्चित रूप से अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के लिए यह 'सिलेबस से बाहर' की बात है!' बीते दिनों सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा था, 'यह सिर्फ एक विरोध या एक विभाग की बात नहीं है। पंजाब के सभी कर्मचारियों ने मिलकर 'गुरु-द्रोही' भगवंत मान और उनकी 'झूठों की कैबिनेट' की असलियत सबके सामने ला दी है!' उन्होंने निशाना साधते हुए 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा था, 'भर्ती और सर्विस से जुड़े मुद्दों को लेकर शिक्षक विरोध कर रहे हैं। पीएसपीसीएल कर्मचारी अपने 18 प्रतिशत बकाया डीए, सही पे-स्केल और ओपीएस (पुरानी पेंशन योजना) को फिर से लागू करने की मांग कर रहे हैं। एमजीएनआरईजीए कर्मी बकाया मजदूरी और नौकरी पक्की करवाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सफाई सेवक नौकरी की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। मोहल्ला क्लिनिक स्टाफ बेहतर वेतन और काम की बुनियादी स्थितियों के लिए विरोध कर रहे हैं। '

योगी सरकार का बेटियों को तोहफा, 50 हजार छात्राओं को देगी स्कूटी, मुख्यमंत्री ने किया एलान

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा एलान किया है। योगी सरकार प्रदेश की 50 हजार छात्राओं को स्कूटी देगी। बुधवार को लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम ने ये एलान किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यूपी की डबल इंजन सरकार की हर एक योजना बेटियों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है। 2017 के पहले प्रदेश की क्या स्थिति थी। पहले कहा जाता था कि देख सपाई बिटिया घबराई। प्रदेश में बेटियों का सम्मान, शिक्षा और भविष्य सुरक्षित नहीं था। प्रदेश में उत्सव के पहले दंगे हो जाते थे। हर तरफ अव्यवस्था और अराजकता का माहौल था। हम उस दौर को याद करते हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं पर जब मोदी जी के नेतृत्व में यूपी में डबल इंजन की सरकार आई तो अराजकता को उत्सव बना दिया गया है। सरकार की हर योजना का केंद्र बेटी है। पहले तो हर योजना में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी होती थी। अब बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को जेल या जहन्नुम में कोई एक जगह मिलेगी। पहले बेटियों की सुरक्षा किस्मत पर निर्भर थी पर अब सिस्टम और तकनीक पर आधारित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ कर दिया। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस योजना का लाभ रोजाना करीब 88438 महिला यात्रियों को मिलने का अनुमान है। योजना के तहत निशुल्क यात्रा सुविधा के लिए 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को परिवहन निगम की ओर से विशेष स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे पात्र महिला यात्रियों की पहचान और निशुल्क यात्रा की व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माता अहिल्याबाई साहस और स्वाभिमान की प्रतीक हैं। इसलिए हमने इस योजना का नाम 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना नाम दिया है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27, 28 और 29 अगस्त को महिलाओं को अपने एक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। वहीं, इसके बाद 60 वर्ष की उम्र से ऊपर की हर एक महिला को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी।

टकराव छोड़ 2005 की स्थिति में लौटने को तैयार दोनों देश: एनएसए डोभाल

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण लेकर चीन गए एनएसए अजीत डोभाल वापस लौट आए हैं। इस दौरे के दौरान दोनों देशों के सीमा विवाद सुलझाने के लिए नियुक्त विशेष प्रतिनिधियों ने सीमा विवाद को सुलझाने की दिशा में बात की। अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन के दावे, भारत की संवेदनशीलता पर भी बात हुई। चीन के विदेश मंत्री और एनएसए वांग यी ने भी अपने भारत के समकक्ष की बात का समर्थन किया है। कह सकते हैं कि भारत-चीन 2005 में बनी ऐतिहासिक सहमित पर अमल के लिए तैयार हैं। इस मोड़ पर आने से पहले दोनों देशों ने सीधी उड़ान सेवा को मंजूरी दे दी थी। भारत के साथ रुकी कैलाश मानसरोवर यात्रा अब शुरू हो चुकी है। दोनों देशों के बीच में तीन दर्रों से पारंपिरक व्यापार की प्रक्रिया आरंभ है। पूर्व विदेश सचिव शशांक का कहना है कि भारत को अमेरिका का प्रेम थोड़ा संतुलित करना चाहिए। हमने इसे थोड़ा ज्यादा कर लिया था। शशांक मानते हैं कि अमेरिकी रणनीतिकार भारत को बहुत आगे नहीं बढ़ने देना चाहते। वह अपनी जरूरत के हिसाब से 'पॉलिसी शिफ्ट' करते रहते हैं। आपरेशन सिन्दूर के बाद से उन्हें फिर पाकिस्तान अच्छा लगने लगा है। इसलिए जरूरी है कि भारत को पुराने विश्वसनीय सामरिक साझीदार और सहयोगी देश रूस के साथ रिश्ते की गंभीरता को बनाए रखना चाहिए। वैश्विक संबंधों में संतुलन को वरीयता देते हुए ब्रिक्स फोरम को मजबूती देनी चाहिए। माना जा रहा है कि 12-13 सितंबर को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम'से लेकर लुटिअन जोन तक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एक केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। पूर्व विदेश सचिव शशांक मानते हैं कि रूस के राष्ट्रपित पुतिन लगातार ब्रिक्स को मजबूती देने का प्रयास कर रहे हैं। यह फोरम बिना भारत और चीन के बीच में एक सामंजस्य बने बिना मजबूत नहीं हो सकता। वैसे भी भारत वैश्विक स्तर पर बहुध्रुवीय व्यवस्था का पक्षधर है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन से जिस ग्लोबल साऊथ(विकासशील देश) की आवाज उठाई है, उसका हित बहुध्रुवीय वैश्विक मंच में ही संभव है। दोनों सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश हैं। दोनों देशों में शांति और स्थिरता पूरे उपमहाद्वीप में युद्ध और तनाव की संभावना को बहुत कम करती है। इससे न केवल भारत और चीन के संसाधनों की बचत होती है, बल्कि कारोबार, व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। इसका असर भारत में तकनीक, निवेश लाने, जरूरी सामान की उपलब्धता पर पड़ता है। चीन से रेअरअर्थ खनिज, खाद, एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स, स्मार्टफोन, रसायन, दूरसंचार के उपकरण, इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट, सेमीकंडक्टर, मशीने, रिएक्टर, बॉयलर, पॉलीमर और पैकेजिंग सामग्री आदि आसानी से मिल जाती हैं। चीन की आपूर्ति श्रृंखला मजबूत है और इससे भारतीय ओद्योगिक उत्पादन क्षेत्र प्रभावी तरीके से काम करता है। भारत विकासशील देशों की आवाज उठाता है। यह चीन के लिए बहुत बड़ा उपभोक्ता बाजार है। चीन की अर्थव्यवस्था को अभी भारत जैसे बाजार की आवश्यकता है। अमेरिका के साथ चीन का ट्रेड वॉर अभी खत्म नहीं हुआ है। भारत भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैक्स नीति से पीड़ित और सशंकित है। भारत चीन की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने में बहुत सहायक रहता है।

हिमाचल में भूकंप, किचन में रखे वर्तन गिरे, सुबह-सुबह लगे झटके लोग घरों से निकले

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की राजधानी शिमला सहित आस पास के शहरों में आए भूकंप ने लोगों को डरा दिया। घरों की किचन में रखे वर्तन गिरने लगे। जब तक लोग समझ पाते तब तक झटके लगने लगे। लोग डर के चलते घरों से बाहर निकले तब पता चला कि भूकंप के झटके आ रहे हैं। सुबह 5 बजकर 46 मिनट और 50 सेकंड पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 दर्ज की गई। इसका केंद्र शिमला से करीब 66 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण दिशा में, जमीन से 10 किलोमीटर नीचे जुब्बल-कोटखाई की तरफ था। यह झटका लगभग तीन सेकंड तक महसूस किया गया, जिसके दौरान धरती डोलने पर कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, उस समय कई लोग नींद में थे, जिस वजह से उन्हें इसका पता नहीं चल पाया। कुछ नागरिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से तेज झटका लगने की जानकारी साझा की। शिमला के अलावा सोलन, सिरमौर, बिलासपुर और मंडी के कई अन्य क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए। गनीमत यह रही कि इस घटना में फिलहाल किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश भौगोलिक रूप से भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्यों में आता है, जिसमें शिमला और मंडी जैसे जिले जोन-4 और जोन-5 के अंतर्गत आते हैं। सामान्य तौर पर 5.0 से कम तीव्रता वाले भूकंपों से बड़े पैमाने पर नुकसान की संभावना कम होती है। इससे पहले हाल ही में चंबा और कांगड़ा जिलों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए जा चुके हैं। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

गोवा कैबिनेट का ऐतिहासिक कदम : गैर-कानूनी धर्मांतरण पर उम्रकैद की सजा का प्रस्ताव

पणजी (एजेंसी)। गोवा कैबिनेट ने गैर कानूनी धर्म परवर्तन निषेध विधेयक 2026 को विधानसभा में पेश करने की मंजूरी दे दी है। यह विधेयक जबरन, दबाव, लालच, धोखाधड़ी या शादी के मकसद से किए गए धर्मांतरण को रोकने के लिए कड़े प्रावधान करता है। प्रस्तावित कानून के तहत इसतरह के मामलों में दोषियों को उम्रकैद तक की सजा, न्यूनतम 50 हजार रुपये का जुर्माना और पीड़ितों को 5 लाख रुपये तक का मुआवजा देना पड़ सकता है। विधेयक प्रावधान करता है कि यदि कोई शादी केवल गैर कानूनी धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से की गई है, तब उस शादी को अमान्य घोषित किया जा सकता है। धर्मांतरण में शामिल दोषियों को कम से कम तीन साल और अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। यदि धर्मांतरण का शिकार कोई नाबालिग, मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति, महिला या अनुसूचित जनजाति का सदस्य है, तब यह सजा 5 से 14 साल की कैद और 1 लाख रुपये के जुर्माने तक बढ़ सकती है। मुख्य सचिव वी. कंडावेलू ने इस कानून के उद्देश्य पर कहा कि इसका मकसद कमजोर और भोले-भाले लोगों को अनुचित तरीकों से होने वाले धर्मांतरण से बचाना है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होगा, जबकि धर्मांतरण समारोह आयोजित करने वाले व्यक्ति को रस्म से एक महीने पहले जानकारी देनी होगी।

कंगना के पलटवार से सन्न बाबा रामदेव : जवानी पर सवाल उठाना पड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति और मनोरंजन की दुनिया में अपने बेबाक बयानों से सुर्खियां बटोरने वाली बीजेपी सांसद कंगना रनौत और योगगुरु बाबा रामदेव के बीच छिड़ा जुबानी जंग अब व्यक्तिगत हमलों में बदल गया है। कंगना के विवादित जनरेशन गटर बयान से शुरू हुआ यह मामला, रामदेव द्वारा उनकी जवानी और अतीत पर सवाल उठाने के बाद तीखे व्यक्तिगत पलटवार में बदल गया। कंगना के करारे जवाब से सन्न हुए रामदेव को आखिरकार यह कहना पड़ा कि वह विवाद को और आगे नहीं बढ़ाना चाहते। दरअसल, जंतर-मंतर पर युवाओं को जनरेशन गटर कहने पर उठे विवाद के बीच, जब बाबा से कंगना के बयान पर सवाल पूछा गया, तब उन्होंने अभिनेत्री-सांसद पर हमला बोल दिया। रामदेव ने कहा था, 'उनका बचपन कैसा था? उनकी जवानी कैसी थी? उनके पिछले काम कैसे थे? मैं इसतरह के लोगों पर बात नहीं करना चाहता। युवाओं को जनरेशन गटर कहना विकृत मानसिकता की निशानी है।' रामदेव के इन्हीं निजी टिप्पणियों पर सांसद कंगना ने तत्काल और तीखा जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में दिवास्वप्न मत देखिए। अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही कुछ भी मान सकते हैं। कम से कम मुझे झूठे या भ्रामक प्रभावकारिता दावों के मामले में सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी।' कंगना यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने रामदेव को चरित्र पर उपदेश देने से साफ मना किया और दो टूक कहा, 'मुझे कैरेक्टर लेसन मत दीजिए। तुमसे तब बहुत ज्यादा बेहतर है मेरा कैरेक्टर। नो फ्रॉड डिटेक्टेड हियर।' यह पलटवार पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के उस मामले की ओर इशारा था, जहां 2024 में रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी थी।

कोर्ट के फैसले पर भड़के ओवैसी ने कहा- 'हमारा धर्म, हम तय करेंगे'

बोले- जज तय नहीं कर सकते कि इस्लाम में क्या जरूरी है; फैसले को अनुच्छेद 19 और 25 के खिलाफ बताया

हैदराबाद, एजेंसी।
स्कूलों में हिजाब या हेडस्कार्फ पहनने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कोर्ट के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह तय करना न्यायाधीशों का काम नहीं है कि इस्लाम में कौन-सी धार्मिक प्रथा जरूरी है और कौन-सी नहीं। ओवैसी ने इसे धर्म पर हमला बताते हुए कहा, 'यह हमारा धर्म है और हम तय करेंगे कि क्या जरूरी है। जज कौन होते हैं यह तय करने वाले?'
सांसद ओवैसी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों पर विचार कर रहा है। ऐसे में उनका कहना था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट को इस मुद्दे पर फैसला नहीं देना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट का आदेश संविधान के अनुच्छेद 19 और 25 के खिलाफ है। ओवैसी ने स्कूल छात्रा की हिजाब पहनने

की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यह उसकी पसंद और निजता का मामला है। उन्होंने कहा, 'वह हिजाब अपने सिर पर पहन रही है, न कि अपने दिमाग पर।' उन्होंने दावा किया कि ऐसे फैसलों का मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम छात्राओं के स्कूल नामांकन को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि ऐसे कदम उनकी शिक्षा में बाधा डाल सकते हैं।

क्या है इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 21 अगस्त को एक मुस्लिम छात्रा की याचिका खारिज कर दी थी। दरअसल प्रयागराज के एक निजी स्कूल की छात्रा ने स्कूल की निर्धारित यूनिफॉर्म के साथ सिर पर स्कार्फ पहनने की अनुमति मांगी थी। छात्रा हाई स्कूल पास करने के बाद उसी स्कूल में 11वीं कक्षा में दाखिला लेना चाहती थी। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की पीठ ने कहा कि किसी छात्र को शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड में अपनी पसंद के अनुसार बदलाव करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह दलील भी स्वीकार नहीं की कि सिर पर स्कार्फ पहनना इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मुद्दे पर जिन मामलों में विभिन्न हाईकोर्ट ने विचार किया है, उनमें यह राय सामने आई है कि महिलाओं के लिए सिर पर स्कार्फ पहनना इस्लामी आस्था का ऐसा अनिवार्य हिस्सा नहीं है, जिसके बिना धार्मिक आस्था खतरे में पड़ जाए।

कर्नाटक : मंत्री नागेंद्र ने 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले पर इस्तीफे की पेशकश की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 89 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले के आरोपों के बीच, राज्य के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री बी.नागेंद्र ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की है। विपक्षी भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) ने मामले को लेकर डीके शिवकुमार सरकार पर भारी दबाव बनाया हुआ था। विपक्षी भाजपा ने नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को लेकर विधानसभा सत्र के दौरान लगातार विरोध प्रदर्शन किए, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने फ्रीडम पार्क से विधानसभा का घेराव करने का भी प्रयास किया, जिसके बाद विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। विपक्ष का आरोप था कि कथित घोटाले की नैतिक जिम्मेदारी लेकर नागेंद्र को तत्काल पद से हटना चाहिए। भाजपा ने तर्क दिया कि करीब 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच के दौरान संबंधित मंत्री का पद पर बने रहना उचित नहीं है। लगातार विरोध प्रदर्शनों, विधानसभा में हंगामे और बढ़ते राजनीतिक दबाव के कारण ही नागेंद्र ने यह फैसला लिया। नागेंद्र की इस्तीफे की पेशकश को विपक्ष के निरंतर दबाव का परिणाम माना जा रहा है। हालांकि, उनका इस्तीफा स्वीकार करने का अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेतृत्व पर निर्भर है। विधानसभा सत्र भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन वाल्मीकि निगम के कथित घोटाले को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव अभी भी जारी है।

लोकसभा स्पीकर ने टीएमसी से 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।
तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में 20 बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका दायर की थी। इस मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन सांसदों को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है। यह घटनाक्रम तब हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टीएमसी की अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी को चुनौती देने वाली अभिषेक बनर्जी की याचिका पर उन 20 सांसदों से जवाब मांगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने सांसदों को नोटिस जारी किया और स्पीकर के पास लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द विचार करने को कहा है। लोकसभा स्पीकर और सेक्रेटरी जनरल की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत टीएमसी द्वारा दायर अयोग्यता याचिकाओं पर उन 20 सांसदों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं।
इस दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि सवाल नोटिस जारी करने का नहीं है, सवाल एक तय समय-सीमा के अंदर कार्यवाही पूरी करने का है। टीएमसी ने आरोप लगाया है कि इन 20 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और बाद में नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया में शामिल हो गए। अभिषेक बनर्जी का तर्क है कि उनके इस आचरण के कारण संविधान के दलबदल-रोधी प्रावधानों के तहत उन्हें अयोग्य ठहराया जा सकता है।

पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी अमेरिका को की थी लीक

पूर्व सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने पिछले साल हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि इस ऑपरेशन से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान की ओर से अमेरिका को लीक की गई होगी। पूर्व सीडीएस ने स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को लेकर पूरी तरह द्विपक्षीय बातचीत हुई थी और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। ऐसे में उन्होंने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि भारत की आधिकारिक घोषणा से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान कैसे कर दिया।
पूर्व सीडीएस ने बताया कि गत वर्ष 29 अप्रैल को आतंकवादी ठिकानों को सटीक निशाना बनाने का अहम फैसला लिया गया

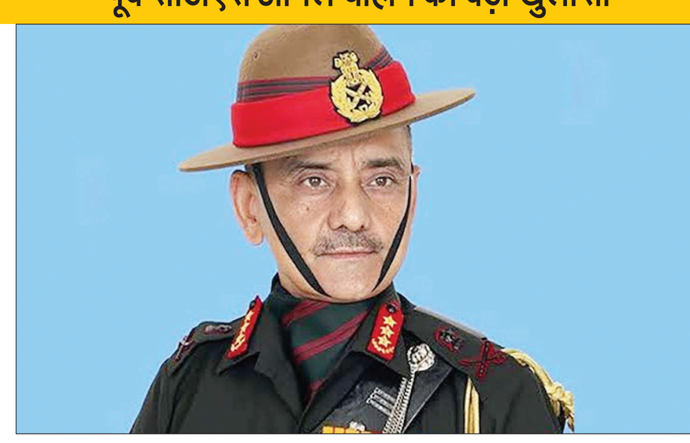

था और इस पूरी प्रक्रिया के दौरान सेना पर किसी भी प्रकार का कोई राजनीतिक दबाव नहीं था। संघर्ष विराम की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) के बीच आपसी सहमति से समय तय किया गया था। फोन पर बातचीत के बाद शाम पांच बजे का समय निर्धारित हुआ था, जिससे यह पूरी तरह स्पष्ट है कि सीजफायर केवल दो सैन्य अधिकारियों के बीच की आपसी समझ का परिणाम था। जब उनसे यह सवाल किया गया कि यह गोपनीय जानकारी अमेरिका तक कैसे पहुंची, तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह सूचना भारतीय पक्ष की तरफ से बिल्कुल लीक नहीं की गई थी। उन्होंने अंदेशा जताया कि यह जानकारी निश्चित तौर पर दूसरे पक्ष यानी पाकिस्तान की तरफ से ही लीक हुई होगी। इसके अलावा, पूर्व सीडीएस ने किराना हिल्स पर किए गए हमलों की अटकलों पर भी विराम लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों वाले क्षेत्र किराना हिल्स को निशाना नहीं बनाया गया था। उन्होंने समझाया कि हमलों से पहले सरगोधा क्षेत्र में कई ड्रोन भेजे गए थे, जिनका मुख्य उद्देश्य वहां के रडार का पता लगाना था। हवा में लंबे समय तक मंडराने के बाद यदि इन ड्रोनों को कोई लक्षित स्थान नहीं मिलता है, तो वे नीचे उतरकर टकरा जाते हैं। संभवतः इसी प्रक्रिया के दौरान कोई ड्रोन किराना पहाड़ियों से टकरा गया होगा, जिसे पाकिस्तानी मीडिया ने गलत तरीके से प्रचारित किया था।

5 सितंबर को इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक मार्च का ऐलान

सीजेपी के नेताओं ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।
जेन-जी से जुड़े एक हालिया कान्क्लेव में कॉकरोच जनता पार्टी के तीनों मुख्य चेहरे अभिजीत दीपक, आशुतोष रांका और सौरव दास शामिल हुए। इस दौरान जब अभिजीत दीपक से सवाल किया गया कि क्या वे दिल्ली केवल बवाल मचाने आते हैं और उन्होंने फिर से मार्च का ऐलान क्यों किया है, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें यह कदम मजबूरी में उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग एक महीना बीत जाने के बाद भी सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। उनका मुख्य उद्देश्य उन बच्चों के परिजनों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिलाना है जिन्होंने आत्महत्या कर ली है। दीपक ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार के लिए एक करोड़ रुपये कोई बड़ी रकम नहीं है, क्योंकि सांसद और विधायकों की खरीद-फरोख्त में 50 से 100 करोड़ रुपये आसानी से खर्च कर दिए जाते हैं, लेकिन पीड़ित परिवारों की मदद करने में कंजूसी दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी दूसरी प्रमुख मांग छात्रों पर दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत वापस लेने की है, क्योंकि प्रदर्शन करने वाले छात्र अपने शिक्षा से जुड़े अधिकार मांग रहे थे, न कि किसी से वोट। कार्यक्रम के दौरान घोषणा करते हुए दीपक ने बताया कि आगामी 5 सितंबर को इंडिया गेट 1.0

के तहत वे इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक शांति मार्च निकालेंगे। उन्होंने बताया कि वे आकांक्षा चतुर्वेदी के परिवार से मिले थे, जिनके पिता को बेटी की मौत के सदमे में पैरालिसिस और हार्ट अटैक आ गया था। उस परिवार ने अपनी बेटी को डॉक्टर बनाने के लिए 15 लाख रुपये का कर्ज लिया था और अब वे गहरे आर्थिक संकट में हैं। चर्चा के दौरान आशुतोष रांका से जयपुर में हुई घटनाओं और सुरक्षा चिंताओं को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी प्रकार की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि वे वोट मांगने नहीं बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था सुधारने की बात कर रहे हैं। राजस्थान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के 80 साल बाद भी यदि राजधानी के पास स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहे हैं, तो यह शर्मनाक है। हिंसा के डर से जुड़े सवाल पर अभिजीत दीपक ने तंज कसते हुए कहा कि वे और रांका पहले ही पुलिस या विरोध के दौरान पिट चुके हैं, और अगर जरूरत पड़ी तो वे आगे भी प्रताड़ना झेलने के लिए तैयार हैं। सौरव दास ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश और केंद्र सरकार के रवैये पर बात करते हुए कहा कि मंत्रियों के वादों के बावजूद युवाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एफआईआर की सूची मांगने और केंद्र सरकार के वकीलों द्वारा इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता न दिखाने के कारण उन्हें युवाओं के हित में यह बड़ा कदम उठाना पड़ा है।

जनता ने जिस सीएम को नकारा है उन्हें वही पसंद है : पूनावाला

-शहजाद का अभिजीत दीपके पर पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी।
सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके द्वारा कुछ मुख्यमंत्रियों को देश के सर्वश्रेष्ठ नेताओं की सूची में शामिल करने पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रहे शहजाद पूनावाला ने अभिजीत दीपके और उनकी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर तीखा हमला बोला है। पूनावाला ने कहा है कि दीपके को जिन मुख्यमंत्रियों को अच्छे लगते हैं, उन्हें जनता पहले ही नकार चुकी है। उन्होंने सीजेपी को फ्रॉड पार्टी करार देते हुए दीपके के चुने गए तीन मुख्यमंत्रियों के चयन पर गंभीर सवाल उठाए।
हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिजीत दीपके ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) के नेता एमके स्टालिन और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को देश के सबसे अच्छे मुख्यमंत्रियों में शामिल किया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, शहजाद पूनावाला ने कहा, ये तीनों ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्हें

उनकी जनता ने रिजेक्ट कर दिया है। तो सीजेपी को वो सीएम अच्छे लगते हैं, जिन्हें जनता ने रिजेक्ट कर दिया है। उन्होंने तंज कसा कि कॉकरोच जनता पार्टी में से जनता को हटाकर सिर्फ कॉकरोच पार्टी कर देना चाहिए, क्योंकि जनता का निर्णय कुछ और रहा है। पूनावाला ने अभिजीत दीपके के दावों का खंडन करते हुए तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था पर एमके स्टालिन के कार्यकाल को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टालिन ने तमिलनाडु की नहीं, बल्कि अपने परिवार की अर्थव्यवस्था और अपने बेटे का उदय किया। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि स्टालिन के पांच सालों के कार्यकाल में तमिलनाडु का कर्ज 2021 में 4.86 लाख करोड़ से बढ़कर 9.52 लाख करोड़ हो गया था। पूनावाला ने टिप्पणी की, जितना 60-70 सालों में बढ़ा, उतना पांच सालों में स्टालिन ने बढ़ाया। ये अच्छा कर रहे थे इकोनॉमी को।
केरल के पूर्व सीएम पिनराई विजयन के स्वास्थ्य मॉडल की तारीफ पर भी पूनावाला ने आपत्ति जताई। उन्होंने कोविड की दूसरी लहर का जिक्र करते हुए कहा कि केरल की आबादी साढ़े तीन करोड़ थी, और आंकड़ों के अनुसार वहां 71 हजार मौतें हुईं। इसकी तुलना में, उत्तर प्रदेश की आबादी 24 करोड़ थी और वहां कोविड से जुड़ी मौतें 23 हजार 700 हुई थीं। पूनावाला ने इसे कुप्रबंधन बताते हुए कहा, छोटा राज्य होने के बावजूद केरल में यूपी से ज्यादा मौतें हुईं। ये था केरल हेल्थ मॉडल।

अन्नपूर्णा योजना पर ममता के सवाल, सुवेंदु ने आंकड़ों के साथ दिया जवाब

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के बीच जुबानी जंग एक बार फिर तेज हो गई है। इस बार विवाद की वजह अन्नपूर्णा योजना को लेकर उठे सवाल हैं। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर योजना के लाभ को लेकर सवाल उठाए, जिसके बाद सुवेंदु अधिकारी ने आंकड़े पेश करते हुए उनके आरोपों का जवाब दिया। दोनों नेताओं के बीच बयानबाजी ने राज्य की राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है।
ममता बनर्जी ने सोमवार दोपहर सोशल मीडिया लाइव के दौरान अन्नपूर्णा योजना को लेकर कई सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि कुछ महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है और आरोप लगाया कि लाभार्थियों के चयन में जाति को आधार बनाया जा रहा है। उन्होंने ऐसे लोगों की जानकारी जुटाने की अपील की, जिन्हें कथित तौर पर योजना का लाभ नहीं मिला है। ममता ने कहा कि वह लोगों के साथ पहले भी खड़ी थीं और आगे भी रहेंगी।
सुवेंदु ने बताए लाभार्थियों के आंकड़े
ममता के आरोपों पर सुवेंदु अधिकारी ने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि अन्नपूर्णा योजना के तहत अब तक 1 करोड़ 45 लाख 64 हजार 472 लाभार्थियों को फायदा मिला है। उनके मुताबिक, इनमें करीब 19 लाख 20 हजार मुस्लिम लाभार्थी भी शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि योजना का लाभ देते समय जाति और धर्म को आधार नहीं बनाया जाता।उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों की करीब एक लाख महिलाओं को योजना के तहत लाभ मिलने का भी दावा किया। नंदीग्राम के एक ब्लॉक का उदाहरण देते हुए अधिकारी ने कहा कि वहां दो हिंदू और 52 मुस्लिम परिवारों को आवास के लिए आर्थिक सहायता दी गई। उनके मुताबिक, सरकार का प्रयास है कि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिले।
सुवेंदु अधिकारी ने यह भी कहा कि अन्नपूर्णा योजना को लेकर सरकार के पास करीब 4.5 लाख शिकायतें पहुंची हैं। इनमें योजना का लाभ मिलने और लाभ से वंचित रहने, दोनों तरह की शिकायतें शामिल हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि योजना का उद्देश्य सभी पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाना था तो शुरुआत में इसे 25 से 60 वर्ष की आयु सीमा तक क्यों सीमित किया गया। उन्होंने बताया कि शिकायतों के समाधान के लिए एक पोर्टल भी शुरू किया गया है। आंकड़े गिनाने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के सोशल मीडिया लाइव को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ममता दोपहर में सोशल मीडिया पर ही रहती हैं और उन्हें सड़कों पर निकलने की जरूरत नहीं है।उन्होंने ममता की हालिया राजनीतिक गतिविधियों पर भी कटाक्ष किया और बारुईपुर तथा हलीशहर में उनके कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए खेल के उदाहरण दिए।

पत्नी को फावड़े से काटा, आपसी मनमुटाव ने उजड़ गया परिवार, ललित हुआ बेसहारा

अमरोहा। अमरोहा में पति-पत्नी के विवाद में देहात थाना क्षेत्र के डाइडेरा गांव में शनिवार शाम एक शिक्षक ने पत्नी के गर्दन पर फावड़े से वार कर हत्या कर दी। आरोपी गांव के प्रशासक का भाई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने हत्या में प्रयोग किए गए फावड़े को भी बरामद कर लिया है। प्रशासक सत्यप्रकाश सिंह का भाई रामौतार सिंह शहर के एक निजी स्कूल में शिक्षक है। उसकी शादी 1999 में रूबी (45) से हुई थी। पुलिस के अनुसार दोनों के बीच पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा था। अक्सर कहासुनी भी होती थी। दो दिन पहले पत्नी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद वह घर से चला गया था। शनिवार सुबह इकलौते बेटे ललित कुमार व भतीजे टिंकू के साथ अन्य परिजन उसे खोजकर घर ले आए। इसके बाद दोनों परीक्षा देने के लिए अलीगढ़ चले गए। परिजन अपने काम में लग गए। इसी बीच शाम सात बजे पति-पत्नी दोनों के बीच फिर विवाद शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी ने आपा खोते हुए पत्नी के गर्दन पर फावड़ा से वार कर दिया। पत्नी ने बचाव का प्रयास किया तो उसके हाथ में भी चोटें आईं। हमले में घायल पत्नी की कुछ देर बाद मौत हो गई। सूचना पर ग्रामीण व मायके के लोग पहुंच गए। मायके वालों ने हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाकर उन्हें शांत कराया। इस बीच एएसपी अखिलेश भदौरिया और सीओ अवधभान भदौरिया ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देश पर फोरेंसिक और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चल रहे आपसी मनमुटाव ने आखिरकार परिवार को पूरी तरह बिखेर दिया। डाइडेरा गांव निवासी रामौतार सिंह और उसकी पत्नी रूबी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि रामौतार ने फावड़े से हमला कर रूबी की जान ले ली। वारदात के बाद रामौतार सलाखों के पीछे पहुंच जाएगा, जबकि परिवार का इकलौता बेटा ललित कुमार माता-पिता दोनों से दूर हो गया। रामौतार और ग्राम प्रधान/प्रशासक सत्य प्रकाश सिंह सगे भाई हैं, लेकिन दोनों अपने-अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं। घटना के बाद सत्य प्रकाश सिंह भी बेहद दुखी हैं। उन्हें अब अपने भतीजे ललित के भविष्य की चिंता सता रही है। एक तरफ मां की मौत का सदमा और दूसरी ओर पिता की गिरफ्तारी से ललित के सामने मुश्किल हालात खड़े हो गए हैं। घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। रूबी की हत्या की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग डाइडेरा गांव पहुंच गए। आक्रोशित परिजनों ने मौके पर हंगामा शुरू कर दिया और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी रामौतार को पकड़कर थाने ले आई। अधिकारियों ने परिजनों को निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

चार दिन से लापता बच्ची का शव तालाब से बरामद, पुलिस की पांच टीमें कर रही थी तलाश

अमरोहा। अमरोहा में सोमवार से लापता तीन वर्षीय अमायरा का शव शुक्रवार सुबह गांव के बीचों-बीच स्थित तालाब के किनारे गंदगी और घास में फंसा मिला। तालाब में पड़े रहने के कारण शव फूल गया था और शरीर गलने लगा। मासूम का शव मिलने की सूचना पर पुलिस में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। बच्ची के लापता होने और चार दिन तक तालाब के बाद शव मिलने से अब पुलिस हत्या कर शव तालाब में फेंके जाने की आशंका के बिंदु पर जांच कर रही है। अमायरा सोमवार को अपनी दादी फातिमा के साथ उनकी बीमार बहन मुनाजरा का हालचाल जानने गांव गई थी। इसी दौरान वह खेलते-खेलते अचानक लापता हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बच्ची का कोई पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू की। बच्ची की तलाश के लिए पुलिस की पांच टीमें लगाई गईं थीं। पुलिस ने गांव और आसपास के इलाकों में घर-घर जाकर पूछताछ की। 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। पुलिस ने नालों, खेत-खलिहानों, जंगल, खंडहर और बंद पड़े मकानों में ड्रोन कैमरे से भी तलाश की। डॉग स्क्वायड की मदद ली गई, लेकिन बच्ची के बारे में कोई सुराग नहीं मिल सका। गांव से बाहर आने-जाने वाले वाहनों की जानकारी जुटाने के साथ 100 से अधिक संदिग्ध मोबाइल नंबरों की सीडीआर और लोकेशन भी खंगाली गई। अमायरा केरल में सैलून चलाने वाले पिता मोहम्मद रजा को बेटी के लापता होने की जानकारी मिलने पर बुधवार को घर लौट आए थे। बृहस्पतिवार को उन्होंने ग्रामीणों के साथ कोतवाली पहुंचकर पुलिस से बेटी को जल्द बरामद करने की गुहार लगाई थी। देर रात एसपी लाखन सिंह यादव ने गांव और डिडौली कोतवाली पहुंचकर घटना की जानकारी ली थी और अधिकारियों को बच्ची की तलाश में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे गांव में किराए पर रहने वाले मोहम्मद अली की बेटी सोनम ने अमायरा का शव तालाब में पड़ा देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बच्ची की मौत कैसे हुई और शव तालाब तक कैसे पहुंचा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मासूम का शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। तीन साल की बच्ची सोमवार को लापता हुई थी। तभी से पुलिस उसकी तलाश में सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। शुक्रवार सुबह बच्ची का शव तालाब में पड़ा मिला। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है। मामले में हर बिंदु पर जांच की जा रही है। बच्ची की मौत कैसे हुई, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हो सकेगा। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

बुजुर्ग महिला से टप्पेबाजी का आरोपी दंपती गिरफ्तार

साहिबाबाद। मोहन नगर स्थित राजेंद्र नगर औद्योगिक क्षेत्र के इंदिरा गार्डन निवासी बुजुर्ग गुड्डी देवी से टप्पेबाजी करने वाले बंटी-बब्ली (दंपती) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दिल्ली के सुल्तानपुरी निवासी प्रवीण उर्फ भाऊ और उसकी पत्नी तुलसी ने टप्पेबाजी की वारदात स्वीकार की है। साथ ही बुजुर्ग महिला का मंगलसूत्र दिल्ली में एक सराफ को बेचने की बात भी मानी है। दोनों को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है। वहीं, सराफ की तलाश में पुलिस दिल्ली गई है। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि 29 जुलाई की शाम करीब छह बजे बुजुर्ग गुड्डी देवी को दो लोगों ने बातों में उलझाकर नोटों की गड्डी से भरा थैला दिखाया। झांसे में लेकर दोनों ने उनके कुंडल और मंगलसूत्र उतरवाकर भाग गए। महिला के बेटे पंकज कुमार की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर शनिवार को अर्थला स्थित डबास चौक के पास किराये पर रहने वाले प्रवीण और उसकी पत्नी तुलसी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि बुजुर्ग महिला का मंगलसूत्र 10 हजार रुपये में दिल्ली सराफ को बेचा था। कुंडल आदि रह चलते लोगों को बेच दिए। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह बीते तीन वर्षों से दिल्ली-एनसीआर में टप्पेबाजी की वारदात अंजाम दे रहे थे। बुजुर्ग महिलाएं उनकी सबसे आसान टार्गेट रहती थीं। एसीपी ने बताया कि छानबीन में पता चला कि दंपती की छोटा बेटी भी है, उसे फिलहाल रिश्तेदारों को सौंपा गया है। दिल्ली के सराफ की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

चलती कार बनी आग का गोला, स्टॉम्प विक्रेता जिंदा जला

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में रविवार सुबह एक कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। हादसे में कार सवार बरियारपुर निवासी राज नारायण वर्मा (43) जिंदा जल गए। मृतक स्टॉम्प विक्रेता थे। घटना सफदरगंज थाना क्षेत्र में हाईवे से बरियारपुर गांव जाने वाली सड़क की है। थाना प्रभारी अमर कुमार चौरसिया ने बताया कि राज नारायण का मकान शहर के विजयनगर मोहल्ले में भी है। रविवार सुबह वह अपनी कार से मां से मिलने गांव बरियारपुर जा रहे थे। गांव जाने वाली सड़क पर अचानक कार में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। वह कार के अंदर ही जिंदा जल गए। आग की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाई। घटना की जानकारी मिलने पर फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और कार की जांच की। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही राज नारायण के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। शव और जली कार का दृश्य देखकर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

केबल में फॉल्ट से युवक के ऊपर गिरा तार, करंट से हुई मौत

हाथरस। सासनी कस्बा के बिजलीघर निवासी 28 वर्षीय कमल पुत्र राजेंद्र उर्फ राजू की शनिवार को करंट लगने से मौत हो गई। नए मकान में काम के दौरान अंदर जा रही बिजली की केबल में अचानक फॉल्ट हो गया और तार टूटकर कमल के ऊपर गिर गया। परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजन ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12 बजे कमल नए मकान पर काम कर रहे थे। इस दौरान मकान के अंदर जा रही केबल में अचानक फॉल्ट हो गया। तार टूटकर कमल के ऊपर गिरने से उन्हें करंट लग गया और वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर गए। कोतवाली पुलिस अस्पताल पहुंची और पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन परिजनों ने इससे इन्कार कर दिया। इसे लेकर पुलिस और परिजनों के बीच करीब तीन घंटे तक नोकझोंक हुई। बाद में परिजन बिना पोस्टमार्टम शव घर ले गए। मृतक की बहन पूजा और शिवानी और मां का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

15 करोड़ का माल जब्त कई के लाइसेंस पर गिरी गाज

लखनऊ। पान मसाला कंपनियां कैंसर को बढ़ावा देने वाले रसायन की मिलावट कर रहे हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से लखनऊ और कानपुर में हुई जांच में यह खुलासा हुआ है। जांच के दौरान 15.70 करोड़ का संदिग्ध पान मसाला व सामग्री जब्त की गई है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की अपर आयुक्त रेखा एस चौहान के नेतृत्व में कानपुर नगर और लखनऊ में पान मसाला निर्माण इकाइयों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। जांच के दौरान पान मसाला में औद्योगिक चूना, मैग्नीशियम कार्बोनेट, गैम्बियर, लिक्विड पैराफिन और प्रतिबंधित रंग से रंगी सुपारी की मिलावट की जा रही है। इससे कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों को बढ़ावा मिलता है। 52 खाद्य सचल दलों ने 55 पान मसाला निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया। इनमें 19 इकाइयां क्रियाशील मिलीं, जबकि 36 इकाइयां विभिन्न कारणों से बंद पाई गईं। बंद इकाइयों में जहां अन्य कारोबार संचालित किया जा रहा था, वहां कारण बताओ नोटिस जारी कर लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए गए। 15.70 करोड़ रुपये मूल्य से अधिक के 339.69 क्विंटल संदिग्ध खाद्य पदार्थ एवं अपमिश्रक जब्त किए हैं। 92 नमूने जांच के लिए लिए गए, जबकि खराब और शीघ्र क्षरणीय 36.15 क्विंटल सामग्री, जिसकी कीमत 10.18 लाख रुपये है, मौके पर नष्ट कराई गई। कानपुर नगर में ग्रीनवर्थ इंटरप्राइजेज (एसएनके ब्रांड) का लाइसेंस निलंबित कर खाद्य कारोबार बंद करा दिया गया। राधा रानी फ्रेगरेंस में एक ही परिसर में पान मसाला और तंबाकू का निर्माण पाए जाने पर परिसर को सील कर दिया गया। लखनऊ में राज किशोर सन्स (आरके ब्रांड) का लाइसेंस निलंबन की संस्तुति की गई। सत्य नारायण केशो राम प्राइवेट लिमिटेड (कलश ब्रांड) में भी लाइसेंस निलंबन की संस्तुति की गई।

यूपी में मजदूर को तालिबानी सजा, पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा

बछरायूं (अमरोहा)। यूपी के अमरोहा में बैटरी चोरी के शक में मजदूर राकेश सिंह (30) को पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा और उसे गांव के बाहर फेंक दिया। गंभीर रूप से घायल राकेश सिंह ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर दो नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है। गांव रामपुर खादर निवासी राकेश सिंह मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिजनों के मुताबिक, 19 अगस्त को पड़ोसी गांव सुल्तानपुर में एक किसान की बैटरी चोरी हो गई थी। चोरी का शक राकेश पर जताया गया। आरोप है कि कुछ लोग उसे पकड़कर पहले सुल्तानपुर फिर ढाकोवाली गांव ले गए और पूछताछ के नाम पर पेड़ से बांध दिया। इसके बाद लाठी-डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। मारपीट में राकेश गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि हालत बिगड़ने पर उसे गांव के बाहर फेंक दिया गया। उधर से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर गंभीर हालत में पड़े राकेश पर पड़ी तो उन्होंने उसके परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे गांव बसी मुस्तकम स्थित एक चिकित्सक के पास ले गए, जहां उनका उपचार चल रहा था। गुरुवार शाम उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए बाहर ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। राकेश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन शव लेकर थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ धनौरा अंजलि कटारिया ने बताया कि मृतक की पत्नी मुकेश देवी की तहरीर पर ढाकोवाली निवासी दुर्योधन और पंकज के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

रेलवे लाइन किनारे मिला महिला का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

चित्रकूट। सदर कोतवाली क्षेत्र के रेहुंटिया गांव में एक महिला का शव रेलवे लाइन किनारे मिला। मायके पक्ष ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगा पुलिस से शिकायत की है। साथ ही वीडियो ग्राफी व पैनल से पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। कोलगदाहिया निवासी बच्चा प्रसाद ने बताया कि उसकी बेटी गीता देवी (25) की शादी वर्ष 2020 में रेहुंटिया निवासी लाल बाबू के साथ की थी। शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर ससुरालीजन प्रताड़ित करने लगे थे। इसको लेकर कई बार रिश्तेदारों के बीच पंचायत भी हुई थी। लेकिन कुछ दिन बाद फिर परेशान करने लगते थे। बताया कि ससुरालीजन ने बेटी की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को रेलवे लाइन किनारे फेंका है। लेकिन ट्रेन से शव कटा नहीं है। उसके पहले ही पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया था। उसके एक बेटा अंश व एक बेटी पूनम है। वहीं गांव में चर्चा है कि गीता का पति लालबाबू से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। उसके बाद घटना हुई है। अपराध निरीक्षक विनोद कुमार यादव ने बताया कि ट्रेन से कट कर आत्महत्या की जानकारी मिली थी। परिजनों ने आरोप लगाया है। दो डॉक्टरों के पैनल व वीडियो ग्राफी से पोस्टमार्टम हो रहा है। रिपोर्ट से स्पष्ट हो जाएगा। लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

NAME CHANGE

I, NEETU SINGH D/o Late Iqbal Bahadur Singh, R/o C-47/Y-4, MIG Flats, Dilshad Garden, Delhi-110095, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced ISLAM religion and renounced HINDUISM religion w.e.f. 24-06-2026. I hitherto known as Neetu Singh D/o Late Iqbal Bahadur Singh, R/o C-47/Y-4, MIG Flats, Dilshad Garden, Delhi-110095, have changed my name and shall hereafter be known as NIDA ALAM KHAN, for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती श्रेया तिवारी / श्री विजय तिवारी संपत्ति संख्या 36, क्षेत्रफल 65 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 21 मि0 एवं 22 मि0 में से निर्मित सम्पूर्ण प्रथम तल, बिना छत के अधिकार (without Roof Rights) को खरीदने का आशय रखते हैं। उक्त संपत्ति पंचवटी कॉलोनी, ग्राम महमा सराय उर्फ कोट, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है तथा उक्त संपत्ति को श्री सुभाष चंद जैन एवं श्रीमती सुमन जैन से खरीदा जाना प्रस्तावित है। श्री सुभाष चंद जैन एवं श्रीमती सुमन जैन ने उक्त संपत्ति श्री अरुण जैन एवं श्रीमती मंजू जैन से दिनांक 16.09.2019 की पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से खरीदी थी, जो दस्तावेज संख्या 7238 के रूप में पंजीकृत है। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, शुल्क, बंधक, दावे एवं अन्य देनदारियों से मुक्त बताई गई है तथा उक्त संपत्ति का कब्जा श्री सुभाष चंद जैन एवं श्रीमती सुमन जैन के पास होना बताया गया है। श्री सुभाष चंद जैन द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित पूर्व मूल विक्रय विलेख (Sale Deed), दस्तावेज संख्या 5289, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 9982, पृष्ठ संख्या 135-182, दिनांक 06.06.2012, एस.आर.ओ.-I, गाजियाबाद में पंजीकृत, खो गया/गुम हो गया है तथा काफी प्रयासों के बावजूद उक्त मूल दस्तावेज का पता नहीं चल सका है। उक्त मूल दस्तावेज के गुम होने के संबंध में दिनांक 22.08.2026 को थाना कोतवाली नगर, गाजियाबाद में ऑफलाइन एफआईआर दर्ज कराई गई है। उक्त संपत्ति को Sammaan Capital Ltd., Branch: Plot No. B-4/5 1st Floor, Sector-63, Noida, Uttar Pradesh – 201301 द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, DISHAN S/O USOF ALI R/O H.NO-203 NEAR 22 FOOT ROAD ADARSH COLONY FARIDABAD HARYANA 121001, CHANGED MY NAME TO DISHAN ALI.

NAME CHANGE

I, JAGDEEP SINGH YADAV S/O RAGHUBIR SINGH YADAV R/O H.NO- WZ-103, BLOCK-G, NEAR SANATAN DHARAM MANDIR, UTTAM NAGAR, Uttam Nagar, West-Delhi, Delhi-110059, have changed the name of my minor son SOUMIK SINGH YADAV aged 8 years and he shall hereafter be known as SOUMMIK SINGH YADAV for all purposes.

NAME CHANGE

I SALIK SHEKH S/o Mehtab Saleem R/o 26 B LANE NO. 1, SHAMA APPARTMENT, JOHRI FARM NOOR NAGAR EXT. JAMIA NAGAR, OKHLA, New Friends Colony S.O, South Delhi Delhi, 110025 have changed my name SALIK SHAIKH for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Udresh Kumar Chauhan S/o Late Ramfal Singh R/o Plot No. 66 S-2 S Floor, Sahara Complex Panchsheel Park, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Udresh kumar.

NAME CHANGE

I hitherto known as Soraj S/o Mawasi R/o House no-83, Asagarpur Jagir, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed my name and shall hereafter be known as Shyoraj.

NAME CHANGE

I, RAJENDRA S/O RAMU R/O H.No-2 A/353, Vasundhra PO: Vasundhra, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 have Changed the name of my minor son ANMOL KUMAR aged 13 years and he shall hereafter be known as ASHISH OSWAL.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Ankit Tyagi S/o Lomesh Kumar Tyagi R/o House No. 67, Som Bazar Wali Gali, Kunal Marriage Home, New Vikas Nagar, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Lomesh Kumar Tyagi and Shashibala Tyagi in my Service Book. The actual name of my father and my mother are Lomesh Tyagi and Shashibala.

NAME CHANGE

I, JYOTHI REDDY wife of JC-334042X, Rank-SUB MAJ, Name-V RAGHAVENDRA REDDY residing at HOUSE NO-24-5-1/11, FLAT NO-502, KALYANI CLASSIC APARTMENT, VUDA COLONY, GAJUWAKA, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-530044, have changed my name from JYOTHI REDDY to R JYOTHI for all future purposes vide Affidavit dated 27/08/2026 before Executive Megistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MO KASIM URF RAHIS S/O CHHIDDAN ALI R/O Gram Tisua Thna Fatehganj purvi, Faridpur, Bareilly, Uttar Pradesh-243506 have changed my name and shall hereafter be known as MOH KASIM.

NAME CHANGE

I SURESH CHAND S/O JAGDISH CHAND MITTAL, R/O HOUSE NO. 31B, GROUND FLOOR A/1 , CHHATTARPUR EXTENSION, NEW DELHI 110074,HAVE CHANGED MY NAME TO SURESH CHAND MITTAL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, SUSHIL PANDAY resident of SMQ-284/28, CAMP AREA, 3 WING, AIR FORCE STATION, PALAM, DELHI CANTT-110010 have changed my son's name from RUDRAKSHA KUMAR PANDEY to RUDRAKSH KUMAR PANDEY vide Affidavit dated 24/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MANISH ARORA S/O Manohar Lal Arora R/O 104, hakikat nagar, KINGSWAY CAMP, DIST-North West Delhi, Delhi-110009 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SHANAYA in my minor daughter namely SHANAYA ARORA aged 13 years in her School Records. The actual name of my minor daughter is SHANAYA ARORA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I MOSEENA W/O MOHD YASEEN MALIK R/O H NO-B-378 GALI NO-1 CHAMAN PARK INDIRA VIHAR NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHSINA.

NAME CHANGE

I, USHA wife of No.-14848908L, Rank-NK, Name-S UMAPATHI residing at VILL-KOLLAIMEDU, PO-DEVARISHIKUPPAM, TEHSIL-KV KUPPAM, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-632209, have changed my name from USHA to USHA D for all future purposes vide Affidavit dated 26/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 14664194H Rank-NK Name-SUBODH SINGH YADAV legal father of HIMANSHU YADAV residing of VILL-GILAT BAZAR, PO-CANTT VARANASI, DIST-VARANASI, UTTAR PRADESH-221002, have changed my minor son's name from HIMANSHU YADAV to KUSHANK YADAV for all future purposes vide affidavit dated 26/08/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Neetu Sharma W/o Satendra Sudarshan Sharma R/o House No. 507, D - 4, KLJ Platinum, Sector 77, Faridabad - 121004 have changed my name to Neetu Satendra Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No. 14664194H Rank-NK Name-SUBODH SINGH YADAV legal father of PRIYANSHU YADAV residing of VILL-GILAT BAZAR, PO-CANTT VARANASI, DIST-VARANASI, UTTAR PRADESH-221002, have changed my minor son's name from PRIYANSHU YADAV to UJJWAL YADAV for all future purposes vide affidavit dated 26/08/2026 Before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती संगीता, संपत्ति संख्या 18, भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 17 बिस्वा, खसरा संख्या 260/1 मिन (0-2-10), 260/2 मिन (0-2-10) एवं 257 मिन, स्थित राजस्व संपदा ग्राम सतबाड़ी, तहसील साकेत, नई दिल्ली, पर निर्मित फ्लैट संख्या छ-2, तृतीय तल, फ्रंट क्रास/दक्षिण-पूर्वी भाग, बिना छत अधिकार के, क्षेत्रफल 140 वर्ग गज, को M/s. Complete Home Solution से खरीदने का इरादा रखती हैं। उक्त M/s. Complete Home Solution, श्री महेश अग्रवाल द्वारा निष्पादित दिनांक 21.11.2022 की सामान्य मुख्तारनामा (General Power of Attorney), विक्रय हेतु करारनामा (Agreement to Sell) एवं वसीयतनामा (Will) के आधार पर उक्त संपत्ति का स्वामी बताया गया है, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, दायित्व, बंधक, दावे एवं अन्य तृतीय पक्ष के हितों से मुक्त बताई गई है, उपरोक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता Aditya Birla Housing Finance Limited, Branch: N-17, wnd Floor, Vijya Building, Barakhamba Road, Connaught Place, New Delhi द्वारा प्रदान की जानी है, यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति या दावा हो, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति/दावा लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकते हैं। उक्त आपत्ति/दावा नीचे दिए गए पते पर अधोहस्ताक्षरी को रजिस्टर्ड डाक द्वारा तथा ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति/दावा प्राप्त न होने की स्थिति में, उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किए गए दावे को निरस्त एवं शून्य (Null and Void) माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, REKHA BUNDELA wife of No.-4089165K, Rank-HAV, Name-JEETENDRA SINGH residing at VILL-CHOTA LAXMANPURA, PO-BARA KIRATPURA, TEHSIL & DIST-CHHATARPUR, MADHYA PRADESH-471201, have changed my name from REKHA BUNDELA to REKHA for all future purposes vide Affidavit dated 26/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Umesh Srivastva S/o Krishan Kishore Srivastav R/o 2091/16 Sector 16, Kheri Kalan, Faridabad - 121002 have changed my name to Umesh Srivastav for all future purposes.

NAME CHANGE

I, AHMED FARAAZ S/O WASEEM AHMED ALVI residing at 3537, FIRST FLOOR, JATWARA STREET, DARYA GANJ, DELHI-110002, Declare that my given name is AHMED and my surname is FARAAZ.

NAME CHANGE

I, NO-15732257X, Rank-L/NK Name-CHOUGALE VIJAY VILAS residing at NARAKE GALLI, CHIMAGAON TALUKA KAGAL, CHIMAGAON, MURGUD, KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416219 have changed my wife's name from CHOUGALE SUPRIYA VIJAY to SUPRIYA VIJAY CHOUGALE for all future purposes vide Affidavit dated 26/08/2026 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सम्पति देवी, श्री भूदेव सिंह से ग्राम रजापुर खुर्द, दिल्ली के क्षेत्र में स्थित तथा रक्षा एन्क्लेव एक्सटेंशन, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059 के नाम से ज्ञात कॉलोनी में स्थित खसरा नं. 13/5/2 में से 30 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट नं. 47 के हिस्से एवं दुकान नं. 10 को खरीदने का इरादा रखती हैं। उक्त संपत्ति के संबंध में श्री भूदेव सिंह के पक्ष में श्री विजय कुमार शर्मा द्वारा दिनांक 08.12.2011 को निष्पादित नोटरीकृत तक्क्र् ज्ञस्र एवं वसीयतनामा (वसीयतनामा न तो पंजीकृत है और न ही नोटरीकृत है) के आधार पर अधिकार बताया गया है, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार (Liens), प्रभार (Charges), बंधक (Mortgages), दावों एवं अन्य किसी भी तृतीय पक्ष के हितों से मुक्त बताई गई है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के क्रय हेतु Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जानी प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा या हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा तथा ई-मेल के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को भेज सकता/सकते हैं, निर्धारित अवधि के भीतर प्राप्त न होने वाली किसी भी आपत्ति अथवा दावे को उक्त संपत्ति के संबंध में शून्य एवं अमान्य माना जाएगा तथा इसके पश्चात किसी भी व्यक्ति के दावे/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Upon Instructions and Behalf of my Client Mr. Mainpal Singh S/o Dharampal Singh resident of H.No-43, Village- Jawli Loni Ghaziabad Uttar Pradesh -201102 is owner of Property area measuring 50 Sq. yards vide Sale deed dated 30-03-2026 no. 3972 executed by Shri Vijender Tiwari S/o Late Shri Rajmani Tiwari in favour of Shri Mainpal Singh S/o Shri Dharampal Singh located at, out of Khasra No. 242 Min, Situated at Indira Garden Rajender Nagar, Industrial Area Residential Hadbast Village Sahibabad, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad. The said property is free from all sorts of encumbrance, lien, charges, mortgages, etc. and he have clear and marketable title and possession of the property. He has Lost Title documents with respect to above mentioned prperty including Original Sale Deed dated 11.07.1996 executed by Mrs. Brijbala Gaur W/o Mr. Omprakash Gaur in favour of Mrs. Urmila Devi W/o Mr. Rajmani Tiwari bad, Uttar Pradesh. (Regd. Vide Document No. 3627, in Book No. 1, Volume No. 1065/1099, on Pages No. 175//608/611, SRO: Dadri, Distt. Ghaziabad.an FIR for the same is also done vide Application LR No. 580718/2026 Crime Branch Delhi He is Taking Loan against the above mentioned property from AU Small Finance Bank Ltd. If anybody having any objection and found above mentioned deed kindly contact on 9958138351 or Bank Branch within 7 days Of Publication.

(Advocate ashwani kumar)
Chamber no-122 Tehsil
Ghaziabad

PUBLIC NOTICE

My Client Mrs. Pooja Kumari W/o Lakhan Mahto R/o KH..No-368, 1/2 Extended Lal Dora Garhi Near Mother Pride School Ali pur, distt. North West Delhi+110036 is owner of Prop 01-03-2021 Registered as Documents No-521, executed by M/s Sunrise Property Solution with respect to plot area measuring 40 Sq Yards out of khasra No 36, hereinafter refer sorts of encumbrance, lien, charges, mortgages, etc. and he has clear and marketable title and possession of the property. He has Lost Original ATS & Will dated 22.02.2021 exe M/s. Sunrise Property Solution through its Partner Mr. Nar Singh S/o Mr. Ishwar Singh in respect of Residential Property of Land Area Measuring 917 Sq. Yds. (Approx.), out of Kha My client is Taking Loan against the above-mentioned property from AU Sm Alipur, Delhi-110036. A complaint/FIR for the same is also done vide Application LR No580520 Crime Branch delhi above mentioned deed kindly contact on 9958138351 or Sec 15 Branch of AU Small Finance Bank within 7 days of Publication.

(Advocate Ashwani kumar)
Chamber no-122 Tehsil
Ghaziabad

PUBLIC NOTICE

Mr. Uday Kant Jha and Mrs. Bharti Devi Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit No. 15087/GC-14, on 14th Floor, Tower-K, , "GC-14/14 AVENUE", situated at Plot No. GH-03, Sector- 16C, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Uday Kant Jha and Mrs. Bharti Devi have lost Original Allotment letter dated 24.05.2014 issued by M/s Gaursons Promoters Pvt. Ltd. in favour of Mr. Ratan Kumar Choudhary and Mrs. Mamta Rani Thakur and Original Page no 20 of Sub Lease Deed duly registered as Sl. No. 8119 in Book No.1 Vol. No. 31649 at pages 383-432 on 05/03/2019 in the office of SR-Greater Noida, executed by GNIDA AND M/s Gaursons Promoters Pvt. Ltd. in favour of Mr. Ratan Kumar Choudhary and Mrs. Mamta Rani Thakur of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आम जनता को अवगत कराया जाता है कि श्रीमती प्रीति सिंह पत्नी श्री सुनील सिंह एवं श्री सुनील सिंह पुत्र श्री आनंद पाल सिंह, दोनों, ग्राम सदरपुर, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. में स्थित खसरा नं. 122 मि. में से 75 वर्ग गज भूमि क्षेत्रफल वाले भू-खण्ड को सुश्री लक्ष्मी तिवारी पुत्री श्री अंगद तिवारी से खरीदने का इरादा रखते हैं, उक्त संपत्ति की स्वामिनी सुश्री लक्ष्मी तिवारी हैं, जिन्हें उक्त संपत्ति श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री अंगद तिवारी द्वारा निष्पादित उपहार विलेख दिनांक 30.07.2026, दस्तावेज संख्या 9334, बही संख्या 1, जिल्द संख्या 15125, पृष्ठ संख्या 217 से 236, दिनांक 30.07.2026 को एस.आर.-I, नोएडा में पंजीकृत, के माध्यम से प्राप्त हुई है, उक्त संपत्ति के मूल संपत्ति दस्तावेज एवं अन्य संबंधित दस्तावेज गुम हो गए हैं, जिसके संबंध में FIR/लॉस्ट आर्टिकल रिपोर्ट (L.A.R.) संख्या 20260000666113 पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, देनदारियों, प्रभार, बंधक, दावों एवं अन्य किसी भी तृतीय पक्ष के अधिकारों/हितों से मुक्त बताया गया है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के लिए Bajaj Housing Finance Ltd., Ghaziabad द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान किया जाना प्रस्तावित है, , यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा या हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा तथा ई-मेल के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को भेज सकता/सकते हैं, निर्धारित अवधि के भीतर प्राप्त न होने वाली किसी भी आपत्ति अथवा दावे को उक्त संपत्ति के संबंध में शून्य एवं अमान्य माना जाएगा तथा इसके पश्चात किसी भी व्यक्ति के दावे/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विकास पंवार उर्फ भोपू, पिताः सुंदर सिंह पंवार, निवासीः मकान नंबर 424, गली नंबर 6, ब्रह्मपुरी, मोदी नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 80/2010, U/s: 186/353/34 IPC & 25 Arms Act, पुलिस थाना कल्याण पुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विकास पंवार उर्फ भोपू** मिल नही रहा है। और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विकास पंवार उर्फ भोपू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कल्याण पुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **विकास पंवार उर्फ भोपू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.09.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री प्रज्ञा गुप्ता
सीजेएम, पूर्वी जिला, कमरा नंबर 29,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/12060/ED/2026

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राष्ट्रीय पोषण अभियान व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत जिला टास्क फोर्स की हुई बैठक

एजेंसी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि महिलाओं व बच्चों में कुपोषण और एनीमिया को खत्म करने के लिए जिला में चलाई जा रही सभी गतिविधियों का प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी सुनिश्चित की जाए। राष्ट्रीय पोषण अभियान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत के तहत जिलेभर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। डीसी अभिषेक मीणा ने लघु सचिवालय में राष्ट्रीय पोषण अभियान व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के संबंध में बनाई गई जिला टास्क फोर्स के साथ बैठक कर दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत महिलाओं व बच्चों में कुपोषण और एनीमिया को खत्म करने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है जो जिला में चलाए जा रहे कार्यक्रमों की निगरानी व कार्डिनेशन का कार्य समन्वय और जिम्मेदारी के साथ करें। डीसी ने कहा कि पोषण अभियान के तहत जमीनी स्तर पर कार्य करें। इस कार्य के लिए गांव स्तर पर पोषण पंचायतों को भी शामिल किया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में बनाए जा रहे भोजन की गुणवत्ता ध्यान रखने सहित आंगनबाड़ी केन्द्रों में इसकी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सरकार और जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के प्रति कृतसंकल्प : नगराधीश

पलवल। जिला प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन में जिला सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में नगराधीश प्रीति रावत ने नागरिकों की विभिन्न प्रकार की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनका समाधान करवाने के निर्देश दिए। नगराधीश प्रीति रावत ने कहा कि सरकार की मंशा है कि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसी उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि लोगों की शिकायतों की एक ही स्थान पर सुनवाई करते हुए उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और नियमानुसार उसका शीघ्र निस्तारण करें।

रेवाड़ी मैराथन 2026 में नशे के खिलाफ एकजुट होकर दौड़ेगा युवा

रेवाड़ी। जिला में 6 सितंबर को आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय हाफ मैराथन-2026 में जिले सहित प्रदेशभर के युवा नशे के खिलाफ एकजुट होकर दौड़ेंगे। मैराथन का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रेवाड़ी मैराथन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने मंगलवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैराथन से संबंधित तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक 28 हजार से अधिक प्रतिभागी मैराथन के लिए अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। उन्होंने जिलावासियों, विशेषकर युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण करवाकर मैराथन में भाग लेने का आह्वान किया। डीसी ने कहा कि रेवाड़ी मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। मैराथन के जरिए युवाओं को नशामुक्त हरियाणा के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने का संदेश दिया जाएगा। इसके साथ ही युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित करने तथा नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

जींद के ऐतिहासिक रानी तालाब परिसर में हुआ भव्य महाआरती एवं भगवान शिव की आराधना का आयोजन

चंडीगढ़। श्रावण मास के अंतिम पावन अवसर पर जींद के ऐतिहासिक रानी तालाब परिसर में भव्य महाआरती एवं भगवान शिव की आराधना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान हरियाणा विधान सभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्णलाल मिड्ढा ने भी भजन प्रस्तुत किया, जिससे वातावरण और अधिक भक्तिमय हो गया। हजारों श्रद्धालु भगवान महादेव की भक्ति में लीन होकर रानी तालाब पहुंचे। हर-हर महादेव के जयघोष, शंखनाद, मंत्रोच्चार और भक्ति संगीत से पूरा रानी तालाब परिसर शिवमय हो उठा। महाआरती का आयोजन पारंपरिक धार्मिक विधि-विधान के साथ किया गया। बनारस से आए पुजारियों ने पारंपरिक वेशभूषा में बड़े पीतल के दीपकों, शंखनाद और मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव की महाआरती करवाई। इस अवसर पर भगवान महादेव का नौका विहार करवाया गया तथा शिवलिंग का पवित्र जल से अभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

तालाबों में गंदा पानी नहीं जाना चाहिए, ट्रीटमेंट के बाद ही तालाब में पहुंचे पानी : मुख्यमंत्री

320 तालाबों का नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण जल्द पूरा करने तथा 467 नए तालाबों पर काम शुरू करने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बने तालाबों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के साथ-साथ इनके रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी तालाब में गंदा पानी सीधे न जाए, इसके लिए पानी को वैज्ञानिक तरीके से ट्रीट करने के बाद ही तालाब में पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा पॉन्ड एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि तालाबों के सौंदर्यीकरण के साथ इनके आसपास ग्रामीणों के लिए बेहतर सुविधाएं भी विकसित की जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन गांवों में नई योगशालाएं बनाना प्रस्तावित हैं, वहां तालाबों के आसपास शेड इत्यादि लगाकर योगशालाएं बनाई जाएं और ओपन जिम की व्यवस्था की जाए। इससे ग्रामीण इन स्थानों पर नियमित रूप से आएंगे और तालाबों की देखभाल में भी रुचि लेंगे। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में कुल 20,100 तालाब हैं, जिनमें 19,219 ग्रामीण और 881 शहरी क्षेत्रों में हैं। इनमें से जो

तालाब प्रदूषित एवं ओवरफ्लोइंग हैं, उनपर खासा फोकस किया जा रहा है। गांवों के ग्रे और ब्लैक वाटर को ट्रीट करने पर भी रणनीति बनाई जा रही है। इसके लिए तालाब से बाहर वेस्ट वाटर मैनेजमेंट अथवा एसटीपी की व्यवस्था की जा सकती है। गांव या पंचायत की जमीन का उपयोग इसके लिए किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में माइक्रो एसटीपी की व्यवस्था के लिए भी कार्य किया जाए तथा तालाब में पानी पहुंचने से पहले आवश्यक प्री-ट्रीटमेंट सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मैकेनिकल एरेशन और नैनोबबल टेक्नोलॉजी जैसी तकनीकों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन तकनीकों का पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इस्तेमाल किया जाए और परिणाम कारगर पाए जाने पर इन्हें अन्य तालाबों में भी लागू किया जाए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि 320 तालाबों के नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण का चल रहा कार्य तेजी से पूरा किया जाए। साथ ही 467 नए तालाबों को चिन्हित कर वहां भी कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने पूर्ण हो चुके तालाबों के रखरखाव के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने तालाबों पर लगे सोलर पंपों के आसपास ऊंचे स्तर पर पानी के फिल्ट्रेशन की व्यवस्था करने तथा सोलर पंपों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने 350 अमृत सरोवरों की स्थिति से भी अवगत कराया।

पेयजल की शुद्धता के लिए सभी पुराने वाटर-वर्क्स को आरसीसी आधारित बनाया जाए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में उन सभी पुराने वाटर वर्क्स को आरसीसी (सीमेंट-कंक्रीट) आधारित बनाया जाए जहां भूमिगत जल से मिलकर पानी की शुद्धता प्रभावित हो रही है। इसके अलावा जहां-जहां संभव हो, वहां ट्यूबवेल आधारित वाटर वर्क्स को प्राथमिकता के आधार पर नहरी पानी आधारित बनाया जाए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह निर्देश आज जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेश में जलघरों व पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री

रणबीर सिंह गंगवा भी मौजूद थे। विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज यादव ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 1888 नहरी पानी आधारित वाटर वर्क्स तथा 4199 बूस्टिंग स्टेशन संचालित हैं। इनके अलावा 12404 ट्यूबवेल तथा 5 रेनी वैल स्कीम्स भी जलापूर्ति के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा 3674 ट्यूबवेल संबंधित ग्राम पंचायतों को सौंपे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जरूरत के अनुसार 103 नए नहरी आधारित वाटर वर्क्स, 1065 नए ट्यूबवेल, 369 नए बूस्टिंग स्टेशन तथा 2 नए रेनी वैल लगाने की प्रक्रिया प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि 7005 किलोमीटर वितरण नेटवर्क में से 1525 किलोमीटर लंबी लाइनों को बदला जाएगा जिसमें से मार्च 2027 तक 837 किलोमीटर वितरण नेटवर्क को बदल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ईंटो से निर्मित 466 वाटर वर्क्स को आरसीसी आधारित वाटर वर्क्स में बदला जा रहा है। इस कार्य पर लगभग 1000 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाना हरियाणा सरकार की प्राथमिकता है। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए पैसों की कमी को आड़े नहीं आने दिया जाएगा।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर महिलाओं को सरकार की बड़ी सौगात

महिलाएं और उनके 15 वर्ष तक के बच्चे कर सकेंगे बसों में मुफ्त यात्रा

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा सरकार द्वारा हर साल की तरह इस साल भी रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेश की महिलाओं को विशेष सौगात देने का निर्णय लिया है। इस फैसले के तहत रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सभी महिलाओं को हरियाणा राज्य परिवहन की साधारण बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। सरकारी प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह निःशुल्क यात्रा की सुविधा 27 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी जो 28 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक लागू रहेगी। यात्रा के दौरान महिलाओं के साथ उनके 15 वर्ष तक आयु के बच्चे भी हरियाणा रोडवेज की साधारण बसों में बिना किराया दिए यात्रा का लाभ उठा सकेंगे। निःशुल्क यात्रा की सुविधा हरियाणा राज्य में स्थित किसी भी एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने के लिए मान्य होगी। जिसमें दिल्ली और चंडीगढ़ तक की यात्राएं भी शामिल की गई है। प्रवक्ता ने बताया कि राज्य स्तर पर संबंधित अधिकारियों तथा सभी जिला महाप्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि वे रक्षाबंधन के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए बसों के सुगम संचालन के अलावा पर्याप्त बसों की उपलब्धता तथा यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि जिला महाप्रबंधक प्रत्येक बस स्टेण्ड पर परिवहन कर्मचारी को वर्दी में तैनात करेंगे ताकि महिलाओं का गंतव्य स्थल के लिए उचित मार्गदर्शन कर सकें।

नशामुक्त हरियाणा के संदेश के साथ 6 सितंबर को होगी मैराथन- एडीसी

एडीसी राहुल मोदी ने मैराथन की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर की बैठक

एजेंसी

रेवाड़ी। नशे के खिलाफ जन जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से रेवाड़ी में आगामी 6 सितंबर को भव्य मैराथन का आयोजन किया जाएगा। मैराथन के सफल आयोजन को लेकर एडीसी राहुल मोदी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। एडीसी ने बताया कि मैराथन में हर आयु वर्ग के नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, औद्योगिक इकाइयों तथा विभिन्न संस्थाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम को सु व्यवस्थित, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। एडीसी ने बताया कि मैराथन के रूट, प्रतिभागियों की संख्या, रूट प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, चिकित्सा एवं सुरक्षा प्रबंधन, पेयजल, टेंट, मंच, प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था, एलईडी स्क्रीन, फोटोग्राफी तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मैराथन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए संबंधित विभाग अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी समय रहते निर्धारित करें। उन्होंने बताया

कि मैराथन के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एडीसी राहुल मोदी ने जिले के नागरिकों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराकर मैराथन में शामिल होने का आह्वान किया। बैठक में डीएमसी प्रदीप अहलावत, डीएसपी संजीव बल्हारा, जिला रेडक्रॉस सोसायटी सचिव बिजेंद्र सौरोत, डीआईओ सचिन और कोच चरण सिंह आदि मौजूद रहे।

महिलाओं की सुरक्षा व अधिकारों की रक्षा महिला आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकताः ऊषा प्रियदर्शी

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन ऊषा प्रियदर्शी ने कहा है कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों की रक्षा और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऊषा प्रियदर्शी ने जिले के विभिन्न संस्थानों का औचक निरीक्षण कर महिलाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं, सुविधाओं, सुरक्षा एवं शिकायतों के निवारण की स्थिति का जायजा लिया। सिरसा सिविल अस्पताल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला मरीजों एवं नवजात शिशुओं को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। महिला मरीजों से संवाद कर उनकी समस्याओं, उपचार के अनुभव तथा अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही अस्पताल में सफाई, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा भी की। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि चेयरपर्सन द्वारा महिला थाना के निरीक्षण के दौरान महिलाओं से संबंधित शिकायतों, उनकी सुनवाई, पुलिस स्तर पर की जा रही कार्रवाई

तथा मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। उन्होंने महिलाओं की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक मजबूत एवं संवेदनशील बनाने पर जोर दिया। इस दौरान सभी संस्थानों की व्यवस्थाओं की समग्र समीक्षा की गई। जहां भी किसी प्रकार की कमी या कार्यप्रणाली में सुधार की आवश्यकता सामने आई, उसे दूर कर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिकारियों को महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, तत्परता और जवाबदेही के साथ कार्य करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि औचक निरीक्षण का उद्देश्य जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को परखना, कमियों को चिन्हित करना और उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

नागरिकों की शिकायतों का समय रहते गंभीरता से समाधान करें अधिकारी - मंत्री श्याम सिंह राणा

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में मंत्री ने की 13 शिकायतों की सुनवाई, 9 का मौके पर किया निपटारा

एजेंसी

कैथल। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में जिला कैथल में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में कुल 13 शिकायतों की सुनवाई की गई, जिनमें से 9 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान श्री श्याम सिंह राणा ने एक महिला के ऑपरेशन में लापरवाही की शिकायत पर जांच के लिए चिकित्सकों का बोर्ड गठित करने तथा निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। वहीं एक बिजली चोरी का फर्जी केस बनाने के मामले में कमेटी गठित कर जांच के आदेश दिए। मंत्री ने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर और निर्धारित समय सीमा में किया जाए। आमजन की शिकायतों का समाधान करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी शिकायत को अधिक समय तक लंबित न रखे। बैठक में पुरानी शिकायतों की भी समीक्षा की गई। गांव मूंदड़ी निवासी राज कुमार ने रंजिश के चलते परिजनों पर जानलेवा हमला करने तथा मुख्य आरोपी को बचाने का आरोप लगाया था। पुलिस ने बताया कि मामले में पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है तथा एक आरोपी विदेश में होने के कारण उसके खिलाफ एलओसी जारी की गई है। मंत्री ने पुलिस को मामले की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए और शिकायत को अगली बैठक तक लंबित रखा। नई शिकायतों में बिजली चोरी का फर्जी केस बनाने, गलत नाम-पता दर्ज करने और 6,990 रुपये जबरन भरवाने का आरोप लगाया।

इस मामले में एसडीएम कलायत, एक्सईएन बिजली बोर्ड एवं एक गैर समिति सदस्य को शामिल करते हुए जांच समिति गठित करके रिपोर्ट अगली बैठक में देने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग से संबंधित एक अन्य षिकायत में गांव सेरधा निवासी द्वारा कंसल अस्पताल में महिला डॉक्टर के बजाय पुरुष डॉक्टर द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन किए जाने तथा ऑपरेशन के बाद पेट में धागे रह जाने सहित गंभीर आरोप लगाए। मंत्री ने मामले की जांच के लिए नेगलिजेंस बोर्ड गठित करने के निर्देश दिए और शिकायत को अगली बैठक के लिए लंबित रखा।

सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे से लेकर विदेशी भाषाओं की शिक्षा तक, हरियाणा सरकार का विजन स्पष्टः शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

नवंबर 2026 तक सभी पात्र स्कूलों में उपलब्ध कराए जाएंगे ड्यूल डेस्क

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने आज यहां हरियाणा निवास में उच्च शिक्षा विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान मंत्री ने राज्य में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तर को गुणात्मक रूप से सुधारने और शैक्षणिक संस्थानों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने बताया कि राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का व्यापक सर्वे पूरा कर लिया गया है। इस सर्वे के आधार पर प्रत्येक जिले में स्कूलों की तात्कालिक जरूरतों और कमियों की सटीक पहचान की गई है। इसी डेटा के आधार पर अब जरूरत के अनुसार विकास योजनाएं तैयार की जा रही हैं। स्कूलों के भवनों के निर्माण, मरम्मत और अन्य आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है तथा इसके लिए आवश्यक धनराशि बिना किसी विलंब के जारी की जा रही है। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को बेहतर और आरामदायक कक्षा वातावरण प्रदान करने के लिए ड्यूल डेस्क की खरीद प्रक्रिया तेजी से

शुरू कर दी गई है। वर्तमान में टेंडर प्रक्रिया जारी है और विभाग का लक्ष्य है कि नवंबर 2026 तक सभी लक्षित स्कूलों में ड्यूल डेस्क उपलब्ध करा दिए जाएं। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 250 सीएम-ईईई स्कूलों की पहचान की गई है। पीएम-श्री स्कूलों की विकास प्रक्रिया से जुड़े इन स्कूलों का चयन कड़े मानदंडों के आधार पर किया गया है। इनके लिए विशेष 'स्कूल विकास योजनाएं' तैयार की गई हैं, जिनसे यहां के पढ़ाई के माहौल, शैक्षणिक गुणवत्ता और इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व सुधार होगा। इन्हें राज्य के अग्रणी मॉडल स्कूलों के रूप में स्थापित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि फ्रांस के दूतावास के सहयोग से 60 शिक्षकों को प्रशिक्षित कर 26 सरकारी स्कूलों में फ्रेंच की कक्षाएं शुरू कर दी गई हैं। वहीं जर्मन भाषा के लिए 80 शिक्षकों का चयन कर जर्मन दूतावास के सहयोग से प्रशिक्षण प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि मेधावी छात्रों को आईआईटी और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले 'सुपर 100' कार्यक्रम में सीटों की संख्या 400 से बढ़ाकर 500 कर दी गई है। इसके दो ऑफलाइन केंद्रों की स्थापना की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है, जिससे होनहार छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं का बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा।

'खेलो इंडिया संवाद -खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ' का आयोजन 27 अगस्त को

एजेंसी

रेवाड़ी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त 2026 को देशभर में 'खेलो इंडिया संवाद - खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत जिले में दो शिक्षण संस्थानों किशन लाल पब्लिक कॉलेज रेवाड़ी एवं अहीर कॉलेज रेवाड़ी में प्रधानमंत्री के उद्बोधन में वर्चुअल माध्यम से खिलाडी एवं युवा भाग लेंगे। इस संबंध में जिला सचिवालय रेवाड़ी में डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। डीसी ने कहा कि राष्ट्रव्यापी पहल का उद्देश्य युवाओं को खेल, युवा नेतृत्व तथा विकसित भारत के निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार, सुझाव और अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवा खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को भारत के खेल पारितंत्र, युवा नेतृत्व और भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करने का मंच मिलेगा। डीसी ने बताया कि किशन लाल पब्लिक कॉलेज रेवाड़ी में युवा प्रतिभागियों को संवाद एवं सहभागिता के माध्यम से अपने विचार और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में खेलों के विकास, युवा नेतृत्व, प्रतिभा पहचान, प्रशिक्षण एवं अवसरों के विस्तार तथा विकसित भारत में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी एनएसएस प्रभारी डॉ. पारुल मित्तल रहेंगे। इसी प्रकार अहीर कॉलेज रेवाड़ी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन एवं कार्यक्रम का प्रसारण भी युवाओं तक पहुंचाया जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 183, निफ्टी 126 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी और ऑटो शेयरों के साथ ही आईटी में भी गिरावट रही जिससे भी बाजार धारणा कमजोर हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 183.15 अंक गिरकर 77,472.94 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.80 नीचे आकर 24,207.75 पर बंद हुआ।

आज सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ 77,892.10 पर खुला। वहीं, निफ्टी अपने 7.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,341.95 पर खुला। व्यापक बाजार में भी मिश्रित कारोबार देखने को मिला, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी दर्ज की गई।

निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी रियल्टी का प्रदर्शन भी खराब रहा।

वहीं, निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सीमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहा। आज कोटक

महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही, जबकि भारती एयरटेल, पावरग्रिड, इंफोसिस, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती घंटों में ही सेंसेक्स 240 अंक बढ़कर 77,900 के स्तर के करीब पहुंच गया जबकि निफ्टी 24,300 अंक ऊपर आया। दूसरी ओर एशिया-प्रशांत के ज्यादातर बाजार भी बढ़त पर रहे।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की अप्रत्याशित रूप से अधिक बायबैक की घोषणा के बाद से ही सोने की कीमतें तीन महीने के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयीं। वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। चांदी भी 69 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई है। इस तेजी से निवेशकों का ध्यान एक बार फिर सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन धातुओं की ओर बढ़ा है।

वहीं घरेलू बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल देखा तेजी रही। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1,63,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब, जबकि चांदी का भाव 2,45,700 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रहा था।

एमसीएक्सा पर सोने के बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध की शुरुआत तेजी के साथ हुई। यह 320 रुपये की बढ़त के साथ 1,63,202 रुपये के भाव पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,62,882 रुपये था। वर्तमान समय में, यह अनुबंध 254 रुपये की तेजी के साथ 1,63,136 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार के दौरान ये 1,63,202 रुपये के उच्च स्तर और 1,62,021 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा।

इसी प्रकार चांदी के वायदा भाव में भी बड़ी तेजी रही। एमसीएक्स पर सितंबर अनुबंध 1,456 रुपये की बड़ी बढ़त साथ 2,45,583 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,44,127 रुपये था। दिन के दौरान इसका उच्चतम स्तर 2,46,180 रुपये और न्यूनतम स्तर 2,45,430 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने चांदी के वायदा भाव में सकारात्मक रुख जारी है। सोने का भाव 4,715.70 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 10.90 डॉलर की तेजी के साथ 4,705.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 4,694.50 डॉलर प्रति औंस था।

ईरान-अमेरिका युद्ध से परेशान एनआरआई भारत में खरीद रहे महंगे मकान

मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ के अपार्टमेंट करा रहे बुक

नई दिल्ली।

ईरान युद्ध के चलते प्रवासी भारतीय भारत में महंगे मकान खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। रियल एस्टेट कंपनियों के मुताबिक करीब छह महीने से जारी ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के बीच एनआरआई भारत में लक्जरी मकान खरीदने के लिए बातचीत बढ़ा रहे हैं। पूर्वंकरा सीईओ ने कहा कि एनआरआई की दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में हमारी प्री-सेल्स में एनआरआई की हिस्सेदारी 9 फीसदी थी, जो चौथी तिमाही में बढ़कर 13 फीसदी और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 15 फीसदी तक पहुंच गई है।

खास बात यह है कि एनआरआई की तरफ से आ रही मांग का करीब 87 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशिया से है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में रहने वाले एनआरआई 'आज भारत को निवेश का स्थिर और लंबे समय का ठिकाना मान रहे हैं। इस साल 28 फरवरी को लड़ाई छिड़ने के बाद से जीसीसी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान के हमले होते रहे हैं। रियल एस्टेट डेवलपरों और अधिकारियों का कहना है कि एनआरआई मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ रुपए के अपार्टमेंट बुक करा रहे हैं। लोढ़ा डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए कंपनी की अर्निंग्स कॉल के दौरान अनुमान लगाया कि यह रुझान पिछले साल से उलटा हो सकता है। उन्होंने कहा कि विदेश में उथल-पुथल के कारण एनआरआई भारत में सुरक्षित ठिकाना तलाशेंगे। हमें उम्मीद है कि आव्रजन से जुड़ी वजहों से अमेरिका में रहने वाले खरीदार भी ऐसा ही करेंगे। पिछले साल भारत से करीब 35,000 करोड़ रुपए का निवेश दुबई के रियल एस्टेट में हुआ था।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

न्यूयार्क ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। कीमतों में ये गिरावट वैश्विक आपूर्ति मार्ग होर्मुज पर तनाव में कमी से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेज गिरावट दर्ज की गई। इससे अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 2 फीसदी ने फिसलकर 80 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब आ गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड भी लगभग 2.25 फीसदी की गिरावट के साथ ही 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण विश्व के प्रमुख तेल आपूर्ति मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होनो है जिससे जहाजों का आवागमन बेहतर हुआ है। ईरान और ओमान के बीच इस प्रमुख् समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही को बेहतर बनाने बातचीत जारी है। , इन देशों के बीच चल रही वार्ताओं से यह उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में तेल वाहक जहाजों की आवाजाही आसान हो जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों देश एक अस्थायी समुद्री मार्ग स्थापित करने और समुद्र में मौजूद बारूदी सुरंगों को हटाने पर भी विचार कर रहे हैं। इन सकारात्मक घटनाक्रमों ने बाजार में तेल आपूर्ति की कमी के डर को काफी हद तक कम कर दिया है, जिससे निवेशकों का रुख बिकवाली की ओर मुड़ गया है।बुधवार सुबह (भारतीय समयानुसार लगभग 8 बजे), डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा 2 डॉलर यानी 2.43 फीसदी गिरकर 80.36 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ के निवेश की दरकार

नई दिल्ली। देश में आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के पांच साल बाद 1996 में अर्थशास्त्री राकेश मोहन ने वित्त मंत्रालय को अहम दस्तावेज सौंपा। इस दस्तावेज ने भारत के अवसंरचना या बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परिभाषा ही बदल दी। मोहन उस समय राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के महानिदेशक हुआ करते थे। भारतीय अवसंरचना रिपोर्ट शीर्षक नाम से मोहन के इस दस्तावेज में वैश्विक रुझानों और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के भारत की महत्त्वाकांक्षाओं का जिक्र किया गया था। इस दस्तावेज में उस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की ज्यादा भागीदारी पर जोर दिया जिसमें सरकार का दबदबा था। इस रिपोर्ट ने उन कई सुधारों का रास्ता भी साफ हो गया जो भारत में आने वाले सालों में अपनाए गए थे।रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की दरकार होगी। साथ ही, इसमें कहा गया था कि निजी निवेश की हिस्सेदारी 5 फीसदी से बढ़ाकर 44 फीसदी करने की जरूरत है। इसके बाद के सालों में सरकार को एहसास हुआ कि जर्जर हो रहे अवसंरचना क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलना बहुत जरूरी है।

इसके बाद खासकर पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के दौरान कई बड़ी परियोजनाएं शुरू की गईं जिनके जरिये संपर्क को बढ़ावा मिला। इनमें 'स्वर्णिम चतुर्भुज' परियोजना भी शामिल थी। उस समय के कुछ जानकारों ने इस परियोजना को 16वीं शताब्दी में शेर शाह सूरी द्वारा बनाए गए 'ग्रांड ट्रंक रोड' के बाद अपनी तरह का सबसे बड़ी परियोजना बताया था।

देश में चल रहे कई बड़े प्रोजेक्ट, मजदूरों की कमी से कई काम नहीं हो पा रहे पूरे

कंपनियों को हो रहा घाटा 10 फीसदी घटी कमाई, देरी से बढ़ रही प्रोजेक्ट की लागत,

नई दिल्ली, ।

देश में सड़क, रेलवे, मेट्रो, बिजली और दूसरे बड़े प्रोजेक्ट पर काम जारी है। कंपनियों को नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, लेकिन अब एक नई परेशानी सामने आ रही है। काम तो है, लेकिन उसे पूरा करने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे। इसका असर प्रोजेक्ट की रफ्तार से लेकर कंपनियों की कमाई पर पड़ने लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में देश की 13 बड़ी लिस्टेड इंफ्रा कंपनियों को मिले नए ऑर्डर पिछले साल के मुकाबले 63 फीसदी बढ़े, लेकिन इसके बावजूद इन कंपनियों की कुल आमदनी पिछले साल के आसपास ही रही और पिछली तिमाही के मुकाबले 10 फीसदी घट गई।

रिपोर्ट के मुताबिक किसी कंपनी को 5,000 या 10,000 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिल जाना और उससे कमाई होना एक बात नहीं है। कंपनी की कमाई तब होती है, जब वह जमीन पर काम करती है। सड़क बनती है, पुल तैयार होता है या रेलवे से जुड़ा काम करती है। इसके लिए मशीनों और इंजीनियरों के साथ बड़ी संख्या में मजदूर चाहिए होते हैं। रिपोर्ट में बताया कि पहली तिमाही में राज्यों के चुनाव के कारण मजदूरों से जुड़ी परेशानी देखने को मिली। इसका असर काम की रफ्तार पर पड़ा यानी कंपनियों के पास ऑर्डर थे, लेकिन मजदूरों की कमी के कारण काम की रफ्तार धीमी रही।

मजदूरों की कमी से कंपनियों के सामने एक और परेशानी खड़ी होती है। जब काम ज्यादा हो और मजदूर कम मिलें तो मजदूरी बढ़ जाती है यानी कंपनी को वही काम कराने के लिए पहले से ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है। अगर मजदूर समय पर नहीं मिलते तो प्रोजेक्ट पूरा होने में भी ज्यादा समय लगता है। इसका सीधा असर कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है। हालांकि कंपनियों की कमजोर तिमाही के लिए सिर्फ मजदूरों की कमी जिम्मेदार नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भी कंपनियों का खर्च बढ़ाया है। इसके साथ मजदूरी की लागत भी बढ़ी है। नतीजा 13 कंपनियों का कामकाजी मुनाफे का मार्जिन पिछले साल के मुकाबले करीब 1.10 फीसदी घटकर 10 फीसदी रह गया। वहीं शुद्ध मुनाफे से जुड़ा मार्जिन करीब 1.30 फीसदी घटकर 4 फीसदी रह गया है।

अगर मजदूरों की परेशानी लंबे समय तक रहती है तो इसका असर आम लोगों तक भी पहुंच सकता है। सड़क, पुल, रेलवे लाइन, मेट्रो या दूसरे प्रोजेक्ट को पूरा होने में ज्यादा समय लग सकता है। काम लंबा खिंचा तो उसकी लागत भी बढ़ जाती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि देश के सभी इंफ्रा प्रोजेक्ट मजदूरों की कमी से अटक जाएंगे। अलग-अलग कंपनी, राज्य और प्रोजेक्ट पर इसका असर अलग हो सकता है।

तमिलनाडु में बच्चों को सोने की अंगूठी- दिग्गज ज्वैलर्स सिर्फ एक पैसे में बनाएंगे

योजना में 22 कैरेट सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी

चेन्नई, ।

तमिलनाडु सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी 'थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम' योजना शुरू की है, जिसके तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को एक ग्राम, 22 कैरेट सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी। इस विशाल परियोजना को साकार करने के लिए, दो प्रमुख आभूषण कंपनियों, जोयालुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को लाखों अंगूठियां बनाने का ठेका दिया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि ये दिग्गज ज्वैलर्स, जो आमतौर पर ग्राहकों से भारी मेकिंग चार्ज वसूलते हैं, थलापति विजय सरकार से प्रति अंगूठी केवल 1 पैसे का सांकेतिक सेवा शुल्क लेने वाले है। मामा की सोने की अंगूठी योजना' नाम से जानी जाने वाली पहल, राज्य में प्रसव के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को चुनने के लिए परिवारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। तमिल संस्कृति में नवजात शिशु के आगमन पर मामा द्वारा उपहार देने की परंपरा से प्रेरित यह योजना, मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी के चुनावी वादे का हिस्सा है। विजय सरकार ने योजना के लिए प्रति वर्ष 755.83 करोड़ का भारी-भरकम बजट निर्धारित किया है, जो इसकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को दिखाता है।यह असाधारण 1 पैसे का सेवा शुल्क केवल मेकिंग चार्ज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें निर्माण से लेकर अस्पताल तक अंगूठियों के सुरक्षित परिवहन का बीमा, साथ ही 22 कैरेट सोने की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए बीआईएस हॉलमार्किंग का खर्च शामिल है। सोने की बाजार कीमत का भुगतान विजय सरकार अलग से करेगी।

इस ठेका को पाने के लिए कुल 11 आभूषण कंपनियों ने बोली लगाई थी, लेकिन जोयालुक्कास और कल्याण ज्वैलर्स ने सबसे कम, यानी 1 पैसे प्रति अंगूठी की दर पेश की।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.31 पर बंद हुआ आज सुबह रुपया 95.40 पर खुला था। कच्चे तेल में आई गिरावट से भी रुपया मजबूत हुआ है। वहीं गत दिवस रुपया गिरावट पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट को अधिक बढ़ने से रोकने में मदद मिली। इससे एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और ईरान को लेकर फिर बढ़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद रुपया सीमित दायरे में रहा।

बीमा सेक्टर में कमीशन से लेकर बेचने तक के बदल सकते हैं नियम, बदलाव की है तैयारी

बीमा सेक्टर में प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं

नई दिल्ली, ।

लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। आईआरडीएआई की नजर अब बीमा कंपनियों के कमीशन, बैंकों के जरिए पॉलिसी बेचने के तरीके और ग्राहकों को सही पॉलिसी देने जैसे मुद्दों पर है। अगर ये बदलाव होते हैं तो इसका असर एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, आईसीआईसीआई प्रोडेंटल लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ जैसी कंपनियों पर पड़ सकता है। बीमा सेक्टर की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं।

बता दें वित्त वर्ष 2020 से 2025 के बीच नई पॉलिसी की संख्या हर साल औसतन 1.3 फीसदी घटी। वहीं नई पॉलिसी से मिलने वाला प्रीमियम करीब 8.9 फीसदी सालाना बढ़ा। इस दौरान कंपनियों का कमीशन खर्च भी करीब 14.5 फीसदी सालाना बढ़ा है यानी कंपनियों की ग्रोथ ज्यादा ग्राहक जोड़ने के बजाय महंगी पॉलिसी बेचने से आ रही है। वित्त वर्ष 2025 में लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों ने करीब 60,800 करोड़ रुपए कमीशन दिया। अब इस बात पर चर्चा है कि एजेंट और डिस्ट्रीब्यूटर को मिलने वाले पैसे का तरीका बदला जाए। मतलब कमीशन का कुछ हिस्सा इस बात से जोड़ा जा सकता है कि ग्राहक कितने समय तक पॉलिसी चालू रखता है। इससे सिर्फ पॉलिसी बेचने के बजाय उसे लंबे समय तक जारी रखने पर भी जोर बढ़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक 13वें महीने तक औसतन करीब 73.6 फीसदी पॉलिसी जारी रहती हैं। 37वें महीने तक यह आंकड़ा घटकर करीब 58.5 फीसदी रह जाता है यानी बड़ी संख्या में लोग कुछ साल बाद पॉलिसी छोड़ देते हैं। इसकी वजह महंगा प्रीमियम या ग्राहक की जरूरत के हिसाब से सही पॉलिसी नहीं मिलना हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों के जरिए बीमा बेचने के नियमों में बदलाव हुआ तो एसबीआई लाइफ पर ज्यादा नजर रहेगी। कंपनी के करीब 60 फीसदी एपीई का स्रोत उसकी पैरेंट बैंक से जुड़ा है।

वहीं एचडीएफसी लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ पहले से ऐसे मॉडल पर काम करती हैं, जहां पैरेंट बैंक दूसरी बीमा कंपनियों की पॉलिसी भी बेच सकता है। शुरुआत में नए नियमों से बीमा कंपनियों की बिक्री पर कुछ दबाव पड़ सकता है, लेकिन लंबे समय में ग्राहकों को उनकी जरूरत के हिसाब से बेहतर पॉलिसी मिलने और पॉलिसी बीच में छोड़ने के मामले कम होने से इंडस्ट्री को फायदा हो सकता है। फिलहाल ये बदलाव चर्चा में हैं।

विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद भी भारत में होटलों ने की कमाई

घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई, फिर भी भारत में होटल की मांग मजबूत बनी रही। घूमने-फिरने, शादियों और बड़े कारोबारी कार्यक्रमों के लिए होटल की मांग ने सेक्टर को सहारा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में होटल सेक्टर की प्रति उपलब्ध कमरे से होने वाली कमाई करीब 10 फीसदी बढ़ी। कमरे का औसत किराया 6 फीसदी बढ़ा और कमरों की भराव दर करीब 2.33 फीसदी बढ़कर 65 फीसदी पहुंची यानी होटल कंपनियां ज्यादा कमरे चढ़ाने के साथ उनका किराया भी बढ़ाने में कामयाब रहीं। निवेशकों के लिए यही इस सेक्टर की सबसे अहम बात है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहली तिमाही में मुंबई और घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा। इसके पीछे घरेलू यात्रियों की बड़ी भूमिका रही। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा प्रभावित हुई और विदेशी पर्यटकों की संख्या पर दबाव पड़ा।

अमेरिका ने 'ऑपरेशन इकनॉमिक आउटकास्ट' शुरु किया तो भारत पर भी पड़ेगी मार

भारत का बासमती चावल निर्यात और व्यापार प्रभावित होने का खतरा, व्यापारी परेशान

नई दिल्ली, ।

ईरान से लड़ाई में कोई निर्णायक नतीजा नहीं मिलने के बाद अब ट्रंप प्रशासन ने ईरान की अर्थव्यवस्था को घेरने के लिए जो 'ऑपरेशन इकनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है, उसकी मार भारत को झेलनी पड़ सकती है। ईरान के साथ पहले ही घटते भारत के व्यापार में अमेरिका के इस कदम से और भी कमी आ सकती है, साथ ही पश्चिम एशिया में मालभाड़े और कच्चे तेल से जुड़े जोखिम बढ़ सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने ईरान पर अपने 'आर्थिक हमले' का पूरा ब्योरा नहीं दिया लेकिन अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसंट ने देशों से तुरंत कदम उठाने को कहा और ईरान के साथ व्यापार करने पर प्रतिबंध की धमकी भी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेसंट ने कहा कि आने वाले दिनों में नए प्रतिबंधों के ऐलान होंगे, जिनकी जद में एक बड़ा वित्तीय संस्थान भी आ सकता है।

भारत हर साल करीब 50-60 लाख टन बासमती चावल का निर्यात करता है, जिसमें करीब 10 लाख टन चावल ईरान भेजता है। वित्त वर्ष 2026 में भारत से ईरान को कुल 1.3 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात हुआ था, जिसमें करीब 60 फीसदी हिस्सा बासमती चावल का था। यहां के बासमती चावल निर्यातकों को डर है कि द्वितीयक प्रतिबंध के कारण ईरान को आपूर्ति और घट सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के प्रमुख चावल निर्यातक ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट बंद होने और ईरान तक माल पहुंचाने में आ रही दिक्कतों का असर इस साल अप्रैल से ही हमारे बासमती चावल निर्यात पर पड़ रहा है।

आपूर्ति और घटी तो तगड़ी चोट पड़ेगी। अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ के अध्यक्ष ने कहा कि असली संकट तो तब शुरू होगा जब प्रतिबंधों के कारण यूएई ईरान को बेचे गए चावल की कीमत चुकाना बंद कर देगा। उन्होंने कहा कि हमारे ज्यादातर खरीदार यूएई में हैं और अगर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान को हुई आपूर्ति के लिए यूएई के रास्ते होने वाला भुगतान रुका तो समस्या आएगी। कुछ कारोबारियों का मानना है कि ईरान पर प्रतिबंध बार-बार लगते रहे हैं इसलिए निर्यातकों को ईरान तक अपना सामान भेजने के लिए वैकल्पिक रास्ते खोजने होंगे, क्योंकि यह बहुत बड़ा बाजार है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जुलाई में मॉनसून सुधार से खरीफ बोआई सामान्य के करीब, घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत दिखी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून में सुधार होने से खरीफ बोआई को सामान्य के करीब लाने में मदद मिली। इससे कृषि क्षेत्र के लिए जोखिम आंशिक रूप से कम हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के प्रति काफी मजबूती दिखाई है, जिसका संकेत घरेलू मांग में उछाल और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों से मिलता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जून में सुस्त रहने के बाद जुलाई में काफी सक्रिय दिखा। ऐसे में देश भर के जलाशयों का भंडारण एक दशक के औसत के करीब और पिछले अल नीनो वर्ष 2023 के स्तर से ऊपर रहा। जून के आखिर में बारिश की कमी कुल मिलाकर 38 फीसदी थी जो घटकर जुलाई के अंत तक 13 फीसदी रह गई है।हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि इस रिपोर्ट में बताई गई बातें लेखकों की निजी राय हैं और वे आरबीआई की राय को नहीं दर्शाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष खरीफ बोआई की अस्थायी प्रगति 2023 के मुकाबले बेहतर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगस्त से सितंबर के लिए देश भर में मॉनसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मॉनसून की गतिविधियों में सुधार होने से खरीफ फसलों के रकबे में सुधार हुआ। सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) की भी घोषणा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन और ट्रैक्टर बिक्री समेत कई संकेतकों से घरेलू मांग दमदार बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वृहद आर्थिक बुनियादी स्थिति दमदार रहने से घरेलू अर्थव्यवस्था को सहारा मिला। पहली तिमाही में दिखी यह रफ्तार जुलाई में भी जारी रही। अधिकतर संकेतक विनिर्माण और सेवा गतिविधियों में तेजी की रफ्तार जारी रहने और वस्तुओं के निर्यात एवं आयात में दो अंकों की वृद्धि को दर्शाते हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोलियम उत्पादों की खपत वृद्धि तीन महीनों की नरमी के बाद सकारात्मक हो गई है। इसी प्रकार औद्योगिक उत्पादन में भी जून में तेज वृद्धि हुई। इसे मुख्य तौर पर विनिर्माण में तेजी से रफ्तार मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य और पेय पदार्थों के कारण जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि हुई लेकिन कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य मुद्रास्फीति मध्यम बनी रही।

शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा बेमानी

निर्मल रानी

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हक़ीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं।

हमारे देश में पिछले एक दशक से भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटा जा रहा है। इसी विमर्श के समानांतर इस समय देश में शिक्षा को लेकर भी बड़ी बहस छिड़ी हुई है। अतः इसी सन्दर्भ में यह सवाल भी जरूरी हो गया है कि क्या शिक्षा के बिना या शिक्षित हुये बिना भी भारत विश्वगुरु बन सकता है ? नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में देशभर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल या तो पूरी तरह बंद किये जा चुके हैं या उनका अन्य स्कूलों में विलय कर दिया गया है। यूडीआईएसई अर्थात यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन के हालिया आंकड़े व नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एक साल के भीतर देश भर में 4,791 स्कूल बंद हुए हैं। इसकी वजह से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी निजी स्कूलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर हो चुकी है। और जो स्कूल चल भी रहे हैं उनमें से अधिकांश की हालत किसी से छुपी नहीं है। यहाँ अक्टूबर 2022 की गुजरात की उस घटना का जिक्र भी प्रासंगिक है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर के अडालज में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस के शुभारंभ के दौरान अस्थाई रूप से बनाये गये एक मॉडल क्लासरूम में बच्चों के साथ बैठे नजर आये थे। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब और डिजिटल बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। उस समय विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जिस क्लासरूम में बैठे थे, वह एक अस्थायी या कृत्रिम क्लासरूम था। संबंधित तस्वीरों का हवाला देते हुए दीवारों और खिड़कियों के पेंटिंग के स्टिकर होने का दावा किया गया था और इसे फोटो शूट करार दिया था। परन्तु अधिकारियों ने इसके जवाब में यह कहा था कि यह आगामी डिजिटल स्मार्ट स्कूलों का एक मॉडल प्रस्तुतीकरण था जो यह प्रदर्शित करने के लिए था कि भविष्य के क्लास रूम कैसे नजर आयेंगे। तो सवाल यह है कि गत चार वर्षों में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत अब तक उन मॉडल क्लासरूम की तरह देश में कितने आधुनिक क्लासरूम व आधुनिक स्कूल बनाये गये?

दूसरी ओर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने 25 फरवरी 2020 को नई दिल्ली के मोतीबाग स्थित सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को देखने के लिए कई अन्य विदेशी मेहमान और प्रतिनिधिमंडल भी आ चुके हैं। समय-समय पर विभिन्न देशों के शिक्षाविद, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बुनियादी संरचना, कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करने दिल्ली आते रहे हैं। क्या इसी तरह के आधुनिक सरकारी स्कूल पूरे देश में संचालित नहीं हो सकते? क्या वजह है कि देश के अधिकांश राज्यों में अनेकानेक सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं ? कहीं स्कूल में भैंसों के तबेले हैं तो कहीं पेड़ के नीचे व खुले आसमान तले क्लास लगाई जा रही है। कहीं क्लासरूम नहीं। कहीं अध्यापक नहीं तो कहीं बिजली व पीने का पानी नहीं तो कहीं शौचालय नहीं। कहीं बच्चे रोज नदी पार कर स्कूल आते जाते हैं तो कहीं कीचड़ और दलदल भरी गड्ढेदार सड़कों से गुजर कर स्कूल आना जाना होता है। यदि देश की सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर होतीं और उनका भारत को विश्वगुरु बनाने का ढिंढोरा महज ढोल पीटना न होता तो आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को महाराष्ट्र में शिक्षा पर घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर गहरी चिंता जताते हुये यह न कहना पड़ता कि नासिक कुंभ मेले के लिए लगभग रू.32,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट तय किया गया है। अगर इस राशि का मात्र 0.1% यानी लगभग रू.32 करोड़ भी शिक्षा पर खर्च किया जाता, तो राज्य के 100 से 125 बंद हो रहे मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता था। आखिर जस्टिस प्रसन्ना को क्यों कहना पड़ा कि देश में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन शिक्षा का बजट बढ़ने के बजाय घट रहा है, जो पिछले कई वर्षों से 13% के आंकड़े को भी नहीं छू सका है । उन्होंने गढ़चिरौली की एक घटना का उदाहरण भी दिया जहां जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण फर्श पर सोने की वजह से तीन छात्राओं की सांप के काटने से मौत हो गई थी। जस्टिस प्रसन्ना ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई जिला परिषद के मराठी मीडियम स्कूल से की थी, जिसने उनके करियर में कभी बाधा नहीं डाली बल्कि उनके दृष्टिकोण को और व्यापक बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हक़ीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं। जैसेकि राजस्थान के रामपुरा के उस स्कूल का नवनिर्माण करने का फैसला किया गया है जहाँ कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ सत्ता के समर्थक गुंडों ने मारपीट की थी। यह स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहा था। स्कूल की इमारत जर्जर होने के कारण एक स्थानीय ग्रामीण ने अपनी निजी जगह दी हुई है, इसी जगह भैंसों का चारा भी रखा जाता है और बच्चे भी पढ़ते हैं। पंजाब से भी खबर है कि सरकार ने स्कूलों के अनेक नए भवन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन ग्रीनफील्ड भवनों का निर्माण मौजूदा जमीनों से परे अन्य खाली जमीनों पर नए सिरे से किया जाएगा। हरियाणा में भी शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल्स का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लेने व विद्यार्थियों से संवाद करने की खबर है। Gen Z और युवा पीढ़ी के आंदोलन से ही सही परन्तु शायद अब सत्ताधीशों को यह बात समझ आने लगी है कि शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा पूरी तरह बेमानी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ज़हर बांटते उद्योग

कुछ उद्यमी मुनाफे की अंधी हवस में इतने स्वार्थी हो जाते हैं कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को साफ किए बिना ही जलधाराओं में बहा देते हैं। जबकि उनकी नैतिक व कानूनी जिम्मेदारी बनती है कि उनकी फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ पर्यावरण व नदी-नालों को प्रदूषित न करें। हिमाचल प्रदेश स्थित बद्दी-नालागढ़ इलाके में कई औद्योगिक इकाइयां नदियों में जहरीले रसायन लगातार बहाती रही हैं। यह प्रदूषणकारक कचरा सिरसा नदी में बहा दिया जाता है, जो कालांतर सतलुज नदी में चला जाता है। यही वजह है कि आज सतलुज का प्रदूषित पानी जो चेतावनी दे रहा है उसे पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारें भी नजरअंदाज नहीं कर सकती हैं। इसी आने वाले संकट के मद्देनजर ही बद्दी-नालागढ़ इलाके की अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जो मामले की गंभीरता को ही दशार्ता है। निस्संदेह, यह संकट कोई नई समस्या नहीं हैं। जो हमारे पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियम व कानूनों को लागू करने में तंत्र की बार-बार होने वाली विफलता को ही दशार्ता है। बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र से होने वाले औद्योगिक प्रदूषण के प्रामाणिक रिकॉर्ड कई सालों से मौजूद हैं। दरअसल, यह जहरीला कचरा इस औद्योगिक क्षेत्र से गुजरने वाली सिरसा नदी में डाल दिया जाता है। सिरसा नदी इन प्रदूषक तत्वों को आगे की ओर बहा ले जाती है। कालांतर यह सतलुज नदी में जाकर मिल जाता है। इस बाबत कई बार जांच भी की गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की कार्यवाही में बिना ट्रीट किए गए रसायनयुक्त कचरे व ठीक से ट्रीट न किए गए कचरे के बारे में उल्लेख किया गया है। ट्रिब्यूनल ने नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों तथा ट्रीटमेंट सिस्टम की खामियों की ओर इशारा किया है। दरअसल, फार्मास्युटिकल प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि पारंपरिक ढंग से ट्रीटमेंट करने वाले सिस्टम से सक्रिय फार्मास्युटिकल तत्व और एंटीबॉयोटिक के अवशेष पूरी तरह से नहीं हट पाते हैं। दरअसल, हाल के प्रकरण से एक और परेशान करने वाली विरोधीभासी बात सामने आई है। इस बाबत सूचना मिली थी कि रोपड़ हेडवर्क्स पर भारी मात्रा में जमा कचरे को नदी के बहाव की दिशा में बेफिक्री से छोड़ दिया गया। निस्संदेह, यदि यह कचरा नुकसानदायक था, तो इसे नदी में छोड़ने से समस्या महज एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित ही हुई है। कायदे से हेडवर्क्स में जमा कचरे की वैज्ञानिक तौर-तरीकों से निगरानी की जानी चाहिए थी। सही मायने में प्रदूषणकारक कचरे को ठिकाने लगाने से पहले उसके सैंपल लेकर उसकी जांच-पड़ताल की जानी जरूरी थी। निश्चित रूप से यह संकट बड़ा है और तत्काल इसका समाधान किया जाना चाहिए था। वास्तव में इस मामले को हिमाचल बनाम पंजाब के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल नहीं बनने दिया जाना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि दोनों सरकारें मिलकर प्रदूषण फैलाने वाले कचरे का वास्तविक स्रोत तलाशें क्योंकि अभी तक कचरे के असली स्रोत का पता नहीं चल सका है।

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

आतंकवाद के लिए खाद पानी है नशीले द्रव्यों की तस्करी!

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में नशीले पदार्थों (ड्रग्स) की तस्करी देश की आंतरिक सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए एक अत्यंत गंभीर संकट बन चुकी है। भौगोलिक रूप से भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्रों - पश्चिम में गोल्डन क्रेसेंट (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान) और पूर्व में गोल्डन ट्रायंगल (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड) के बीच स्थित है। इस संवेदनशील स्थिति के कारण देश में सीमा पार से बड़े पैमाने पर अवैध नशीले पदार्थों की आमद हो रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी में भारत की भौगोलिक स्थिति भी खासा जिम्मेदार है पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार से सटी खुली और जटिल जमीनी सीमाएं निगरानी के लिए एक बड़ी चुनौती है ।तस्करों द्वारा गुजरात और दक्षिणी राज्यों के विशाल तटीय क्षेत्रों का दुरुपयोग किया जा रहा है ।अब नशे के सौदागर तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं डार्कनेट क्रिप्टो करेंसी और सीमा पार से ड्रग्स गिराने के लिए ड्रोन का बढ़ता प्रयोग खतरा बढ़ा रहे हैं वहीं पारंपरिक अफीम-गांजे के स्थान पर हेरोइन, कोकीन और मेथामफेटामाइन जैसे घातक रसायनों सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता चलन भी समस्या बन रहा है।

आपको बता दें कि देश में नशे और नशीले पदार्थों की तस्करी ने एक बार फिर केन्द्र और राज्यों की सरकारों को स्तब्ध किया है। नशीले पदार्थों की यह तस्करी का बड़ा हिस्सा पड़ोसी देश पाकिस्तान के माध्यम से सीमा पार से ड्रोनों के जरिये किया जाता है। नशे को लेकर किये गये एक व्यापक सर्वेक्षण के अनुसार पाकिस्तान एक प्रकार से नशीले पदार्थों के भण्डारण का केन्द्र बन गया है जहां से इन पदार्थों का बहुत बड़ा भाग भारत के पंजाब प्रांत में ड्रोनों के जरिये खपाया जाता है। भारत से फिर यह सामान तस्करी के जरिये कई अन्य देशों में भेजा जाता है जहां इसकी बड़ी मांग होती है। पाकिस्तान से भारत में पंजाब सीमा के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी यूं तो दशकों पूर्व से की जाती आ रही है। कभी नावों के माध्यम से, कभी सुरंगों के जरिये पाकिस्तानी पंजाब के सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम और हेरोइन की तस्करी की जाती रही है। तथापि, आजकल नावों का कार्य ड्रोनों से लिया जाने लगा है। ड्रोनों के जरिये पाकिस्तानी सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम, हेरोइन के साथ हथियारों की खेप भेजना जैसे आम बात हो गई है।वैसे तो नशे के लिए अफीम, चरस, कोकीन आदि अनेकानेक द्रव्यों एवं पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है किन्तु वर्तमान में हेरोइन सर्वोत्तम नशीला पदार्थ बन गया है। हाल ही में एक और बड़ा खतरनाक नशीला पदार्थ आईस भी बड़ी चर्चा में आया है। विगत कई वर्षों से हेरोइन की तस्करी और इसके सेवन की मात्रा में निरन्तर वृद्धि हुई है। इसका बड़ा प्रमाण इस एक तथ्य से मिल जाता है कि इन दिनों सीमाओं पर विशेष सुरक्षा चौकसी होने के बावजूद तस्करी से बरामद होने वाली खेपों की संख्या और मात्रा बढ़ गई है। इसके लिए तस्करों द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाने लगा है। सीमा सुरक्षा बलों की निरन्तर चौकसी और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले पांच वर्षों में पंजाब सीमा पर ड्रोन तस्करी की घटनाएं बढ़ कर तीन से 304 प्रति वर्ष तक हो गई हैं। नशीले पदार्थों की तस्करी के संबंध में स्थितियों की गम्भीरता को पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा की गई इस एक कठोर टिप्पणी से बेहतर समझा जा सकता है कि नशे का यह सम्पूर्ण कारोबार महज एक आपराधिक कार्य मात्र नहीं रह गया, अपितु राष्ट्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

यूं तो नशे के सेवन और नशीले पदार्थों की तस्करी से गुजरात, महाराष्ट्र, हिमाचल, चंडीगढ़, राजधानी दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान जैसे प्रदेश बड़ी समस्या से जूझ रहे हैं किन्तु पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहा है। प्रदेश के युवाओं में नशे की समस्या एक गम्भीर संकट के रूप में उभर रही है। पंजाब सरकार की पुनर्वास योजनाओं के तहत प्रदेश का पुलिस तंत्र युवाओं को इस महारोग से बचाने के लिए भरसक यत्न कर रहा है किन्तु यह समस्या एक ऐसे बिगड़ैल घोड़े के समान हो गई है कि जिसकी नाक में आसानी से नकेल नहीं डाली जा सकती।

अभी हाल में अमृतसर के थाना लोपोके क्षेत्र में सीमा पार से आई लगभग 180 करोड़ रुपये की 19 किलो हेरोइन के साथ महिला सहित तीन तस्करों को हिरासत में लिया गया। नशा तस्करी में यह भी एक नई प्रवृत्ति सामने आई है कि अवयस्क बालकों को थोड़े से लालच के वशीभूत इस गैर-कानूनी कार्य में शामिल किया जा रहा है। महिलाओं एवं बच्चों की शमूलियत से इस अवैध क्रिया-कलाप को एक नया मोड़ मिला है। पिछले कुछ समय में पंजाब में पुलिस ने नशा तस्करी से जुड़े कई अवयस्कों और महिलाओं को भी हिरासत में लिया है। प्रदेश सरकार ने अपने ऑपरेशन प्रहार के दौरान लगभग 4000 तस्करों-गैंगस्टरों को गिरफ्तार भी किया है। इतने बड़े स्तर पर तस्करों की गिरफ्तारी, इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन की खेपों की बरामदगी से तस्करी पर काबू पाये जाने की सम्भावना बनती है, किन्तु इतनी बड़ी बरामदगी और बड़े स्तर पर युवाओं और अव्यवस्कों की भागीदारी से इस कारोबार की भीषणता भी जाहिर होती है। पंजाब सरकार के प्रहार अभियानों और प्रदेश के पुलिस तंत्र की सक्रियता से बेशक प्रदेश के लोगों के मन में आशा और विश्वास की एक लकीर उपजते दिखाई देती है, किन्तु हम समझते हैं कि लक्ष्य एवं उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाना भी बहुत जरूरी है। पुलिस तंत्र की सक्रियता कागजों में भी हो, किन्तु धरातल पर उसे दिखाई भी अवश्य देना चाहिए। कानून के हाथ लम्बे होते हैं, किन्तु ये हाथ अपराधियों और तस्करों के गिरेबान तक पहुंचने भी तो चाहिएं। कुछ भी हो अथवा कुछ भी किया जाए, देश को नशीले पदार्थों की तस्करी की इस लानत से मुक्ति मिलनी चाहिए।

देश की कामकाजी आबादी खासकर युवा और कालेज छात्र छात्राएं स्कूली बच्चे इसकी चपेट में आकर मानसिक और शारीरिक रूप से पंगु हो रहे हैं।नारको-टेररिज्म जड़ जमा रहा है। ड्रग्स की तस्करी से होने वाली अवैध कमाई का इस्तेमाल सीधे तौर पर भारत विरोधी आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद की फंडिंग में किया जाता है। नशे की दैनिक तलब पूरी करने के लिए युवा चोरी, लूटपाट और संगठित अपराधों के रास्ते पर जा रहे हैं। अवैध काले धन और हवाला कारोबार के कारण देश की मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचता है।

ऐसा नहीं है कि सरकार को नशीले द्रव्यों की तस्करी और उसके कारण हो रही बबार्दी का भान नहीं है सरकार ने इस ओर नियंत्रण के लिए की प्रभावी कदम उठाए हैं। खुद प्रधानमंत्री ने अपने राष्ट्रीय संबोधन में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और नशे के दुष्परिणामों से युवाओं को आगाह किया है। भारत सरकार ने नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है. गृह मंत्रालय ने अगले 3 वर्षों में देश को पूरी तरह ड्रग-मुक्त बनाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026 - 2029 जारी किया है।हाल ही में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने यूएई से ?1,000 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के मास्टरमाइंड वीरेंद्र सिंह बसोया का सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण कराया गया है।डिजिटल कवच बनाया गया है नागरिकों की मदद के लिए राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 मानस शुरू की गई है, जिस पर लोग सीधे तस्करी की गुप्त सूचनाएं दे सकते हैं। तस्करों की संपत्तियों को कुर्क करने और पीआइटीएनडीपीएस अधिनियम के तहत आदतन अपराधियों को बिना जमानत जेल में रखने की कार्रवाई तेज कर दी गई है अभी और अधिक असरदार कारवाई और सख्ती की जरूरत है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूपीआई@10: भुगतान की दुनिया में भारत का नया अध्याय

सुनील कुमार महला

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) द्वारा विकसित यूपीआई यानी कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस भारत की एक तत्काल डिजिटल भुगतान प्रणाली है। सरल शब्दों में कहें तो यह वह माध्यम है, जिसके माध्यम से मोबाइल फोन से एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में तुरंत पैसे भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत में यूपीआई को 11 अप्रैल 2016 को तत्कालीन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया(आरबीआई) गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने मुंबई में लॉन्च किया था। हालाँकि, आम लोगों के लिए यूपीआई सेवाएँ अगस्त 2016 से व्यापक रूप से उपलब्ध हुईं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में यूपीआई ने अपने 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यूपीआई ने भारत के डिजिटल भुगतान को पूरी तरह बदल दिया है।सच तो यह है यूपीआई आज भारत के दैनिक डिजिटल भुगतान तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। दूसरे शब्दों में कहें तो आज यूपीआई का उपयोग हर कहीं पर दुकानों और बाजारों में सामान खरीदने, रेस्तरां व होटल के बिल चुकाने, ऑनलाइन खरीदारी, मोबाइल रिचार्ज, बिजली-पानी-गैस जैसे उपयोगिता बिलों के भुगतान, रेल-बस-विमान टिकट बुकिंग, स्कूल-कॉलेज की फीस, अस्पतालों में भुगतान तथा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक डिजिटल लेन-देन में यूपीआई का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है। यानी आज यूपीआई भारत के दैनिक जीवन में नकद भुगतान के एक आसान, तेज और सुविधाजनक डिजिटल विकल्प के रूप में स्थापित हो चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि अन्य देशों की तुलना में भारत का यूपीआई डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में असाधारण पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2026 में यूपीआई दुनिया के लगभग 49% रियल-टाइम भुगतान लेन-देन को संभाल रहा है, यानी दुनिया में होने वाले लगभग हर दो तत्काल डिजिटल भुगतानों में एक यूपीआई के माध्यम से होता है। भारत में इसकी मात्रा भी तेजी से बढ़ी है और वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई पर करीब 24,162 करोड़ लेन-देन हुए। मई 2026 में अकेले यूपीआई ने 23,201.93 मिलियन यानी लगभग 2,320 करोड़ लेन-देन किए, जिनका कुल मूल्य करीब रू.29.90 लाख करोड़ रहा। इस तुलना में भारत की खासियत यह है कि यूपीआई केवल बड़े शहरों या बड़े कारोबार तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले, ग्रामीण उपभोक्ता और आम नागरिक तक इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यूपीआई अब 11 देशों में भी उपलब्ध है और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था का एक प्रमुख उदाहरण बन चुका है। अन्य शब्दों में कहें तो वर्ष 2016 में शुरू हुई यह व्यवस्था आज देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। पहले जहां डिजिटल भुगतान सीमित था, वहीं अब चायवाले, सब्जीवाले, छोटे दुकानदार और आम लोग भी आसानी से यूपीआई से पैसे ले-दे रहे हैं। एक दशक में यूपीआई लेन-देन में हुई भारी वृद्धि इसकी लोकप्रियता और लोगों के भरोसे को दिखाती है।यूपीआई से बैंकिंग आसान, तेज और सुविधाजनक हुई है। लोगों को नकदी निकालने के लिए बैंक जाने या लंबी कतार में खड़े होने की जरूरत कम हुई है। आज पलभर में ही दूर बैठे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजे जा सकते हैं। इतना ही नहीं, नकदी कम रखने से चोरी और लूट का जोखिम भी घटा है। डिजिटल भुगतान से लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाने में मदद मिली है।यूपीआई की सफलता के पीछे डिजिटल इंडिया अभियान और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार भी महत्वपूर्ण रहा है। देश में मोबाइल और ब्रॉडबैंड की पहुंच बढ़ने से डिजिटल भुगतान आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। यही कारण है कि दूसरे देश भी यूपीआई जैसी भारतीय डिजिटल भुगतान व्यवस्था में रुचि दिखा रहे हैं।हालांकि, अभी कुछ चुनौतियां बाकी हैं। बैंक का सर्वर डाउन होना, अधिक ट्रैफिक के कारण भुगतान अटकना और गलती से गलत व्यक्ति को पैसे भेज देना जैसी समस्याएं लोगों के लिए परेशानी पैदा करती हैं। इन समस्याओं का स्थायी समाधान जरूरी है। कुल मिलाकर, यूपीआई केवल पैसे भेजने और लेने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल प्रगति और आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन चुका है। दस साल की इसकी यात्रा बताती है कि जब तकनीक को आम आदमी की जरूरतों से जोड़ा जाता है, तो

वह समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। सच तो यह है कि यूपीआई के दस वर्ष केवल किसी डिजिटल भुगतान प्रणाली की सफलता के दस वर्ष नहीं, बल्कि भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और डिजिटल परिवर्तन की एक उल्लेखनीय यात्रा हैं। इसने भुगतान को सरल, त्वरित और व्यापक बनाया तथा छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक को एक साझा डिजिटल मंच दिया। आज दुनिया के अनेक देश यूपीआई में रुचि ले रहे हैं और कई देशों में इसका उपयोग भी शुरू हो चुका है। यूपीआई ने साबित किया है कि भारत केवल डिजिटल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि दुनिया को बड़े पैमाने पर अपनाने योग्य डिजिटल समाधान देने वाला देश भी है। आने वाले वर्षों में इसकी सफलता का अगला पड़ाव केवल लेन-देन की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सुरक्षित, समावेशी और वैश्विक डिजिटल भुगतान व्यवस्था को और मजबूत करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

फिजी के मंदिरों में गूंज रहे भजन, सदियों की भारतीय परंपरा पर प्रवासियों को गर्व, विदेशी भी ले रहे प्रेरणा

सुवा, एजेंसी। भारत से हजारों किमी दूर प्रशांत महासागर के एक छोटे से द्वीप-राष्ट्र फिजी में भारतीय संस्कृति और हिंदू परंपराएं आज भी उतनी ही जीवंत हैं जितनी 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूरों के साथ वहां पहुंची थीं। श्रावण माह में यहां के मंदिर और सामुदायिक भवन में भक्ति-गीतों से सराबोर रहे। अगस्त में भजन जैमिंग 2026 कार्यक्रम युवाओं के लिए खास उत्साह का केंद्र रहा। यहां के राम मंदिर में अभी से रामलीला की तैयारियां भी की जाने लगी हैं। घरों में रामायण बजती है। सदियों की भारतीय परंपरा पर प्रवासियों को बेहद गर्व है और विदेशी भी परंपराओं के पालन की प्रेरणा ले रहे हैं। यहां के प्रमुख अखबार फिजी सन ने के मुताबिक, भजन जैमिंग कार्यक्रम में फिजी स्थित भारतीय-मूल के युवाओं ने पारंपरिक भजनों को समकालीन संगीत अंदाज में पेश किया। कार्यक्रम में बंदिश ग्रुप, सुकून ग्रुप और हनुमान चालीसा परिवार जैसी स्थानीय भजन-मंडलियों के साथ-साथ यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ पैसिफिक के भारतीय छात्र संगठन ने भी प्रस्तुति दी। फिजी में बॉलीवुड मुख्य रूप से फिल्म शूटिंग, रेडियो शो, कंसर्ट्स और स्थानीय इंडो-फिजीयन समुदाय की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है।

समृद्ध महासागर का हिस्सा- मिस्र के रेगिस्तान में कभी तैरती थीं विशाल शार्क मछलियां, क्रमिक रूप से हुआ विकास

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। मिस्र का रेगिस्तान करोड़ों साल पहले (लगभग 14.5 से 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व) एक विशाल और समृद्ध महासागर का हिस्सा था। हाल ही में वैज्ञानिकों ने मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में स्थित अबू-तरतूर पठार पर शार्क के प्राचीन जीवाश्म और दांतों की खोज की है, जो इस बात का प्रमाण देते हैं कि यह सूखा क्षेत्र कभी समुद्री जीवों और विभिन्न प्रजातियों की शार्क का गढ़ था। मिस्र में प्राचीन शार्क के जीवाश्मों की खोज से जु?ी यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका %क्रिटेशियस रिसर्च% में प्रकाशित हुई है।मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान की चट्टानों से काहिरा विश्वविद्यालय के जीवाश्म विज्ञानी तारेक यासीन ने सात अलग-अलग शार्क प्रजातियों के दुर्लभ जीवाश्मों और शार्क के दांतों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मिलने वाले दांतों की आकृतियां अलग-अलग हैं। कुछ सुई जैसी नुकीली हैं तो कुछ चौड़ी और आरी के आकार की हैं, जो शिकार के अनुकूल थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्राचीन काल में यहां गहरी समुद्री धाराएं चलती थीं जो पानी की सतह पर पोषक तत्व लाती थीं। इससे प्लवक और छोटी मछलियों का विकास हुआ, जिस कारण यह पूरा क्षेत्र शार्क जैसे बड़े शिकारियों के लिए आदर्श स्थान था।

सूडान में 59 हजार मौतों के बाद अमेरिका सख्त, ह्र से पूरे देश में हथियार बैन की मांग; बढ़ेगा दबाव

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। सूडान में जारी युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अरब और अफ्रीकी मामलों के वरिष्ठ सलाहकार मासाद बोलोस ने सोमवार को कहा कि प्रतिबंधों के जरिए युद्ध में शामिल दोनों पक्षों पर बातचीत के लिए दबाव बढ़ाया जा सकता है। सूडान में चल रही इस लड़ाई में अब तक कम से कम 59 हजार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 1.3 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। देश के कई हिस्से अकाल की चपेट में हैं। बोलोस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि सूडानी सेना और प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज को मिल रहा वित्तीय, सैन्य और राजनीतिक समर्थन संघर्ष को लंबा खींच रहा है। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन मिस्र सूडान की सेना का खुलकर समर्थन करता रहा है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात पर ह्र विशेषज्ञों और मानवाधिकार संगठनों ने ऋस्न्न को हथियार मुहैया कराने का आरोप लगाया है। इन आरोपों से इनकार करता रहा है। अमेरिका ने सुरक्षा परिषद के सामने एक प्रस्ताव रखा है, जिसमें सूडान के पूरे क्षेत्र में हथियारों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। मौजूदा प्रतिबंध मुख्य रूप से पश्चिमी दारफुर क्षेत्र तक सीमित है। प्रस्ताव में सूडान में सक्रिय सभी पक्षों पर प्रतिबंध लागू करने और ड्रोन व उनसे जुड़ी तकनीक को भी हथियार प्रतिबंध के दायरे में रखने की बात कही गई है। अमेरिकी प्रस्ताव में सभी देशों से सूडान के युद्धरत पक्षों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सैन्य, वित्तीय और लॉजिस्टिक मदद बंद करने की मांग की गई है। अमेरिका का कहना है कि बाहरी सहायता युद्ध को जारी रखने और शांति प्रयासों को कमजोर करने में भूमिका निभा रही है।

अमेरिका में एआई की वजह से नहीं जाएगी शिक्षकों की नौकरी: शिक्षा मंत्री बोलीं- मशीन नहीं ले सकता इंसान की जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने सोमवार को कहा कि स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाया जाना चाहिए, लेकिन इसके इस्तेमाल के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय और स्पष्ट सीमाएं तय होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ु्ढ को कभी भी शिक्षकों के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मैकमोहन ने कहा कि ु्ढ अब शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तकनीक चाहे जितनी विकसित हो जाए, कक्षा में शिक्षक और छात्रों के बीच मानवीय संवाद की जगह नहीं ले सकती।

एआई को अपनाना जरूरी, लेकिन सुरक्षा उपाय भी हों : मैकमोहन ने कहा कि सरकार ने फिलहाल् एआई को रेगुलेट करने के बारे में विस्तार से चर्चा नहीं की है, लेकिन वह शिक्षा के क्षेत्र में इस तकनीक को अपनाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि ु्ढ आ चुका है और स्कूलों को इससे दूरी बनाने के बजाय इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना सीखना होगा। उन्होंने ऑस्टिन, टेक्सास के अल्फा स्कूल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने वहां ु्ढ को वास्तविक कक्षा में काम करते हुए देखा है। उनके मुताबिक, इस तकनीक को अपनाने के साथ कुछ नियम और सुरक्षा सीमाएं तय करना भी जरूरी है, ताकि इसका इस्तेमाल छात्रों के हित में हो।

शिक्षक की जगह नहीं ले सकता एआई : अमेरिकी शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि एआई का इस्तेमाल शिक्षक के विकल्प के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा में शिक्षक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष मानवीय संपर्क बेहद महत्वपूर्ण है। मैकमोहन के मुताबिक, तकनीक बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, लेकिन शिक्षा केवल जानकारी हासिल करने का नाम नहीं है। कक्षा में शिक्षक का मार्गदर्शन, संवाद और बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

कमजोर छात्रों से लेकर तेज छात्रों तक : मैकमोहन ने एआई के संभावित फायदों को गिनाते हुए कहा कि यह बच्चों के लिए एक व्यक्तिगत ट्यूटर की तरह काम कर सकता है। जो छात्र किसी विषय में पीछे रह गए हैं, वे ु्ढ की मदद से पाठ दोबारा समझ सकते हैं और अपनी गति से अभ्यास कर सकते हैं। वहीं, जो छात्र अपनी कक्षा के स्तर से आगे हैं, उनके लिए ु्ढ ज्यादा उन्नत सामग्री और चुनौतीपूर्ण पाठ उपलब्ध कराने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर इस तकनीक का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह छात्रों के लिए एक बेहद उपयोगी अवसर साबित हो सकती है।

शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव की तैयारी : मैकमोहन ने ट्रंप प्रशासन की शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव की योजना पर भी बात की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शिक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव के पक्ष में हैं और चाहते हैं कि कई जिम्मेदारियां संघीय सरकार से वापस राज्यों को दी जाएं। मैकमोहन के मुताबिक, ट्रंप का मानना है कि दशकों तक भारी खर्च के बावजूद अमेरिकी छात्रों के परीक्षा परिणाम लगातार कमजोर हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर उनसे कहा था कि देश अपने बच्चों के लिए अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाया है और अब इसमें बड़े बदलाव की जरूरत है।

3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च, फिर भी टेस्ट स्कोर में गिरावट : मैकमोहन ने कहा कि अमेरिकी शिक्षा विभाग 1980 में अस्तित्व में आया और तब से शिक्षा पर 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद छात्रों के टेस्ट स्कोर में लगातार गिरावट देखने को मिली है। उन्होंने इसी आधार पर तर्क दिया कि मौजूदा संघीय शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। उनका कहना है कि शिक्षा से जुड़ी ज्यादा जिम्मेदारियां राज्यों को सौंपने से स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने और स्कूलों की जरूरत के मुताबिक नीतियां बनाने में मदद मिल सकती है। मैकमोहन ने कहा कि शिक्षा विभाग को पूरी तरह खत्म करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। इसलिए प्रशासन फिलहाल यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि विभाग की कुछ जिम्मेदारियां दूसरी संघीय एजेंसियां ज्यादा प्रभावी ढंग से संभाल सकती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन विभिन्न विभागों के बीच अंतर-एजेंसी समझौते कर रहा है और कुछ कार्यक्रमों तथा जिम्मेदारियों को दूसरी एजेंसियों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मैकमोहन के अनुसार, इस प्रक्रिया का उद्देश्य कांग्रेस के सामने यह साबित करना है कि शिक्षा से जुड़े कुछ काम शिक्षा विभाग के बाहर भी प्रभावी तरीके से किए जा सकते हैं।

राज्यों को ज्यादा अधिकार देने की तैयारी : मैकमोहन ने कहा कि शिक्षा को राज्यों के स्तर पर वापस ले जाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उनका तर्क है कि स्थानीय और राज्य सरकारें अपने छात्रों की जरूरतों को संघीय सरकार की तुलना में ज्यादा बेहतर तरीके से समझ सकती हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग को मुख्य रूप से कांग्रेस द्वारा स्वीकृत धनराशि को आगे पहुंचाने वाली संस्था के रूप में भी वर्णित किया। उनके मुताबिक, विभाग के कई कार्यक्रम ऐसे हैं जो शिक्षा विभाग के गठन से पहले दूसरी संघीय एजेंसियों के माध्यम से संचालित होते थे।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से राहत-पोस्टल बैलेट से मतदान संबंधी आदेश को मिली मंजूरी, मध्यावधि चुनाव पर क्या असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डाक मतपत्र से मतदान को प्रतिबंधित करने वाले कार्यकारी आदेश को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ कर दिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उनका प्रशासन आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले इसे कितना लागू कर पाएगा। इस निर्णय से अतिरिक्त अदालती चुनौतियों की संभावना बनी हुई है, जो ट्रंप के आदेश को और धीमा कर सकती हैं। अमेरिकी डाक विभाग ने पिछले सप्ताह आदेश को लागू करने की अपनी योजना बताई थी। दरअसल, कुछ राज्यों में कुछ ही हफ्तों में मतदाताओं को डाक मतपत्र भेजने की प्रक्रिया शुरू होगी, जिससे बड़े बदलाव लागू करने के लिए समय कम है। ट्रंप लंबे समय से डाक मतपत्र मतदान को धोखाधड़ी का जरिया बताते रहे हैं, हालांकि इसके विपरीत मजबूत सबूत मौजूद हैं। उन्होंने स्वयं भी इस मतदान पद्धति का उपयोग किया है। न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से मध्यावधि चुनावों से पहले परिवर्तनों को लागू करने की अनुमति देने के लिए एक आपातकालीन अपील दायर की थी। ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर मार्च में हस्ताक्षर किए गए थे। यह उनके प्रशासन से योग्य मतदाताओं की सूची बनाने और अमेरिकी डाक विभाग को केवल उन सूचियों में शामिल लोगों को डाक मतपत्र वितरित करने का आदेश देता है।

आदेश को चुनौती और अदालती निर्णय : 23 राज्यों और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के डेमोक्रेटिक अधिकारियों ने इस आदेश को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया था। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान राज्यों और कांग्रेस को चुनाव कराने की शक्ति देता है। ट्रंप के बदलावों से अराजकता और पक्षपातपूर्ण दुरुपयोग हो सकता है। राज्यों के वकीलों ने लिखा, इस गिरावट के चुनावों के इतने करीब ऐसे परिवर्तनकारी बदलावों को प्रभावी होने के परिणाम अत्यधिक होंगे।% मैसाचुसेट्स में एक न्यायाधीश ने उन राज्यों में मध्यावधि चुनावों के लिए योजना को रोक दिया था। एक अपील अदालत ने उनके फैसले को बरकरार रखा। बाद में उन्होंने इसे देशव्यापी रूप से रोकने का दूसरा आदेश दिया। ट्रंप प्रशासन ने जुलाई के अंत में प्रक्रियात्मक आधार पर सुप्रीम कोर्ट में अपील की। उन्होंने तर्क दिया कि राज्यों ने बहुत जल्दी मुकदमा दायर किया था। उन्होंने वाशिंगटन से आए एक अन्य फैसले का भी हवाला दिया, जहां एक न्यायाधीश ने ट्रंप के आदेश को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी।

ईरान में युद्ध और महंगाई के बीच युवाओं का सुकून भी छिना, दर्जनों कैफे सील, क्या चाहती है हुकूमत

लैली निकूनाजार/येगाने तोरबाती, तेहरान, एजेंसी। युद्ध के साये, आसमान छूती महंगाई और रोजगार के घटते अवसरों के बीच ईरान की युवा पीढ़ी के पास सामान्य जिंदगी जीने का सिर्फ एक ही सस्ता जरिया बचा था-शाम के वक्त दोस्तों के साथ किसी कॉफी शॉप में बैठकर थोड़ा वक्त सुकून से काटना। लेकिन फुटपाथ में कुर्सियों पर पसरे युवा, सिगरेट का धुआं, बेपरवाह गपशप और कभी-कभार छिपाकर बीयर पीने (जिसकी सजा देश में कोड़े हैं), वाले ये दृश्य कट्टरपंथी हुकूमत को खामोश बगावत नजर आने लगे। नतीजा, पुलिस-प्रशासन कैफे बंद कराने लगा।

राजधानी तेहरान समेत देश के कई शहरों में हाल में दर्जनों कैफे, रेस्टोरेंट और बुटीक सील किए?गए?हैं। वैसे तो वजह यही बताई गई कि अनिवार्य हिजाब कानून और इस्लामी मूल्यों की अनदेखी हो रही है। लेकिन तेहरान के कैफे मालिक आमिर का कहना है कि यह हुकूमत की बेचैनी और युद्ध से थके समाज को नियंत्रित करने की कोशिश है। आमिर कहते हैं, हम खुद को यही तसल्ली देते हैं कि यह सिर्फ एक लहर है। ईरान के कॉफी शॉप कल्चर पर किताब लिखने वाली हालेह मीर मीरी के अनुसार, इसमें युवा जिंदगी जीने के वैकल्पिक रास्ते तलाशते हैं। तेहरान की आर्टिस्ट मोना कहती हैं, कैफे छोटे होने से लोग फुटपाथ पर खड़े होकर बातें करने लगते हैं। पुलिस को लगता है कि यह प्रदर्शन की तैयारी है। ईरान में कैफे के आसपास इस तरह युवाओं की भीड़ जुटने को सरकार संभावित प्रदर्शन से जोड़कर देख रही है। यही नहीं, सार्वजनिक जगह पर हावी होने की कोशिश में भी सरकार कड़े कदम उठा रही है। क्योंकि युद्ध की अनिश्चितता के बीच हुकूमत अपने समर्थन में रैलियां निकाल रही है। ऐसे माहौल में कैफे का यह आजाद माहौल सरकारी नैरेटिव को सीधी चुनौती देता है। ईरान में इन दिनों एक पुराना सामाजिक और सांस्कृतिक टकराव फिर से भड़क उठा है। ईरान की राजधानी तेहरान और ऐतिहासिक शहर शिराज की सड़कों पर आजकल एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है।

ट्रंप का बड़ा खुलासा- दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे शी जिनपिंग, व्हाइट हाउस में बन रहा 'चीन जैसा' ग्रेट हॉल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को खुलासा किया है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग करीब दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस के पास निर्माणाधीन नए बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स का जिक्र करते हुए की। उन्होंने परियोजना की तुलना चीन के 'ग्रेट हॉल' से की और साथ ही नए हेलीपोर्ट को भी वर्षों से लंबित जरूरत बताया। हालांकि, शी की यात्रा को लेकर अभी चीन या व्हाइट हाउस की ओर से आधिकारिक कार्यक्रम और अन्य विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने यह जानकारी व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित 'बैक-टू-स्कूल' कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान दी। हालांकि, उन्होंने शी जिनपिंग के साथ होने वाली बातचीत की तारीख, कार्यक्रम और यात्रा से जुड़ी अन्य

जानकारियां साझा नहीं कीं। ट्रंप ने कहा,राष्ट्रपति शी दो हफ्ते में आ रहे हैं। मैं दो महीने पहले चीन गया था और हमने चीन का 'ग्रेट हॉल' देखा था। अब अमेरिका में भी हमारा अपना 'ग्रेट हॉल' होगा। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है।÷

ट्रंप ने व्हाइट हाउस परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों से इस प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स को जोड़ते हुए बताया कि परियोजना में एक भव्य बॉलरूम के साथ-साथ एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, हम वहां एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स और एक बॉलरूम बना रहे हैं, जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे बेहतरीन होगा। शिक्षा पर अपनी बात रखने के बाद राष्ट्रपति एक बार फिर निर्माण कार्य की चर्चा पर लौट आए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों और उनके परिवारों को अपने साथ निर्माण स्थल देखने के लिए आमंत्रित किया। ट्रंप ने कहा, आप ठीक बगल में व्हाइट हाउस के पास बन रही शानदार इमारत देखेंगे। वही बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स होगा। यह अद्भुत है। उन्होंने बताया कि प्रशासन व्हाइट हाउस में एक नया हेलीपोर्ट भी बना रहा है। ट्रंप के मुताबिक, पहले हेलीकॉप्टरों को घास पर उतरना पड़ता था, जिससे गीले मौसम में परेशानी और सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा होते थे। ट्रंप ने कहा, हम एक सुंदर हेलीपोर्ट बना रहे हैं, जिसकी मांग कई वर्षों से की जा रही थी। हेलीकॉप्टर को गीली घास पर उतरना पड़ता था, जो खराब और खतरनाक था।%रोज गार्डन में जुटे बच्चों को निर्माण कार्य दिखाने को लेकर ट्रंप खासे उत्साहित नजर आए। उन्होंने निर्माण स्थल से आने वाली आवाजों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें निर्माण कार्य की आवाज पसंद है। ट्रंप ने कहा, मुझे निर्माण कार्य की आवाज बहुत पसंद है। जब मैं बाहर वह शोर-शराबा सुनता हूं।

चीन में भारतीय फैशन का जलवा, कुर्ते से साड़ी तक का बढ़ा क्रेज; क्यों पसंद आ रहा देसी अंदाज

शंघाई/बीजिंग, एजेंसी। पश्चिमी देशों और रूस में भारतीय एथनिक फैशन की पहचान बनने के बाद अब चीन जैसे पड़ोसी देश में भी भारतीय पहनावे का नया क्रेज देखा जा रहा है। बीजिंग से शंघाई तक चीनी युवा सलवार-कुर्ती और इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन आउटफिट्स पहनकर सड़कों पर निकल रहे हैं तो महिलाओं को भी साड़ी में देखा जा रहा है। लोग पलिनन के लंबे-छोटे कुर्तों को डेनिम जींस, ट्राउजर और वाइट स्नीकर्स के साथ पेयर करके मिनिमलिस्टिक लुक अपना रहे हैं। चीन के उमस भरे मौसम में सांस लेने योग्य भारतीय कॉटन, खादी और चंदेरी फैब्रिक की भारी मांग है। श्याओहांगशू (रेड बुक) ट्रेंड्स डाटा के मुताबिक, शंघाई के प्रसिद्ध अंफु रोड और उहांग रोड जैसे स्ट्रीट-फैशन हब्स पर कुर्ता-डेनिम लुक छाया हुआ है। शैनक्सी

साउथ रोड के मल्टी-ब्रांड बुटीक में भी भारतीय फैब्रिक हावी है। वहीं, बीजिंग के सानलीतुन स्ट्रीट जोन और ताइगू ली एवेन्यू पर युवा कुर्तों को डेनिम व स्नीकर्स के साथ स्टाइल कर रहे हैं। चीनी अखबार चायना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक, फैशन शो और बीटूबी मीट्स में लेबलहुड की संस्थापक ताशा लियू ने इस फ्यूजन ट्रेंड को बढ़ावा दिया, जिसके बाद ताओबाओ और श्याओहांगशू के सेलर नेटवर्क ने भारी मात्रा में बल्क ऑर्डर्स प्रोसेस किए हैं।

फैशन शो और बीटूबी मीट्स के दौरान चीनी रिटेलर्स ने भारतीय टेक्सटाइल और फ्यूजन वियर के लिए 12 लाख डॉलर (10 करोड़ रुपये) के शुरुआती सप्लाई ऑर्डर्स दिए हैं, जो बहुत बड़ी रकम है। 6 माह के दौरान चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स (ताओबाओ व टीमाल) पर इंडियन स्टाइल एथनिक कुर्ती और मसाला चाय मिक्स की बिक्री 45त्न तक बढ़ गई है।

चीन के मेट्रो शहरों (शंघाई, बीजिंग और चेंगदू) में इन दिनों भारतीय लाइफस्टाइल और एथनिक फैशन का एक अनोखा उभार देखने को मिल रहा है। चीन के सबसे बड़े लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म श्याओहांगशू पर भारतीय पहनावे, इंडो-फ्यूजन स्टाइलिंग और आयुर्वेदिक हर्बल प्रोडक्ट्स के ट्रेंड्स की बाढ़ आ गई है। खास तौर पर साड़ियों का भी चलन खूब देखने को मिल रहा है।

रेड कार्पेट और फैशन शो में लंबी कतारें = शंघाई के अंतरराष्ट्रीय फैशन कॉरिडोर में ईस्ट-मीट्स-वेस्ट फ्यूजन शो और बीजिंग कल्चरल एक्सपो हुआ, जिसमें भारतीय एथनिक व इंडो-वेस्टर्न डिजाइनों का प्रदर्शन हुआ। चीनी फैशन इन्फ्लुएंसर ली जियाओयान शंघाई की प्रसिद्ध स्टाइलिस्ट चेन वेई ने भारतीय चंदेरी, बनारसी और ब्लॉक-प्रिंट सिल्क के साथ आधुनिक कट-आउट्स का प्रयोग कर रेड कार्पेट पर धूम मचाई। इस 3 दिनी शो में 15,000 से अधिक दर्शक व खरीदार मौजूद रहे।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो पर सख्ती; टिकटॉक समेत इन प्लेटफॉर्म को सरकार की चेतावनी, क्या कहा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की सरकार ने सोमवार को टिकटॉक और दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से कहा कि वे खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वाले वीडियो हटाएं। सरकार ने इन वीडियो को वायरल होने से रोकने को कहा है। यह कदम एक सड़क हादसे में दो पुलिस अधिकारियों और पांच युवकों की मौत के बाद उठाया गया है। हादसे के समय एक कार सड़क की गलत दिशा में जा रही थी। शनिवार को अधिकारी मैथ्यू ब्लेड्स और टॉम क्लॉ की मौत हो गई। उत्तर-पूर्वी इंग्लैंड में एक वोक्सवैगन कार सड़क पर गलत दिशा में जा रही थी। इसी दौरान वह पुलिस अधिकारियों की गाड़ी से टकरा गई। कार में सवार पांच लोगों की भी मौके पर मौत हो गई। इनमें तीन लड़के थे। उनकी उम्र 17 और 18 साल थी। दो अन्य पुरुष थे। दोनों की उम्र 23 साल थी।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो क्यों चिंता बढ़ा रहे हैं : यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब सोशल मीडिया में उन वायरल वीडियो को लेकर चिंता बढ़ी है, जिनमें लोग खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते दिख रहे हैं। ऐसे वीडियो खुद गाड़ी चलाने वाले लोग पोस्ट करते हैं। कई बार गाड़ी में बैठे दूसरे लोग भी इन्हें सोशल मीडिया पर डालते हैं। ब्रिटिश मीडिया की खबरों के मुताबिक, शनिवार को वोक्सवैगन कार में मारे गए लोगों में से एक ने पहले भी ऐसा वीडियो पोस्ट किया था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ल्यूक पोलार्ड ने कहा कि सरकार ने टिकटॉक और ऐसी दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से ऐसे खराब कंटेंट को हटाने और अपनी कार्रवाई तेज करने को कहा है। उन्होंने बीबीसी से कहा, हमने उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बात की है, जहां सड़कों पर इस तरह के खतरनाक व्यवहार का जश्न मनाने वाला कंटेंट डाला जा रहा है। हमने उनसे ऐसा कंटेंट हटाने को कहा है।

पोलार्ड ने आगे कहा, इन कंपनियों ने कुछ नियमों का विरोध करते हुए कहा था कि वे खुद अपने प्लेटफॉर्म की निगरानी कर सकती हैं। अब यह दिखाने का सही मौका है कि वे ऐसा कर सकती हैं। सड़कों पर खतरनाक व्यवहार को बढ़ावा देने वाला कंटेंट हटाया जाए।

प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम के कार्यालय ने कहा कि वीडियो और मनोरंजन के लिए खतरनाक ड्राइविंग को बढ़ावा देना बेहद शर्मनाक है। कार्यालय ने कहा कि जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए ब्रिटेन के मीडिया नियामक को सरकार का पूरा समर्थन है। टिकटॉक ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, कंपनी ने कहा कि उसकी नीतियों के तहत ऐसे कंटेंट पर सख्त रोक है, जिससे किसी व्यक्ति को गंभीर शारीरिक नुकसान हो सकता है। पुलिस ने बताया कि जिस कार से यह जानलेवा हादसा हुआ, उस पर नकली नंबर प्लेट लगी थी। इसका इस्तेमाल पुलिस से बचने के लिए किया गया था। पुलिस ने कहा कि हादसे से पहले संदिग्ध आपराधिक गतिविधियों के मामले में सोमवार को 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें हथियार रखने का मामला भी शामिल है। एक अलग मामले में, आयरलैंड के काउंटी किल्डेयर में पिछले हफ्ते चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। उनकी कार को राजमार्ग पर गलत दिशा में जा रही दूसरी कार ने टक्कर मार दी।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ी तो ईरान पर मिसाइल से हमला; सख्ती पर इस्राइली पीएम नेतन्याहू क्या बोले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक और सैन्य दबाव को एक साथ तेज कर दिया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखा है, जबकि ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के जरिए ईरान के तेल, वित्तीय नेटवर्क और प्रतिबंधों से बचने वाले तंत्र को निशाना बनाने की घोषणा की है। दूसरी ओर, ईरान ने संकट से निपटने का भरोसा जताया है और इस्राइल ने अमेरिकी कदमों का समर्थन किया है। इससे तेहरान पर आर्थिक दबाव के साथ संभावित सैन्य टकराव का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका की रणनीति साफ तौर पर दो मोर्चों पर आगे बढ़ती दिखाई दे रही है एक तरफ आर्थिक घेराबंदी और दूसरी तरफ सैन्य कार्रवाई का खुला विकल्प।

होर्मुज में भी सैन्य कार्रवाई से इनकार नहीं : विस्कॉन्सिन के ओशकोश दौरे के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना को बिल्कुल खत्म नहीं कर रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या फिलहाल सैन्य हमलों का विकल्प रोक दिया गया है, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा नहीं है। हेगसेथ के मुताबिक, अगर ईरान अमेरिकी सेना से टकराता है या ऐसी कार्रवाई करता है जिसे वॉशिंगटन सीमा पार करना मानता है, तो अमेरिका जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल आर्थिक दबाव ईरान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर होर्मुज जलडमरूमध्य या ईरान के आसपास किसी भी इलाके में सैन्य कार्रवाई की जा सकती है।

अमेरिका का दावा-होर्मुज पर मजबूत पकड़ : हेगसेथ ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और वहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा करने की क्षमता रखती है। उनके अनुसार, ईरान की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है और तेहरान यह भी समझता है कि जलडमरूमध्य में

अमेरिकी सैन्य क्षमता उसके मुकाबले काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास इस क्षेत्र से व्यापार और तेल की आवाजाही को प्रभावित करने की कुछ क्षमता जरूर है, लेकिन अमेरिका के पास समुद्री मार्ग को सुरक्षित रखने की बेहतर क्षमता मौजूद है। उनका दावा है कि इसी वजह से तेल का प्रवाह जारी रखा जा सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ईरान के दबाव को सीमित किया जा सकता है।

ईरानी नौसेना और मिसाइल क्षमता को नुकसान का दावा : हेगसेथ ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई से ईरान की नौसेना, रडार और मिसाइल प्रणालियों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि ईरान के पास अब भी कुछ सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री के मुताबिक, ईरान की मौजूदा सैन्य क्षमता पहले जैसी नहीं रह गई है। इसी आधार पर वॉशिंगटन का मानना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है और तेल की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति को जारी रख सकता है।

आर्थिक दबाव के साथ परमाणु वार्ता का लक्ष्य : हेगसेथ ने कहा कि लगातार बढ़ता आर्थिक दबाव ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की मेज पर लौटने के लिए मजबूर कर सकता है। अमेरिकी रणनीति का मकसद तेहरान की आर्थिक क्षमता को इतना कमजोर करना है कि उसके सामने बातचीत के अलावा विकल्प सीमित रह जाएं। उन्होंने कहा कि आर्थिक दबाव और सैन्य विकल्प दोनों एक-दूसरे के समानांतर चल रहे हैं। वॉशिंगटन फिलहाल आर्थिक हथियार को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन परिस्थितियां बिगड़ने पर सैन्य कार्रवाई की संभावना खुली रखी गई है।

ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट से ईरान की वित्तीय घेराबंदी : अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सोमवार को ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट शुरू करने की घोषणा की। उनके मुताबिक, इस अभियान का लक्ष्य दुनियाभर में ईरान के वित्तीय संपर्कों को तोड़ना और उन सभी आय स्रोतों पर कार्रवाई करना है जो ईरानी सरकार तथा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आर्थिक मदद पहुंचाते हैं। अमेरिका ने इस अभियान के तहत करीब 60 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंधों का नया दौर शुरू किया है। इनमें ईरान की सैन्य गतिविधियों, खरीद नेटवर्क और पेट्रोलियम तथा पेट्रोकेमिकल कारोबार से कथित रूप से जुड़े लोग और संस्थाएं शामिल हैं।

भूलकर भी निमोनिया में न करें इन चीजों का सेवन, खतरे में पड़ जाएगी जान

क्या होता है निमोनिया

निमोनिया सांस से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें फेफड़ों (लंग्स) में इन्फेक्शन हो जाता है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है।

क्यों होता है निमोनिया

निमोनिया ज्यादातर बैक्टीरिया, वायरस या फंगल इन्फेक्शन की वजह से होता है। यह ज्यादातर मौसम बदलने, सर्दी लगने, फेफड़ों पर चोट लगने या फिर चिकनपॉक्स जैसी बीमारियों के बाद हो सकता है। कई बार निमोनिया प्रदूषण में अधिक रहने से भी हो सकता है।

निमोनिया होने पर इन चीजों से करें परहेज

- जिन चीजों से आपको एलर्जी है उन चीजों का सेवन करने से बचें।
- निमोनिया से पीड़ित व्यक्ति को अधिक मीठे का सेवन करने से बचना चाहिए।
- डाइट में खासतौर पर प्रोसेस्ड फूड और शीतल पेय शामिल करने से बचें।
- दूध और डेरी उत्पाद का सेवन न करें क्योंकि ये सभी चीजें शरीर में बलगम बढ़ाने का काम करती हैं।
- ऐसे आहार जिसमें आर्टिफिशियल कलर, स्वाद या फिर कैफिन मौजूद हो डाइट में शामिल नहीं करने चाहिए।

निमोनिया में सब्जियां फल खाएं

निमोनिया के दौरान आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और इसे मजबूत बनाने के लिए आपको भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और एंटीऑक्सिडेंट की आवश्यकता होती है। इसलिए इस बीमारी में आपको अधिक से अधिक सब्जियां खानी चाहिए। सब्जियों में आप हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पत्ता गोभी और अजमोद आदि खाएं। इसके साथ ही साथ आप चुकंदर, खीरा और गाजर भी खा सकते हैं। इन सभी सब्जियों में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, फोलिक एसिड और पौटैशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व बीमारी को ठीक करने में मदद करते हैं और संक्रमण से लड़ने के लिए आपके शरीर को मजबूत भी बनाते हैं।

ताजा फलों से आपको पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। जब आपके शरीर को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मिलता है, तब आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने लगती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने से आप निमोनिया से जल्द ठीक हो जाते हैं। इसलिए आलूबुखारा, नाशपाती, स्ट्राबेरी, जामुन जैसे मीठे फलों को खाएं, लेकिन ध्यान रहे इन्हें सीमित मात्रा में खाएं।

एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में घट जाती है मेनोपॉज की उम्र

एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को औसतन 48 वर्ष की उम्र में मेनोपॉज होने की संभीवना अधिक होती है, जब कि सामान्य औरतों को ये करीब 50-52 की उम्र या उसके बाद होती है। कनाडा में एक अध्ययन के दौरान, नॉर्थ अमेरिकन मेनोपॉज सोसाइटी (NAMS) के शोधकर्ताओं ने इस बात का पता लगाया है। शोधकर्ताओं की मानें तो एक आम महिला में मेनॉपोज की आयु 50 से 52 वर्ष के बीच होती है, जबकि एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को 48 वर्ष की उम्र तक पीरिएड्स आना बंद हो जाता है। हालांकि चिकित्सा क्षेत्र में जिस तरीके से उन्नति की है और अब एचआईवी पीड़ित महिलाओं की जीवन प्रत्याशा बढ़ी है, वहीं अब इस शोध से इन महिलाओं को मेनोपॉज और इसके संक्रमण से अवगत कराया है। बता दें कि 48 की उम्र में मेनोपॉज का बंद हो जाना, सामान्य आबादी के मेनोपॉज फेज की उम्र से तीन साल कम है।

बढ़ेगी स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य परेशानियां

वहीं इस शोध से एक बात और पता चलती है कि जो एचआईवी पॉजिटिव मरीज नवीनतम चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, वे लगभग 70 या इससे अधिक आयु तक जीवित रह सकते हैं। इसका मतलब है कि इन रोगियों को अब एचआईवी एक जानलेवा बीमारी नहीं है और सही वक्त से इलाज करवाने पर ये मरीज एक आम जीवन जी सकते हैं। साथ ही अब इस रिपोर्ट के अनुसार एचआईवी से संक्रमित महिलाओं के लिए मेनोपॉज की उम्र का घट जाना उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। अब ऐसे में पीड़ित महिलाओं के पास मां बनने की उम्र में कटौती हो गई है।पिछले अध्ययनों से पता चला है कि एचआईवी पीड़ित महिलाओं में प्रारंभिक आयु 40 और 45 के बीच की है और समय से पहले मेनोपॉज को होना बाकी स्वास्थ्य परेशानियों को भी जन्म दे सकती है। हालांकि, कनाडा का यह अध्ययन एचआईवी रोगियों के लिए की औसत आयु, प्रारंभिक मेनोपॉज और अन्य सहसंबंधों के निर्धारण जैसे प्रजनन और गर्भावस्था से जुड़ा पहला अध्ययन है। अध्ययन के शोधकर्ताओं ने पुष्टि की कि एचआईवी के साथ रहने वाली महिलाओं को कम उम्र में पीरिएड्स बंद हो जाते हैं, विशेष रूप से 48 साल की उम्र में।

जागरूकता है जरूरी

इसके अलावा, प्रारंभिक शिक्षा और हेपेटाइटिस–सी का संक्रमण भी प्रारंभिक मेनोपॉज के जोखिम को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा इन महिलाओं की वैवाहिक स्थिति और जन्म क्षेत्र सहित अन्य संभावित संशोधन भी इस कम उम्र में मेनोपॉज के कारणों में शामिल है। रिपोर्ट की मानें तो पीरिएड्स के जल्दी बंद हो जाने के कारण एचआईवी से संक्रमित महिलाओं की मनोदशा में परिवर्तन, यौन कार्य, जीवन की गुणवत्ता में कमी और हृदय रोग का खतरा और बढ़ेगा। ऑस्टियोपोरोसिस जैसे अन्य हड्डियों से जुड़े विकार इनमें तेजी से बढ़ेगे। ऐसे में अब इस बात की जरूरत है कि इन महिलाओं में इस लेकर जागरूकता फैलाई जाए। साथ ही उन्हें मानसिक रूप से इसके लिए तैयार किया जाए। अब इन महिलाओं को अपनी प्रेग्नेंसी को और बेहर तरीके और सावधानी के साथ प्लान करना होगा ताकि उनके और उनके बच्चों के जान का जोखिम कम हो सके। शोधकर्ताओं का कहना है कि अब हेल्थकेयर चिकित्सकों को भी एचआईवी से पीड़ित महिला रोगियों में समय से पहले और शुरुआती मेनोपॉज के लिए बढ़ हुए जोखिम के बारे में पता होना चाहिए, ताकि शुरुआती एस्ट्रोजेन की कमी से जुड़े संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों के इलाज देने के लिए वो तैयार रहें। साथ ही पीड़ित महिलाओं को उचित परामर्श और प्रबंधन प्रदान किया जा सके।

रेसिपी

वेज कीमा मटर

सामग्री

■ 2 कप सोया ग्रेन्युल्स ■ 1 कप हरी मटर ■ 1/2 कप दही ■ 1 प्याज ■ 4 टीस्पून तेल ■ 5 काली मिर्च ■ 4 लौंग ■ 1 बड़ी इलायची ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ लाल मिर्च पाउडर ■ 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट ■ 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट ■ गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

सोया ग्रेन्युल्स को गर्म पानी में 15 मिनट के लिए भिगो दें और 15 मिनट बाद निचोड़कर अलग रख दें। गर्म तेल में जीरा और साबुत गर्म मसाला डालकर चटकाएं। बारीक कटा प्याज पारदर्शी होने तक भूनें और उसमें अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। फिर इसमें धनिया, हल्दी, लाल मिर्च, दही और नमक डालें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें सोया ग्रेन्युल्स और मटर डालकर 2 मिनट तक पकाएं। फिर 1 गिलास पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं। गर्म मसाला डालें और बारीक कटे हरे धनिए से गार्निश कर सर्व करें।

चटपटा चीला

सामग्री

- कप सूजी
- 1 कप बेसन
- 100 ग्राम दही
- 1 बारीक कटी शिमला मिर्च
- 2 बारीक कटी हरी मिर्च
- कद्दूकस की हुई अदरक
- 1 कटोरी बारीक कटा हरा धनिया
- नमक स्वादानुसार

विधि

दही में दो कप पानी मिलाकर मट्ठा तैयार कर लें। एक बोल में सूजी और बेसन निकाल लें, उसमें मट्ठा और नमक मिलाने के बाद पंद्रह मिनट के लिए रख दें। अब इसमें शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण गाढ़ा लगे तो उसमें पानी मिला लें। नॉनस्टिक तवे पर थोड़ा तेल गर्म कर लें। चमच से मिश्रण को तवे पर गोल–गोल फैलाने के बाद गैस धीमी कर दें। एक छोटी चम्मच में तेल लेकर चीले के चारों ओर डालें, थोड़ा सा तेल चीले के ऊपर भी डालें। चीले की निचली सतह ब्राउन होने पर उसे कलछी की सहायता से पलटें और दूसरी तरफ भी ब्राउन होने तक सेंकें। चटनी या सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंग। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2652

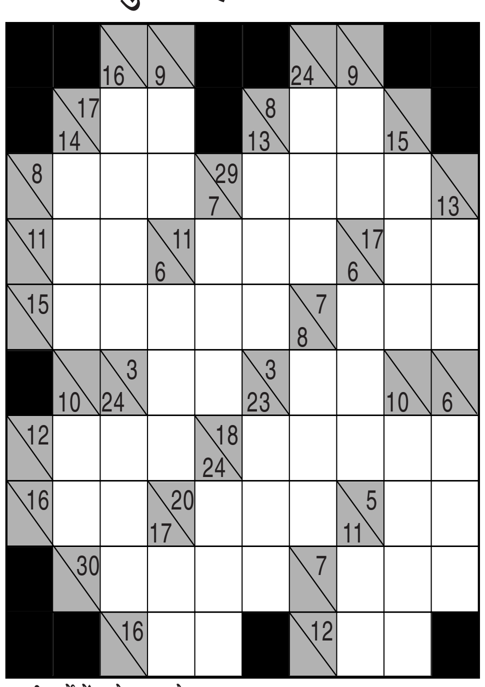

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

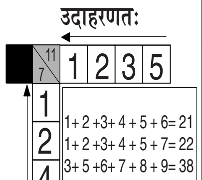

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2651 का हल

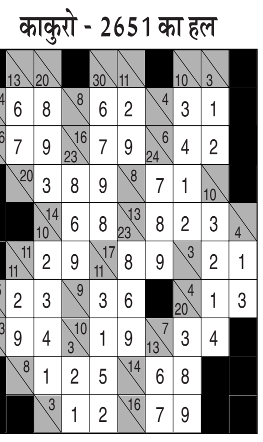

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूं ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2652

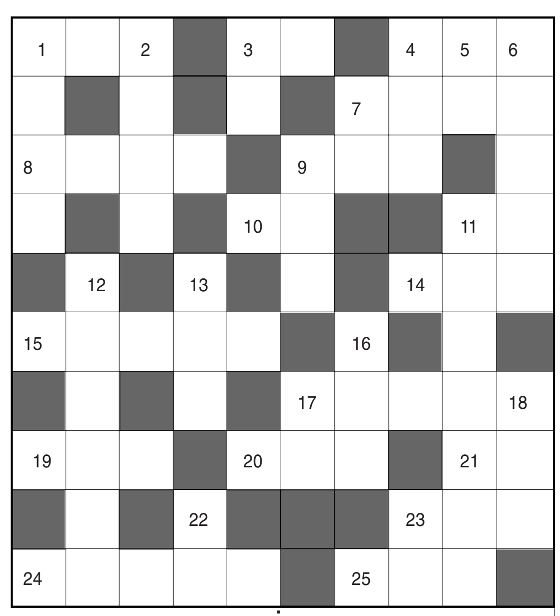

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2651

सूडोकु -2652

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2651 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 2652

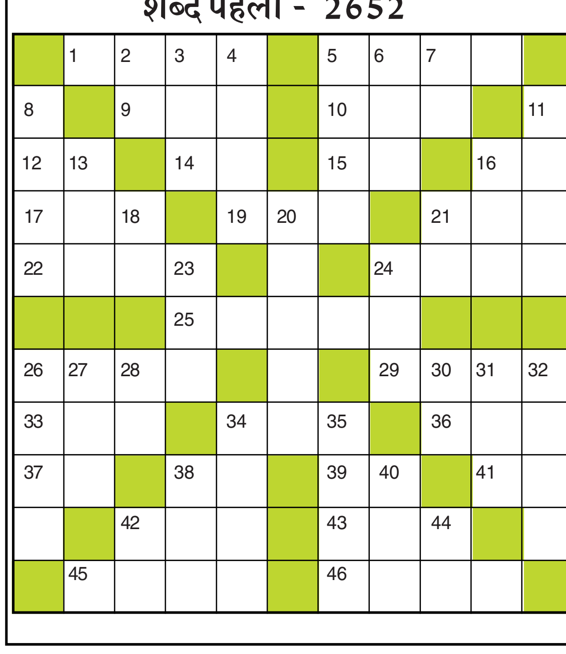

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -2651 का हल

इस बार उत्तर प्रदेश में भाजपा की विदाई होगी : सुप्रिया श्रीनेत

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने जाति जनगणना, कंगना रनौत की टिप्पणी, स्कूल फंडिंग और उत्तर प्रदेश के राजनीतिक घटनाक्रम जैसे मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी ने जन आंदोलन चलाया, तब उन्होंने कहा था कि जातिगत सर्वे होना चाहिए। देश में सामाजिक-आर्थिक और जाति सर्वे होना चाहिए। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सरकार जाति जनगणना के पीछे षड्यंत्र कर रही है। यह षड्यंत्र पिछड़े, अति-पिछड़े और वंचितों के खिलाफ हो रहा है। इस सर्वे में एक ओपन-एंडेड सवाल पूछा जा रहा है कि आपकी जाति क्या है। देश में एक ही जाति को अलग-अलग जगहों पर विभिन्न नामों और भाषा से जाना जाता है। ऐसे में एक जाति की संख्या का पता लगाना मुश्किल है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने जो जातिगत सर्वे को लेकर पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है, उस पर उनको ध्यान देना चाहिए। देश में जातिगत सर्वे ऐसा होना चाहिए, जिससे पिछड़ों, अति-पिछड़ों, आदिवासियों और दलितों का भला हो।

अखिलेश यादव यूपी में इंडिया गठबंधन की अगुवाई करें: रविदास मेहरोत्रा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रविदास मेहरोत्रा ने यूपी चुनाव 2027 को लेकर कहा कि अगर भाजपा को सत्ता से बाहर करना है तो इंडिया गठबंधन की कमान सपा मुखिया अखिलेश यादव को अपने हाथ में लेनी होगी। लखनऊ में सपा नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा का विकल्प सिर्फ समाजवादी पार्टी है। विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। जनता ने मन बना लिया है कि सपा की सरकार बनानी है और प्रदेश का सीएम अखिलेश यादव को बनाना है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता चाहते हैं कि इंडिया गठबंधन की अगुवाई अखिलेश यादव करें। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता को मुख्य मुद्दों से भटकाना चाहती है। लेकिन, हम ऐसा नहीं होने देंगे, जनता से जुड़े मुद्दों को हम उठाएंगे। इसी बीच, उन्होंने कांग्रेस पर भी तंज कसते हुए कहा कि गठबंधन धर्म का पालन कांग्रेस को करना चाहिए। उन्होंने साल 2017 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस ने गठबंधन धर्म का पालन किया होता तो शायद वे चुनाव नहीं हारते।

पीएम राहत योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण संपन्न, गोल्डन आवर में त्वरित उपचार पर जोर

सूरजपुर। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समय पर उपचार और राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधानमंत्री राहत योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव के निर्देशानुसार और कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने की। प्रशिक्षण में दुर्घटना पीड़ितों को गोल्डन आवर में त्वरित उपचार उपलब्ध कराने तथा पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने कहा कि पीएम राहत योजना का उद्देश्य दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल उपचार एवं राहत सहायता उपलब्ध कराना है। दुर्घटना के समय चिकित्सक और पुलिस फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका में होते हैं, इसलिए दोनों विभागों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि दुर्घटना होने पर घायल व्यक्ति का वीडियो बनाने के बजाय उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि समय पर मिलने वाली मदद किसी घायल व्यक्ति की जान बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

नैनी झील में ड्रोन से कीटनाशक छिड़काव का शुभारंभ, मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने मॉडल टाउन स्थित नैनी झील में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक छिड़काव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दिल्ली नगर निगम की ओर से मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे व्यापक अभियान के तहत यह पहल की गई है। इस दौरान स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा भी मौजूद रहीं। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम डेंगू एवं मलेरिया सहित मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए लगातार प्रभावी और आधुनिक उपाय अपना रहे हैं।

यूपी के श्रमिकों को बड़ा तोहफा

एक साल की सेवा पर मिलेगी ग्रेच्युटी

महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम की छूट

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्यदशा नियमावली-2026 और उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा नियमावली-2026 को मंजूरी दे दी। नई व्यवस्था के तहत पात्र श्रमिकों को अब एक साल की सेवा पूरी करने पर ग्रेच्युटी का लाभ मिल सकेगा। इसके अलावा कामगारों को नियुक्ति पत्र देना और साल में कम से कम एक बार नियोक्ता के खर्च पर स्वास्थ्य जांच कराना भी जरूरी होगा। नई सामाजिक सुरक्षा नियमावली के तहत तय अवधि के कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी की पात्रता अवधि तीन साल से घटाकर एक साल करने का प्रावधान किया गया है। इसका लाभ पात्र नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स, असंगठित और स्व-नियोजित श्रमिकों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) और कर्मचारी राज्य बीमा (ESI) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का दायरा बढ़ाने का प्रावधान भी किया गया है। रोजगार के दौरान दुर्घटना या मृत्यु होने पर पात्र श्रमिकों अथवा उनके आश्रितों को सामाजिक सुरक्षा लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी।नई नियमावली के तहत कम से कम 10 कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में काम करने वाले श्रमिकों को नियुक्ति या जॉइनिंग लेटर देना अनिवार्य होगा। इससे कर्मचारियों के पास उनके रोजगार का आधिकारिक प्रमाण रहेगा और नौकरी से जुड़े अधिकारों को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी। नियोक्ताओं को श्रमिकों की साल में कम से कम एक बार निशुल्क स्वास्थ्य जांच भी करानी होगी। इसका खर्च कंपनी या प्रतिष्ठान के मालिक को उठाना होगा।

वर्कप्लेस पर सुविधाएं देना जरूरी

नई व्यवस्था में कार्यस्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई है। प्रतिष्ठानों में स्वच्छ पेयजल, शौचालय, स्नानघर, विश्राम कक्ष, कैंटीन और प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी होगा।

गंभीर दुर्घटना या व्यावसायिक खतरे की जानकारी संबंधित सक्षम प्राधिकारी को देना भी नियोक्ता की जिम्मेदारी होगी। कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान कर उनकी रोकथाम के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय भी करने होंगे।

महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम की अनुमति

महिला कर्मचारियों के लिए भी नियमावली में अहम बदलाव किए गए हैं। अब महिलाओं को उनकी सहमति के आधार पर सभी प्रकार के प्रतिष्ठानों और रात्रिकालीन शिफ्ट में काम करने की अनुमति होगी। हालांकि, नियोक्ता को सुरक्षित परिवहन और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय उपलब्ध कराने होंगे। महिला कर्मचारियों के मातृत्व लाभ से जुड़े अधिकारों के संरक्षण का भी प्रावधान किया गया है। नई व्यवस्था में ठेका श्रमिकों और अंतरराज्यीय प्रवासी कामगारों के साथ-साथ निर्माण, कारखाना, बागान, बीड़ी-सिगार और दृश्य-श्रव्य क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। पंजीकरण, रिकॉर्ड और आवश्यक विवरण इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दाखिल किए जा सकेंगे।

तेलंगाना में कांग्रेस नेताओं पर गाज

मंत्री कोंडा सुरेखा को कैबिनेट से हटाने की सिफारिश

एजेंसी
हैदराबाद। तेलंगाना की वन और बंदोबस्त मंत्री कोंडा सुरेखा और योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी. चिन्ना रेड्डी पर कार्रवाई हो सकती है, क्योंकि राज्य कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति ने अनुशासनहीनता के लिए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की है।

सुरेखा और चिन्ना रेड्डी के खिलाफ यह कार्रवाई उनके उन बयानों के कारण करने का सुझाव दिया गया, जिन्हें पार्टी और उसके नेतृत्व के लिए नुकसानदेह माना गया। वरिष्ठ नेता चिन्ना रेड्डी, योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष के तौर पर कैबिनेट रैंक का दर्जा रखते हैं। अनुशासन समिति के अध्यक्ष मल्लू रवि और उपाध्यक्ष श्याम मोहन ने राज्य पार्टी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ को रिपोर्ट सौंपी, और उन्होंने यह रिपोर्ट तेलंगाना के लिए एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन को भेज दी है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई पर एआईसीसी नेतृत्व अंतिम फैसला लेगा। खबरों के मुताबिक, अनुशासन समिति ने पाया कि सुरेखा को अपनी बेटी कोंडा सुष्मिता द्वारा मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ की गई टिप्पणियों की निंदा करनी चाहिए थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने पार्टी अनुशासन का उल्लंघन किया है।

अनुशासन समिति द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब में, सुरेखा ने वारंगल जिले के परकाला में एक कार्यक्रम के दौरान सुष्मिता द्वारा की गई टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया था। मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ की गई टिप्पणियों के लिए उन्हें राजनीतिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए, और वे उनकी बेटी के निजी विचार थे।

बुजुर्ग माता-पिता पर अत्याचार करने वाली संतान होगी संपत्ति से बेदखल

योगी सरकार का बड़ा फैसला

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल नहीं करने या उनके साथ दुर्व्यवहार करने वाली संतान और आश्रित रिश्तेदारों पर अब सख्त कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। योगी सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मानजनक जीवन और संपत्ति के अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत पीड़ित बुजुर्ग अपनी स्व-अर्जित संपत्ति से ऐसी संतान या आश्रित रिश्तेदार को बेदखल कराने की प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। हुई कैबिनेट बैठक में 'उत्तर प्रदेश माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली-2014' में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके तहत नियम 22 में नए प्रावधान 22-क, 22-ख और 22-ग जोड़े जाएंगे। देखभाल नहीं करने पर संपत्ति से बेदखली का प्रावधान

नए प्रावधानों के मुताबिक, यदि कोई संतान या आश्रित रिश्तेदार वरिष्ठ नागरिक का भरण-पोषण नहीं करता या उसके साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार करता है, तो बुजुर्ग जिला स्तरीय भरण-पोषण अधिकरण में शिकायत कर सकता है। मामले की जांच और सुनवाई के बाद अधिकरण संबंधित व्यक्ति को वरिष्ठ नागरिक की स्व-अर्जित संपत्ति से बेदखल करने का आदेश जारी कर सकेगा।

सरकार का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था तैयार करना है, जिससे बुजुर्गों को अपनी संपत्ति पर अधिकार बनाए रखने के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से न गुजरना पड़े। सरकार ने इस प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने पर भी जोर दिया है। वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई 30 दिनों के भीतर पूरी करने का प्रावधान किया गया है। जिला स्तरीय अधिकरण को ऐसे मामलों की मासिक रिपोर्ट सरकार को भेजनी होगी। यदि कोई बुजुर्ग खुद शिकायत दाखिल करने की स्थिति में नहीं है तो उसकी ओर से कोई संस्था भी आवेदन कर सकेगी। इससे शारीरिक रूप से कमजोर या असमर्थ वरिष्ठ नागरिकों को भी कानूनी सहायता मिल सकेगी। अगर बेदखली का आदेश जारी होने के बाद संबंधित व्यक्ति 30 दिनों के भीतर संपत्ति खाली नहीं करता है, तो अधिकरण पुलिस की सहायता से संपत्ति पर कब्जा लेकर उसे वरिष्ठ नागरिक को सौंप सकता है। संबंधित पुलिस अधिकारियों के लिए भी आदेश का पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।

समृद्ध संस्कृति के उत्सव ओणम की राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी
नई दिल्ली। केरल के सबसे लोकप्रिय और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण त्योहार ओणम पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केरल के मुख्यमंत्री और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री समेत कई नेताओं ने शुभकामनाएं दी हैं।

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'सभी को ओणम की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! यह त्योहार सभी के लिए खुशियां, नई शुरुआत और समृद्धि लेकर आए।' कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'ओणम के खुशी के मौके पर मैं सभी को दिल से शुभकामनाएं देता हूं। ओणम केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, समृद्धि और सबसे बढ़कर, सबको साथ लेकर चलने और एकजुटता की भावना का जश्न मनाता है, जो भारत के मूल्यों को दर्शाता है। ओणम के रंग और उत्सव हर घर में खुशियां, शांति और समृद्धि लाएं। ओणम की शुभकामनाएं!' प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा, 'ओणम की शुभकामनाएं!

उम्मीद है कि आप सभी का जश्न शानदार हो और आने वाले दिन आपके लिए प्यार, खुशियां और शांति लेकर आएं। 'ऐतिहासिक पुस्तकें' और दस्तावेज़ खोजना कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया, 'ओणम के त्योहार पर मेरे सभी प्यारे मलयाली भाई-बहनों को शुभकामनाएं! ओणम हमारी समृद्ध संस्कृति का उत्सव है, हमारी एकता का जश्न मनाने और समृद्ध केरल के लिए प्रार्थना करने का अवसर है।' केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने एक्स पोस्ट में कहा, 'जाति और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर, सभी मलयालियों का गौरवशाली राष्ट्रीय त्योहार 'ओणम' प्यार, समानता और एकता का संदेश फैलाए। दुनिया भर के सभी मलयालियों को ओणम की हार्दिक शुभकामनाएं!'

हिजाब विवाद पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर असदुद्दीन ओवैसी भड़के, आदेश को बताया इस्लाम पर हमला

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रयागराज के एक स्कूल में हिजाब पहनने को लेकर सामने आए विवाद पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। हाई कोर्ट ने स्कूल यूनिफॉर्म के साथ हिजाब पहनने की अनुमति मांगने वाली नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज कर दी थी। ओवैसी ने इस फैसले को संविधान में दिए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ बताते हुए कहा कि वह अदालत के आदेश से सहमत नहीं हैं। दारुस्सलाम स्थित एआईएमआईएम मुख्यालय में आयोजित 'जलसा-ए-रहमतुल-लिल-आलमीन' कार्यक्रम में बोलते हुए ओवैसी ने कहा कि स्कूल में हिजाब पहनने के मुद्दे पर अदालत को धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों के संदर्भ में विचार करना चाहिए था। उन्होंने इसे 'इस्लाम पर हमला' तक बताया। ओवैसी ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 19 नागरिकों को धार्मिक आस्था और अभिव्यक्ति से जुड़े

अधिकार प्रदान करते हैं। उनके मुताबिक, यह तय करना अदालत का विषय नहीं होना चाहिए कि किसी धर्म में कौन-सी प्रथा कितनी जरूरी है। उन्होंने सबरीमाला मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि धार्मिक प्रथाओं की अनिवार्यता से जुड़ा सवाल सुप्रीम कोर्ट के सामने विचाराधीन है। ओवैसी ने सवाल उठाया कि जब इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है, तब हाई कोर्ट को इस तरह का फैसला नहीं देना चाहिए था।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि छात्रा ऐसा कोई धार्मिक ग्रंथ या अन्य प्रमाण पेश नहीं कर सकी, जिससे यह साबित हो कि सिर पर स्कार्फ या हिजाब पहनना उसके धर्म का ऐसा अनिवार्य हिस्सा है, जिसके बिना उसकी धार्मिक आस्था प्रभावित होगी। अदालत ने यह भी ध्यान में रखा कि संबंधित समुदाय के कुछ अन्य छात्र तस्वीरों में बिना स्कार्फ के नजर आए। कोर्ट के मुताबिक, केवल धार्मिक पहचान के आधार पर स्कूल की निर्धारित यूनिफॉर्म में बदलाव की मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

जेपीएनआईसी निजी हाथों में देने पर अखिलेश की तीखी टिप्पणी, बोले

अब तो बस सरकार को ही ठेके पर देना या बेचना बचा

एजेंसी
लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को निजी हाथों में सौंपने के योगी सरकार के फैसले पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश ने वीडियो जारी कर सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। अखिलेश यादव ने अपने बयान में कहा, 'भाजपा सरकार है या दुकानदार? अब प्रदेश सरकार ने लखनऊ के जेपीएनआईसी (जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर) को निजी हाथों में सौंपने का निर्णय कैबिनेट में ले लिया है। अब तो बस सरकार को ही ठेके पर देना या बेचना बचा है।' अखिलेश ने भाजपा पर कमीशन और निजीकरण के जरिए भ्रष्टाचार का आरोप भी लगाया। ज्ञात हो कि समाजवादी पार्टी सरकार के

कार्यकाल में तैयार गोमतीनगर स्थित जेपीएनआईसी के संचालन को अब निजी क्षेत्र को सौंपने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जेपीएनआईसी को वृंदावन बाटलर्स प्राइवेट लिमिटेड और राकवुड होटल्स एंड रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को 30 वर्ष की लीज पर देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।फैसले के मुताबिक, चयनित कंपनी लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सालाना छह करोड़ रुपये किराया देगी। इसमें हर वर्ष पांच प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान होगा। लंबे समय से बंद पड़े इस महत्वाकांक्षी केंद्र को निजी संचालन के माध्यम से उपयोग में लाने की तैयारी है। जेपीएनआईसी के संचालन के लिए चयनित कंपनी से 10.11 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि और 25 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस गारंटी ली जाएगी। परियोजना पर अब तक 821.74 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। लीज से प्राप्त धनराशि को ब्याज सहित संकलित कर एलडीए द्वारा प्रदेश सरकार को वापस किया जाएगा। जेपीएनआईसी के संचालन और रखरखाव के लिए पहले 35 वर्ष का अनुबंध प्रस्तावित था। अब सहमति के आधार पर पहली बार 30 वर्ष और दूसरी बार 25 वर्ष तक अनुबंध बढ़ाने का प्रावधान रखा गया है। इसके तहत परियोजना के दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निजी संचालक के पास रहेगी।

कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन पर विवाद

सभी प्लेटफॉर्म से हटाया गया एड; मेकर्स ने दी सफाई

एजेंसी
मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के रक्षाबंधन से जुड़े एक ज्वैलरी विज्ञापन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब नया मोड़ ले चुका है। सोशल मीडिया पर विज्ञापन को लेकर लगातार हो रही आलोचना के बीच मेकर्स ने इसे सभी प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। विज्ञापन को लेकर कृति सेनन को भी सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। बढ़ते विवाद के बाद अभिनेत्री ने अपनी सफाई दी, वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी उनका समर्थन किया। कृति सेनन एक ज्वैलरी ब्रांड के विज्ञापन में नजर आई थीं। विज्ञापन की थीम रक्षाबंधन के त्योहार से जुड़ी थी। इसमें अभिनेत्री के पहनावे को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने आपत्ति जताई। देखते ही देखते विज्ञापन को लेकर बहस तेज हो गई और कृति सेनन को भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। विवाद बढ़ने के बाद विज्ञापन बनाने वाली टीम ने इसे विभिन्न

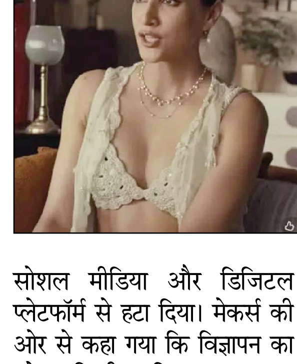

सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटा दिया। मेकर्स की ओर से कहा गया कि विज्ञापन का उद्देश्य किसी व्यक्ति, समुदाय या धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। विवाद के बीच कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए महिलाओं के पहनावे को उनकी संस्कृति और सम्मान से जोड़ने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि समय के साथ पारंपरिक फैशन में बदलाव आया है और किसी महिला की संस्कृति के प्रति सम्मान को केवल उसके कपड़ों से नहीं आंका जाना चाहिए।

अभिनेत्री ने यह भी सवाल उठाया कि महिलाओं को लगातार यह बताने की कोशिश क्यों की जाती है कि उन्हें क्या पहनना चाहिए। उनके बयान को सोशल मीडिया पर समर्थन और विरोध, दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं मिलीं।

राहुल गांधी ने किया कृति का समर्थन

मंगलवार देर शाम लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी इस विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कृति सेनन की ओर से जारी सफाई को साझा करते हुए महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का समर्थन किया। राहुल गांधी ने कहा कि महिलाएं क्या पहनती हैं, क्या करती हैं और कहां जाती हैं, यह उनकी अपनी पसंद का विषय है। उन्होंने महिलाओं को उनकी पसंद और स्वतंत्रता के लिए ट्रोल किए जाने की आलोचना की।

'आपका धर्म पारसी, अन्य धर्मों पर टिप्पणी करने का हक नहीं', राहुल गांधी पर निशिकांत दुबे का जुबानी हमला

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर 'मनुस्मृति' संबंधी बयान को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। भाजपा सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'राहुल गांधी जी आप फिरोज गांधी जी के पोते हैं यानि वंशज है, भारत के संविधान और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आप पारसी धर्म के हैं, आप अल्पसंख्यक हैं...पारसी धर्म आपका कर्म है।

आपको सनातन धर्म यानि हिंदू धर्म, कुरान यानि मुस्लिम तथा बाइबल यानि ईसाई धर्म और धार्मिक ग्रंथों पर टिप्पणी करने का कोई हक और हुकूक नहीं है। इससे पहले भाजपा सांसद ने अपनी पोस्ट में एलओपी को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी वारेन हैस्टिंग ब्रिटेन के गवर्नर जनरल ने 27 मार्च 1775 को 11 पंडितों / विद्वानों का एक समिति बनाया, जिसका उद्देश्य था, भारत में उपलब्ध सभी संस्कृत, पाली ग्रंथ का अनुवाद/अध्ययन करना था। आज भारत में जितने ग्रंथ पर चर्चा होती है, सभी अंग्रेजों की कमिटि द्वारा अनुवादित किया गया है। उस कमेटी का अनुवाद सहित रिपोर्ट 1777 में गवर्नर जनरल को सौंपा गया, 1777 के रिपोर्ट में साफ लिखा गया है कि मनुस्मृति के कुछ श्लोक सही हैं। कुछ गलत हैं, काल्पनिक कालखंड है, दूसरे विद्वान ने अपने शब्द मनुस्मृति में घुसेड़ने का प्रयास किया है। कांग्रेस पार्टी को सनातन धर्म के अलावा यही विचार अन्य धर्म ग्रंथों में भी देखना चाहिए। यह देश तो हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई का भी है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मनुस्मृति संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर हमला बोला था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के रूप में देश को उनसे बहुत अपेक्षा नहीं है, लेकिन भारत की संसद में नेता प्रतिपक्ष के पद पर होने के नाते उनको लोकतंत्र और संविधान के प्रति जवाबदेही है।

कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जीत हासिल की

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त

नईदिल्ली, एजेंसी। सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया। वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

बायर्न म्यूनिख ने ड्रिसेन और एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ाया

बर्लिन, एजेंसी । बायर्न म्यूनिख ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी जान-क्रिश्चियन ड्रिसेन और स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर मैक्स एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ा दिया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फैसले को बायर्न के सुपरवाइजरी बोर्ड ने मंगलवार को एक बैठक में मंजूरी दी। मंजूरी मिलने के बाद ड्रिसेन और एबरल का 2027 में समाप्त होने वाला कार्यकाल 2 साल बढ़ गया। ड्रिसेन 2013 में मुख्य वित्तीय अधिकारी के तौर पर बायर्न में शामिल हुए थे और एक साल बाद उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने थे। वह मई 2023 से सीईओ के तौर पर काम कर रहे हैं। अनुबंध बढ़ाए जाने के बाद ड्रिसेन ने कहा, 'मैं सुपरवाइजरी बोर्ड को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते रहना चाहते हैं कि एफसी बायर्न शीर्ष क्लब बना रहे जिस पर हम सभी को गर्व है। यही हमें प्रेरित करता है। हमने अभी भी बहुत योजनाएं बनाई हैं। ' 52 साल के एबरल, बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक और आऱबी लीपजिग में प्रबंधन में काम करने के बाद मार्च 2024 में स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर के तौर पर बायर्न लौटे। वह छह साल की उम्र में बायर्न में शामिल हुए, यूथ सिस्टम में आगे बढ़े और बाद में क्लब के लिए अपना पेशेवर डेब्यू किया। एबरल ने कहा, 'जब से मैं यूथ टीमों में था, तब से एफसी बायर्न मेरे दिल के करीब रहा है। सुपरवाइजरी बोर्ड का भरोसा एक कीमती निशानी है और मैं इससे बहुत खुश हूं। ' सुपरवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन हर्बर्ट हैनर ने कहा कि स्थिरता जरूरी है, स्थिरता ताकत देती है। हमें क्लब को सबसे ऊंचे स्तर पर लगातार विकसित करने के लिए हमें दोनों की जरूरत है। बायर्न यूरोप के शीर्ष क्लबों में अपनी जगह बनाए रखना चाहता है। हैनर ने कहा, ड्रेसेन, एबरल और मार्केटिंग और सेल्स एग्जीक्यूटिव रूवेन कैस्पर का मैनेजमेंट बोर्ड क्लब को पिच पर और पिच के बाहर आगे बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में था। जुलाई 2024 से बायर्न के मैनेजमेंट बोर्ड में तीन सदस्य हैं। इस स्ट्रक्चर का मकसद समन्वय बनाते हुए जल्दी फैसले लेने में मदद करना है।

विमेंस एशिया कप

पहली बार खेल रही इंडोनेशिया ने किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला एशिया कप 2026 का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है। इंडोनेशिया की महिला टीम ने पहली बार टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक 2 दिन पहले इंडोनेशिया ने अपनी टीम का भी ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करने वाली इंडोनेशिया आखिरी टीम है। टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। अनुभवी कप्तान नंदा सकारिनी टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि वेलिक के साथ मिलकर बेहतरीन बॉलिंग ग्रुप में शामिल होंगी। टीम में आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 की स्टार खिलाड़ी वेसिका रत्ना देवी, पुत्री सुवानदेवी और सांग मेयरपिरानी शामिल हैं। देसी वुलंडारी, ली कियाओ और नी काडेक एरियानी भी टीम का हिस्सा हैं। इंडोनेशियाई टीम का क्वालीफिकेशन कैंपेन बहुत अच्छा रहा, वे थाईलैंड से हारने से पहले सेमीफाइनल तक पहुंचीं, और तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में हांगकांग, चीन से हार गईं। टीम ने जून में एसीसी विमेंस प्रीमियर कप के जरिए क्वालीफाई किया था। पूरे इवेंट में टीम के लिए सिर्फ 11 सदस्य खेले थे। सकारिनी क्वालीफाइंग में टीम की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं। इंडोनेशिया एशिया कप में ग्रुप बी का हिस्सा है। इस ग्रुप की अन्य तीन टीमें बांग्लादेश, श्रीलंका और यूएई हैं। एशिया कप कैंपेन में इंडोनेशिया का पहला मैच 31 अगस्त को बांग्लादेश के खिलाफ है, इसके बाद वे 2 सितंबर को श्रीलंका और 4 सितंबर को यूएई का सामना करेंगे। पहली हार टूर्नामेंट में उतरी इंडोनेशिया के प्रदर्शन पर क्रिकेट फैंस की नजर रहेगी। महिला एशिया कप के लिए इंडोनेशिया की टीमः नंदा सकारिनी (कप्तान), काडेक विंडा प्रास्तिनी, रहमावती पंगेस्टुटी, वेसिका रत्ना देवी, राडा रानी, ??देसी वुलंडारी, पुत्री सुवांडेवी, किसी सलीसा कासे, सांग मेप्रियानी, नी काडेक एरियानी, डेर्नी बांगी, दारा अगुंग लक्ष्मी, ली कियाओ, मारिया कोराजोन वोम्बाकी, सोफिया वेलिक।

एंटीगुआ ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 30 रन से हराया, जोसुआ जेम्स रहे प्लेयर ऑफ द मैच

एंटीगुआ, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 का 16वां मुकाबला सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्सल और बारबाडोस ट्राइडेंट्स के बीच खेला गया। एंटीगुआ ने बारबुडा को 30 रन से हरा दिया। बारबाडोस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। एंटीगुआ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 155 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा 56 रन कप्तान मोईन अली ने बनाए। 37 गेंदों पर खेली गई इस नाबाद पारी में मोईन ने 4 छक्के और 3 चौके लगाए। इसके अलावा, करिमा गोरे ने 27 और आमिर जंगू ने 26 रन बनाए। शमार स्प्रिंगर ने नाबाद 19 रन बनाए। बारबाडोस की तरफ से मुजीब उर रहमान ने 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए।

ब्राजील के खिलाफ मैच से पहले विश्वकप खेलने वाली इस टीम से होगा भारत का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय फुटबॉल टीम 26 सितंबर को 2026 फीफा विश्व कप में खेल चुकी पनामा से भिड़ेगी। पनामा फीफा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यह मुकाबला खालिद जमील की टीम के लिए बड़ी चुनौती होने के साथ ब्राजील और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबलों की तैयारी का अहम मौका होगा। भारतीय फुटबॉल टीम को ब्राजील के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले एक और बड़ी चुनौती मिल गई है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को बताया कि भारत 26 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में पनामा की मेजबानी करेगा।

हालांकि, मैच किस मैदान पर खेला जाएगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पनामा 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा ले चुका है। ऐसे में ब्राजील से भिड़ने से ठीक पहले भारतीय टीम को एक और विश्व कप टीम के खिलाफ खुद को परखने का मौका मिलेगा।

फीफा रैंकिंग में 44वें नंबर पर है पनामा – पनामा इस समय फीफा की ताजा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यानी वह दुनिया की शीर्ष-50 टीमों में शामिल है। भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला इसलिए भी अहम होगा क्योंकि खालिद जमील की टीम को मजबूत अंतरराष्ट्रीय विपक्ष के खिलाफ अपनी तैयारी और स्तर को परखने का मौका मिलेगा।

विश्व कप टीमों के खिलाफ लगातार मुकाबले

पनामा के खिलाफ मुकाबला भारत के लिए विश्व कप में खेलने वाली टीमों के खिलाफ प्रस्तावित चार मैचों की शुरुआत करेगा। इसके बाद भारतीय टीम 3 अक्टूबर को ब्राजील से भिड़ेगी। नवंबर में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी दो मुकाबले खेलने हैं। दोनों टीमें 12 और 15 नवंबर को आमने-सामने होंगी। इस तरह भारतीय टीम को इस अवधि में उन टीमों के खिलाफ खेलने का शानदार मौका मिलेगा, जो 2026 विश्व कप का हिस्सा रही हैं।

बीबीएल में ड्राफ्ट सिस्टम खत्म, अब खिलाड़ियों को होगा और फायदा

सिडनी, एजेंसी। बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से जुड़ी रोक गुरुवार से हटने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई और विदेशी खिलाड़ियों को अधिक राशि मिलेगी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के साथ महीनों की बातचीत और क्लबों से मिले फीडबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आखिरकार डब्ल्यूबीबीएल सीजन शुरू होने से छह सप्ताह पहले अनुबंध से जुड़े नए नियम घोषित कर दिए। नए नियमों के तहत विदेशी खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्टा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और बड़े घरेलू खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे देने के मकसद से जरूरी बड़े घरेलू खिलाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। क्लबों को विदेशी खिलाड़ियों को साइन न करने का विकल्प भी दिया गया है। यह रोक गुरुवार सुबह नौ बजे हट जाएगी और इससे बेन स्टोक्स और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों के लिए बीबीएल क्लबों के साथ सीधे रिकॉर्ड अनुबंध साइन करने का रास्ता खुल जाएगा। साथ ही मेलबर्न रेनेगेड्स छोड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिनर एडम जम्पा को भी आखिरकार कोई क्लब मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विकेटकीपर जॉश इंग्लिश को भी सैद्धांतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ उनका अनुबंध समाप्त हो गया है, हालांकि, टेस्ट ड्यूटी की वजह से हो सकता है कि वह आने वाले बीबीएल के किसी भी हिस्से के लिए उपलब्ध न हों, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट पाने की उनकी संभावना बेहद कम हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े बीबीएल खिलाड़ी और कई क्लब लंबे समय से विदेशी खिलाड़ियों के लिए बने 'ड्राफ्ट' सिस्टम से परेशान थे। इस सिस्टम की वजह से कई बार कम मशहूर विदेशी खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के नियमों के कारण सबसे अच्छे लोकल खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा पैसे मिल जाते थे। डब्ल्यूबीबीएल में भी यही नियम लागू होंगे। विदेशी खिलाड़ियों के लिए कोई न्यूनतम संख्या तय नहीं होगी, 15 खिलाड़ियों की टीम में तीन 'मार्की' खिलाड़ी होंगे जिनका वेतन अधिक होगा। बीबीएल के बॉस एलिस्टर डॉब्सन ने बताया, 'खिलाड़ियों का बाजार लगातार बदल रहा है और बीबीएल और डब्ल्यूबीबीएल जरूरत के हिसाब से बदलाव करने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। क्लबों के पास अलग-अलग खिलाड़ियों की वैल्यू और उनके घरेलू या विदेशी होने के आधार पर अपना आकलन करने की आजादी होना जरूरी है, और आखिरकार बात यही है कि क्लबों को अपनी टीम को लेकर आजादी मिले। इसके बावजूद हमें उम्मीद है कि हमारी लीग में बेहतरीन विदेशी खिलाड़ी आएंगे क्योंकि वे हर टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है: रोजर फेडरर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का आर्थर ऐश स्टेडियम में एक यादगार एग्जिबिशन नाइट के दौरान हीरो जैसा स्वागत किया गया। दुनिया के सबसे बड़े टेनिस स्टेडियम में घुसते ही तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। फेडरर ने कहा, 'न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। मेरे पास इस कोर्ट, यहां के फैंस, शहर की अविश्वसनीय यादें हैं। 2004, 2005 में – यहीं से सब कुछ शुरू हुआ, यहां की जीतों के साथ न्यूयॉर्क के लिए मेरा प्यार। ' फेडरर ने कहा, 'मुझे पहले दिन से ही इस शहर और इस कोर्ट से प्यार हो गया था। ' पूर्व खिलाड़ी ने 2004-2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन जीते और टूर्नामेंट और शहर के साथ अपने खास कनेक्शन के बारे में बात की।

स्विस खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम के सेंटर कोर्ट पर अपनी पहली मौजूदगी को याद किया, जो 2001 में अगासी के खिलाफ थी। फेडरर वह मुकाबला सीधे सेटों में हार गए थे। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सेंटर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला आंद्रे के खिलाफ 2001 में था। उन्होंने मुझे 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। मेरे पास कोई शॉट नहीं था। मैं ऐसा था, 'ठीक है, इतना आसान नहीं है, इतना तेज नहीं है, रोजर'। स्टेडियम के वीडियो बोर्ड पर एक्टर मैथ्यू मैककोनाघी का नैरेट किया हुआ एक हाइप वीडियो दिखाया गया, और फैशन आइकन एना विंटोर ने रॉडिक के खिलाफ फेडरर के एकल मैच से पहले सिक्का उछाला। सेरेना विलियम्स, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, कैस्पर रूड और एलेक्जेंड्रा एला समेत कई मौजूदा और पुराने टेनिस स्टार भी मौजूद थे। फेडरर की यूएस ओपन में वापसी उनके पोस्ट-प्लेइंग करियर में एक और बड़ी उपलब्धि से कुछ दिन पहले हुई है। इस महीने की शुरुआत में अपना 45वां जन्मदिन मनाने वाले स्विस खिलाड़ी को शनिवार, 29 अगस्त को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। आंद्रे अगासी ने कहा, 'यह कितना कूल है कि यह बंदा इस साल हॉल ऑफ फेम में जा रहा है? बहुत बढ़िया, रोजर। मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे कहना होगा – मुझे लगता है कि मैं पहला इंसान था जिसे पता चला कि वह हॉल ऑफ फेम में जाने वाला है। जब उसने अपना 19वां स्लैम जीता, तो मुझे लगा, 'हां, वह कर सकता है'। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि 20वां गैर-जरूरी (हंसते हुए) था। फिर भी, मैं सच में बहुत उत्साहित हूं क्योंकि इससे बाकी सभी लोग जो मुश्किल से अंदर जाने का तरीका ढूंढ पाए हैं, अपने बारे में बहुत बेहतर महसूस करते हैं। रॉडिक ने भी फेडरर के साथ अपनी दोस्ती को याद करते हुए कहा, 'हमने बहुत खेला और उसने मुझे बहुत हराया। लेकिन हम हमेशा अपने करियर के बीच में दोस्ती बनाए रखने में कामयाब रहे और यह अब तक चली है और उम्मीद है कि हमेशा रहेगी। फेडरर ने 2022 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। आखिरी बार फेडरर ने 2019 में यूएस ओपन खेला था।

कोलंबो टेस्ट में छा गए सोनल दिनूषा, जड़ा ऐतिहासिक शतक

बनाया सनत जयसूर्या- महेला जयवर्धने वाला महारिकॉर्ड

श्रीलंका बनाम भारत

कोलंबो, एजेंसी। भारत के खिलाफ श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनूषा का शानदार प्रदर्शन जारी है. 25 साल के दिनूषा ने कोलंबो टेस्ट की दूसरी पारी में शतक जड़कर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए. दिनूषा ने इस मुकाबले में 103 रनों की पारी खेली. उनकी पारी की बदौलत श्रीलंका ने 290 रनों का स्कोर बनाया, हालांकि दिनूषा अपनी टीम को फॉलोऑन से नहीं बचा सके, जिसके लिए श्रीलंका को 304 रनों का स्कोर बनाना था. भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 503-9 रन बनाकर घोषति की. कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में सोनल दिनूषा ने एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली. चौथे दिन यानी बुधवार (26 अगस्त) को दिनूषा ने 147 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. यह इस सीरीज में दिनूषा का दूसरा शतक है. इससे पहले गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने एक पारी में 100 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 84 रन जड़े थे. अब कोलंबो में शतक के साथ उनका मौजूदा सीरीज में स्कोर 100, 84 और 103 हो गया है.

जयसूर्या और जयवर्द्धने वाले क्लब में एंट्री – सोनल दिनूषा अब भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट मैचों में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाजों की खास सूची में शामिल हो गए हैं. इस सूची में सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्द्धने जैसे दिग्गज भी मौजूद हैं. 25 साल के सोनल भारतीय ऑफ स्पनिर सारांश जैन की गेंद पर आउट हुए, उनको केएल राहुल ने आउट किया.

भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज

- अरविंद डी सिल्वा – 3 बार
- कुमार संगकारा – 3 बार
- सनथ जयसूर्या – 2 बार
- महेला जयवर्धने – 2 बार
- थरंगा परानाविताना – 2 बार
- एंजेलो मैथ्यूज – 2 बार
- सोनल दिनूषा – 2 बार

प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर पूरा किया शतक दिनूषा

दिनूषा ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया. गेंद छोटी और ऑफ स्टंप के बाहर थी, जिस पर उन्होंने शानदार पुल शॉट खेला. गेंद हवा में जरूर गई, लेकिन आसानी से इनफील्ड को पार करते हुए बाउंड्री के बाहर पहुंच गई. शतक पूरा होने के बाद दिनूषा ने बल्ले को चूमा, हेलमेट उतारा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया. खास बात यह रही कि इस सीरीज में उनकी यह एक और लगभग बेदाग पारी रही. दोनों टीमों में देवदा पडिकल ने उनसे ज्यादा रन बनाए हैं, लेकिन दिनूषा की बल्लेबाजी पर नियंत्रण ने उन्हें इस सीरीज के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है.

भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में कई शतक

- 2 – एवर्टन वीक्स (वेस्टइंडीज, 1948)
- 2 – गारफील्ड सोबर्स (वेस्टइंडीज, 1958)
- 2 – ज़हीर अब्बास (पाकिस्तान, 1978)
- 2 – दुलीप मेंडिस (श्रीलंका, 1982)
- 2 – रॉबिन स्मिथ (इंग्लैंड, 1990)
- 2 – गैरी कर्स्टन (साउथ अफ्रीका, 1996)
- 2 – जेसी राइडर (न्यूजीलैंड, 2009)
- 2 – सोनल दिनुषा (श्रीलंका, 2026)

श्रीलंका फॉलोऑन के बाद भारत से 16 रन आगे, स्कोर-229/6:पसिंदु ने 92 रन बनाए; सुथार को दो विकेट, बारिश से मैच बाधित

भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका ने दूसरी पारी में 229/6 रन बनाए हैं। टीम ने भारत की पहली पारी के स्कोर से 16 रन की बढ़त हासिल कर ली है। सोनल दिनूषा 7 और केशरा नुवनथा 3 रन पर नाबाद हैं। चौथे दिन बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। पसिंदु सोरियाबंडारा 92 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। सुथार ने कप्तान धनंजय डी सिल्वा को भी 23 रन पर आउट किया। इससे पहले निरोशन डिकवेला 6 रन पर सारांश जैन, कमिंदु मेंडिस 55 रन पर प्रसिद्ध कृष्णा, कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज की बॉल पर आउट हुए।

'धुरंधर 2' के साथ क्लैश पर यश का बड़ा बयान
'टॉक्सिक' के पोस्टपोन पर भी बोले एक्टर

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर पहले रणवीर सिंह की 'धुरंधरः द रिवेंज' के साथ क्लैश की बात सामने आई थी। अब यश ने इस पूरे मामले पर अपनी राय दी है।

फिल्म हुई बार-बार पोस्टपोन

फिल्म 'टॉक्सिक' पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मिडिल ईस्ट में बनी अनिश्चितता के चलते इसकी रिलीज 4 जून कर दी गई। इसके बाद फिल्म की रिलीज फिर टाल दी गई। अब हाल ही में इंडिया टीवी के शो 'आप की अदालत' में यश ने फिल्म की रिलीज टालने और बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर खुलकर बात की।

100-200 करोड़ खोने का डर नहीं

यश ने साफ कहा कि फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला इस डर से नहीं लिया गया कि बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये का नुकसान हो जाएगा। उनके लिए यह फैसला पैसे या अहंकार का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का था। यश ने कहा कि अगर वह सिर्फ अपनी इमेज बचाने या किसी को कुछ साबित करने के लिए फिल्म को उसी तारीख पर रिलीज करते, तो वह असली अहंकार होता। उनके लिए सबसे जरूरी यह था कि वह दर्शकों से किया हुआ अपना वादा पूरा कर पा रहे हैं या नहीं। एक्टर ने कहा कि उनका सबसे बड़ा डर फिल्म को लेकर था। अगर उन्हें लगता है कि वह दर्शकों को वह फिल्म नहीं दे पा रहे हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था, तो वह पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ना पसंद करेंगे।

कभी जानबूझकर किसी फिल्म से क्लैश नहीं किया

बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर यश ने यह भी साफ किया कि उन्होंने कभी जानबूझकर किसी दूसरी फिल्म के साथ अपनी फिल्म का क्लैश नहीं किया। उन्होंने कहा, 'जो भी क्लैश आप बोल रहे हैं, उसमें मैं सीधे जाकर कभी क्लैश में नहीं आया। मेरी डेट पहले अनाउंस होती है और उसके बाद अगर कोई फिल्म आती है, तो वो क्लैश हो जाता है।' यश ने यह भी कहा कि उन्हें जिंदगी में कुछ खोने का डर नहीं है। उन्होंने कहा, जिंदगी में मुझे खोने का कुछ है ही नहीं, तो मुझे डर है ही नहीं।'

बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये के नुकसान की बात पर भी यश ने इसे ज्यादा बड़ी चिंता नहीं माना। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बिल्कुल शून्य से की थी। आज उनके पास जो कुछ भी है, वह उनके लिए एक एक्स्ट्रा चीज है। फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पुलकित सम्राट को पहचानना हुआ मुश्किल इस वजह से घटा ढाई किलो वजन

पुलकित सम्राट ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पुलकित इतने बदले हुए नजर आए कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। इस स्टोरी के जरिए पुलकित ने फैंस को बताया कि वो इ दिनों बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। जानिए पुलकित ने और क्या कहा?

स्टोरी में क्या बोले पुलकित

एक्टर ने बताया कि वो बीते कुछ दिनों से मलेरिया से पीड़ित हैं। अभिनेता ने बताया कि इस बीमारी की वजह से उनका वजन कम हो गया है। पुलकित ने तस्वीर शेयर कर जानकारी दी कि बीते कुछ दिनों में उनका ढाई किलो वजन कम हो गया। हालांकि, अभिनेता ने पॉजिटिविटी पर बात करते हुए कहा कि वह अपना वजन फिर से बैलेंस कर लेंगे। इसके साथ ही पुलकित ने एक तस्वीर भी साझा की जिसमें वह बेहद कमजोर नजर आ रहे हैं। कुछ समय पहले इंटरव्यू में पुलकित ने सलमान खान को लेकर जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि अपनी पहली फिल्म की रिलीज के वक्त हर नए कलाकार की तरह वह भी घबराए हुए थे, लेकिन तब सलमान खान की बातों ने स्टारडम के प्रति उनका नजरिया बदल दिया था।

पुलकित का वर्कफ्रंट

पुलकित को आखिरी बार नेटफ्लिक्स सीरीज 'ग्लोरी' में देखा गया था। करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बनी इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में दिव्येंदु और सुविंदर विक्की भी अहम भूमिकाओं में थे। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही अच्छे रिव्यू मिले। दूसरी तरफ उनकी आखिरी फिल्म 'राहु -केतु' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

टॉक्सिक के किरदार नादिया को कियारा ने बताया मुश्किल

यश की फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' में कियारा आडवाणी ने नादिया का किरदार निभाया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर अपने किरदार से जुड़े अनुभव साझा किए हैं।

कियारा के लिए फिल्म 'टॉक्सिक' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म है। इस फिल्म में नादिया का किरदार निभाने और उसकी मांग पर कियारा ने काफी कुछ लगा। एक्ट्रेस ने लिखा फिल्में हमें उस दुनिया में ले जाने का एक खूबसूरत तरीका होती हैं जिनमें हम असलियत में नहीं जा सकते। हर नया किरदार, हर नया सेट, हर चुनौती आपको कुछ ऐसा सिखाती है। आपकी क्षमताओं के बारे में बताती है। इस किरदार ने मुझे अपरिचित और मुश्किल चीजों के साथ भी सहज होना सिखाया। नया किरदार आपको नए कौशल, नए रोमांच और उस जुनून के लिए जो आपको बार-बार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मेरे लिए ग्रोथ का मतलब हमेशा उस काम के लिए हामी भरना है जिसे करने से आपको थोड़ा डर लगे। यह किरदार नई स्किल्स, नए एडवेंचर्स और उस जुनून के नाम, जो आपको बार-बार नई चीजों में डूबने के लिए तैयार रखता है।

फिल्म 'टॉक्सिक' के वक्त प्रेगनेंट थीं कियारा

फिल्म से जुड़े एक इवेंट में अभिनेता यश ने कियारा की खूब तारीफ की थी। उन्होंने कहा, 'मेरा यह सोचना है कि कियारा एक बेहद पेशेवर अभिनेत्री हैं। जब वह इस फिल्म के लिए कास्ट हुई थीं तो मैं काफी चिंतित था, क्योंकि यह फिल्म काफी चुनौतीपूर्ण है पर कियारा ने जिस तरह फिल्म के लिए खुद को समर्पित किया है। वह देखना बेहद शानदार रहा।

कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे ग्लोबली कई भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है।

एटली ने द ओडिसी को बताया ज़बरदस्त एपिक फिल्म, कहानी, विजुअल्स और संगीत की जमकर तारीफ

फिल्ममेकर एटली ने 'द ओडिसी' की जमकर तारीफ करते हुए इसे एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बताया है, जो सामान्य फिल्मों से कहीं आगे जाता है। एटली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इमोशनल नोट शेयर करते हुए क्रिस्टोफर नोलन की कहानी कहने की शैली, फिल्म के विजुअल्स, सिनेमैटोग्राफी और लुडविग गोरानसन के संगीत की प्रशंसा की है।

अपने अनुभव को साझा करते हुए एटली ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'कुछ फिल्में आप देखते हैं। कुछ फिल्मों की आप तारीफ करते हैं। और फिर, बहुत कम ऐसी फिल्में होती हैं जो आपको पूरी तरह किसी दूसरी जगह ले जाती हैं। 'द ओडिसी' ने मेरे साथ यही किया।' उन्होंने नोलन की कहानी को 'अद्भुत' बताते हुए यह भी लिखा है कि फिल्म के विजुअल्स अपनी अलग भाषा बोलते हैं और कैमरा भी कहानी सुनाने वाले एक किरदार की तरह महसूस होता है। इसी के साथ लुडविग गोरानसन के संगीत की तारीफ में लिखा है कि यह संगीत सिर्फ फिल्म के साथ चलता नहीं है, बल्कि आपकी धड़कनों में उतर जाता है। एटली ने आगे यह भी लिखा है कि फिल्म में ऐसा एड्रेनालिन और इमर्सिव प्रभाव है, जैसा उन्होंने थिएटर में बहुत कम महसूस किया है। उन्होंने लिखा कि सबसे ज्यादा उनके साथ जो चीज रह गई, वह बेहद व्यक्तिगत थी, जब दर्शक पूरी तरह फिल्म के अनुभव में डूब जाता है, 'तभी एक सच्ची एपिक फिल्म बनती है। उन्होंने लिखा है, 'फिल्म को अपने चारों ओर घेरकर, अपने ऊपर हावी होने दें।

रोमांच बढ़ाएगी 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग', हत्या की गुत्थी सुलझाती दिखेंगी निमिषा सजयन

सोमवार को अभिनेता बरुन सोबती की अगली फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' की रिलीज डेट मेकर्स ने जारी की। यह एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा पर आधारित है। फिल्म एक हत्या के केस और उसकी तहकीकात से जुड़ी है। इसे 'पाताल लोक' के मेकर्स ने ही बनाया है।

क्या है 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' की कहानी?

फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' में मुख्य किरदार बबीता सिंह नाम की एक एसआई का है, जिसके पास एक हत्या का केस आता है। इस दौरान उसका सामना कई रहस्यों और खतरों से होता है। फिल्म की कहानी एसआई के जीवन की मुश्किलों पर बात करती है। इस पूरे सफर में वह खुद की खोज भी करती है। फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' 28 अगस्त से प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन अंबीएका पंडित ने और लेखन अमिता व्यास ने किया है। एएसआई बबीता सिंह उर्फ बेबी का रोल निमिषा सजयन ने निभाया है। वहीं बरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अभिनेत्री होने पर शर्मिंदा किया जाता था, अनुपमा ने खोले एक्स के राज

इन दिनों अनुपमा परमेश्वरन अपने व्यक्तिगत जीवन के लेकर चर्चाओं में हैं। अपने पुराने रिलेशनशिप और उससे जुड़े दर्द के बारे में अब वह खुलकर सामने आ रही हैं। उन्होंने अपने तकलीफ भरे रिश्ते के बारे में काफी कुछ बताया। जानें क्या कहा एक्ट्रेस ने...

बीते कई दिनों से एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने ध्यान वर्मा के यूट्यूब चैनल पर रिश्ते को लेकर कई खुलासा किये हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह उनके पार्टनर ने रिलेशनशिप के दौरान उनका उत्पीड़न किया। अनुपमा ने बताया एक समय मैं ग्यारह बच्चे पैदा करने का सपना देखती थी। मगर इस रिश्ते के बाद अब मैं बच्चे ही नहीं चाहतीं। मेरे बॉयफ्रेंड ने मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर उपलब्धियों के लेकर कई बार मुझे बहुत बुरा महसूस करवाया। इस रिश्ते ने मेरे निजी जीवन और करियर दोनों में लिए गए मेरे कई फैसलों को प्रभावित किया। मुझे कई बार एक महिला होने और यहां तक कि मेरे एक्टर होने पर भी शर्मिंदा महसूस कराया गया।

अपनी बातचीत में आगे अनुपमा परमेश्वरन ने कहा, ' पीरियड्स का पहला दिन हो, पांचवां दिन हो, दसवां दिन हो, पंद्रहवां दिन हो, बीसवां दिन हो, पच्चीसवां दिन हो, कोई भी दिन हो। अगर आप किसी व्यक्ति से उसकी गलती के बारे में पूछें, तो वो कहेगा- 'अरे, आपको पीएमएस हो रहा है, आपका पीरियड अभी आना बाकी है।' उसके ऐसा कहने पर मुझे बहुत शर्म आती थी। मुझे औरत होने पर बहुत बुरा लगता था। मुझे अपनी सारी उपलब्धियों पर ही बुरा लगने लगा था।'

'परधा' इवेंट में रोने की वजह बताई

अगस्त 2025 में अनुपमा डायरेक्टर के साथ अपनी फिल्म 'परधा' का प्रमोशन कर रही थीं। प्रेस के साथ सवाल-जवाब के दौरान वह अचानक भावुक हो गईं और रोने लगीं। उनकी टीम ने उन्हें शांत कराया और पानी दिया। जब पत्रकार उनसे बार-बार पूछने लगे कि वह इतनी भावुक क्यों हो रही हैं? तो अनुपमा ने बात को टालते हुए कहा था कि महिला-केंद्रित फिल्म को शूट करना और उसका प्रमोशन करना आसान नहीं था। अब हाल ही में उस घटना को याद करते हुए अनुपमा ने कहा, 'हालात कितने भी मुश्किल हों पर मैं मैं ऐसी नहीं हूं कि स्टेज पर ही रोने लगूं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुझे वो सबसे बुरी बातें कही गईं, जो कोई महिला सुनना नहीं चाहती। जिस इंसान को मेरी रक्षा करनी चाहिए थी, वही मुझे अंदर से तोड़ रहा था।'

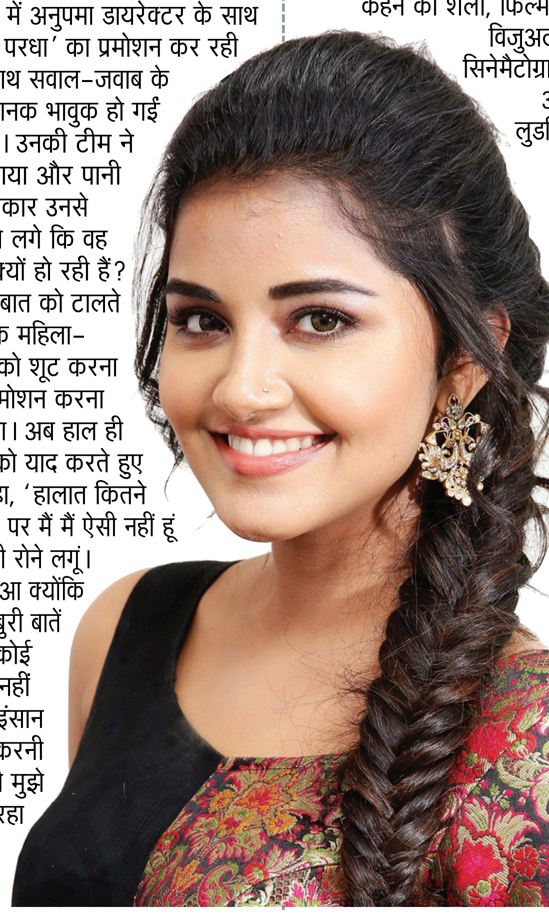

तुम कभी हार न मानना

रोज हम समाचार पत्र पढ़ते हैं और वही-वही घटनाएँ मन को अस्वस्थ कर जाती हैं। ‘ससुराल वालों के अत्याचारों से तंग आकर बहू ने आत्महत्या की।’ ऐसी कई घटनाएँ देश में रोज होती रहती हैं।

रोज हम समाचार पत्र पढ़ते हैं और वही-वही घटनाएँ मन को अस्वस्थ कर जाती हैं। ‘ससुराल वालों के अत्याचारों से तंग आकर बहू ने आत्महत्या की।’ ऐसी कई घटनाएँ देश में रोज होती रहती हैं। फिर भी जब-जब ऐसी घटनाएँ सुनते-पढ़ते हैं, कई सवाल मन में तूफान मचाने लगते हैं?

क्या जिन महिलाओं ने आत्महत्या नहीं की, ससुरालवालों ने उन्हें कोई तकलीफ नहीं दी? क्या उनका जीवन कहानी की तरह सुंदर था। और वे खुशी-खुशी अपना जीवन जीने लगे।

पुराना जमाना तो छोड़िए आज भी हमारे देश में पति और ससुरालवालों की ओर से बहू को कई तरह से प्रताड़ित किया जाता है। एक हद तक इसे सहा या नजरअंदाज भी किया जा सकता है, उसके बाद क्या? आज लड़कियाँ पढ़ी-लिखी हैं। आत्मनिर्भर हैं, वे अपनी लड़ाई भी लड़ सकती हैं। अब जरूरी है कि वे दूसरों का भी सहारा बनें। माता-पिता का, उस सहेली का जो अपना जीवन समाप्त करने चली हो, या जिसे ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे हैं। उसमें लड़ने का आत्मविश्वास जगाएँ। हमें जब आवश्यकता थी, तब किसी सहेली, भाभी, मौसी, काकी ने हमारा साथ दिया था। आज उसे समाज को लौटाना होगा। मायके की सर्वगुण संपन्न और सुशील लड़की, ससुराल आकर एकदम ‘फेल’ घोषित कर दी जाती है। उसको अचानक इतनी रोक-टोक में बाँध दिया जाता है मानो वह सुधारगृह में आ गई हो।

अब वो जमाने गए, जब लड़की का किसी कारणवश फिर से मायके में आकर रहना गलत माना जाता था। जहाँ डोली गई वहीं से अर्थी उठेगी...आदि ये वाक्य लड़की को सिखाए जाते थे। आज के माता-पिता को स्थितियों को देखते हुए अपनी बेटी के लिए घर के दरवाजे हमेशा खुले रखने चाहिए। पति द्वारा पत्नी से किया हुआ गलत व्यवहार, फिर वो शारीरिक हो या मानसिक, यह घटना ‘पर्सनल’ नहीं है। अर्थात दोनों तक सीमित नहीं है।

वह लड़की जिसके साथ अन्याय हो रहा है वह समाज का एक घटक है। उसके साथ होने वाला व्यवहार भी सामाजिक और सार्वजनिक प्रश्न है। लड़की शुरू में उसके साथ हो रहे व्यवहार को छिपाती है। पानी सिर के ऊपर जाने के बाद धीरे-धीरे माता-पिता को बताती है।

अक्सर माता-पिता भी घटनाओं को छिपाते हैं। बेटी की बदनामी से डरते हैं। इससे अत्याचार और बढ़ते जाते हैं। अतः आवश्यक है कि लड़कियाँ इस प्रकार की घटनाओं को छिपाएँ नहीं।

कोई गलत कदम भी न उठाएँ। याद रखें कि हम आत्महत्या करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। कुछ अच्छा काम करके दुनिया से जाएँगे। इस जिद के साथ जीवन जिएँ। यह जीवन आपको ईश्वर की देन है इसका सदुपयोग करें।

इसके लिए सर्वप्रथम लड़कियों का शिक्षित होना आवश्यक है। दूसरा, नौकरी या व्यवसाय अवश्य करें। अपनी रुचि के अनुसार सामाजिक या सार्वजनिक काम के लिए समय अवश्य निकालें जिससे आपके अत्याचारों को जुबां मिलेगी। साथ ही अपनी रुचि का काम करने से दुगुनी शक्ति भी मिलेगी।

मुझे किसी का सहारा मिले इसके साथ ही मैं किसी का सहारा बनूँ, यह लक्ष्य सामने रखें। यही जीवन है यही सच्चा आनंद है।

ये नन्हे फरिश्ते

एक शोध में यह बात उजागर हुई है कि ‘अगर माता-पिता बच्चों पर बहुत ज्यादा रोक-टोक या उन पर हावी होने की कोशिश करते हैं तो बच्चे मनो वैज्ञानिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। हालाँकि ध्डायरेक्शन इन साइकोलॉजिकल साइंस’ में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक पूर्वी देशों की अपेक्षा पश्चिमी देशों पर इसका असर ज्यादा है।

एक शोध में यह बात उजागर हुई है कि ‘अगर माता-पिता बच्चों पर बहुत ज्यादा रोक-टोक या उन पर हावी होने की कोशिश करते हैं तो बच्चे मनोवैज्ञानिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। हालाँकि ध्डायरेक्शन इन साइकोलॉजिकल साइंस’ में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक पूर्वी देशों की अपेक्षा पश्चिमी देशों पर इसका असर ज्यादा है।

शोधकर्ताओं के अनुसार शायद पूर्वी देशों के बच्चे संस्कृति की वजह से माता-पिता की अनावश्यक घुसपैठ को स्वीकार कर लेते हैं। इससे बच्चों के अंदर यह कुंठा विकसित हो जाती है कि उनसे कुछ नहीं होने वाला।

बच्चे तो बच्चे समझदारी के मामले में आपका छोटा-सा शिशु भी कई बार आपसे कहीं अधिक समझदार सिद्ध हो सकता है। कुछ नए शोधों से पता चला है कि-

‘शिशु जिज्ञासु होते हैं। वे नई चीजों को सीखना चाहते हैं साथ ही उनमें खोजने, समझने और गुणात्मक अध्ययन करने की प्रवृत्ति पाई जाती है। इतना ही नहीं, वे अच्छे बुरे की पहचान भी कर लेते हैं।’

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय की फी जु और वास्ती गार्सिया ने एक प्रयोग द्वारा यह सिद्ध किया कि छोटे-छोटे शिशुओं में भी सीखने की वृत्ति काफी होती है। शोधकर्ताओं ने आठ महीने के शिशुओं पर प्रयोग किए। उन्होंने इन शिशुओं को एक डिब्बे में रखी पिंगपोंग दिखाई।

इनमें से सभी गेंदें सफेद थीं और चार गेंदें लाल रंग की थीं। कुछ देर बाद उन्होंने डिब्बा बदल दिया और इस बार लाल चार गेंदें सफेद और सभी गेंदें लाल रंग की कर दीं। सभी शिशु चौंक गए और देर तक डिब्बे को देखते रहे। इससे यह साबित होता है कि शिशुओं में रंगों का गुणात्मक अध्ययन करने की क्षमता होती है। वे समझ जाते हैं कि कुछ अलग हुआ है।

शिशुओं को एक लीवर वाला खिलौना दिया गया जिसको दबाने से गुड़िया बाहर आती थी। दो समूहों के बच्चों में किए गए इस अध्ययन में एक समूह के बच्चों ने तो इसे एक सामान्य खिलौना समझकर छोड़ दिया जबकि एक समूह के बच्चों को लीवर तकनीक पता चल गई और वे उसके साथ प्रयोग करने लग गए।’

बच्चों के बारे में खलील जिब्रान के विचार :

- तुम्हारे बच्चे तुम्हारी संतान नहीं हैं।
- वे तो जीवन की स्वयं के प्रति जिजीविषा के फलस्वरूप उपजे हैं।
- वे तुम्हारे भीतर से आए हैं लेकिन तुम्हारे लिए नहीं आए हैं।
- वे तुम्हारे साथ जरूर हैं लेकिन तुम्हारे नहीं हैं।
- तुम उन्हें अपना प्रेम दे सकते हो, अपने विचार नहीं, क्योंकि उनके विचार उनके अपने हैं।
- तुमने उनके शरीर का निर्माण किया है, आत्मा का नहीं, क्योंकि उनकी आत्मा भविष्य के घर में रहती है, जहाँ तुम जा नहीं सकते, सपने में भी नहीं।
- उनके जैसा बनने की कोशिश करो, उन्हें अपने जैसा हरगिज न बनाओ, क्योंकि जिंदगी पीछे नहीं जाती, न ही अतीत से लड़ती है।
- तुम वे धनुष हो जिनसे वे तीर की भाँति निकले हैं। ऊपर बैठा धनुर्धर मार्ग में कहीं भी निशाना लगाता है, वह प्रत्यंचा को जोर से खींचता है ताकि तीर चपलता से दूर तक जाए। उसके हाथों में थामा हुआ तुम्हारा तीर शुभदायक हो, क्योंकि उसे दूर तक जाने वाले तीर भाते हैं, और मजबूत धनुष ही उसे प्रिय लगते हैं।’

स्नैक्स हैं बहुत से मगर पकौड़ों जैसा कोई नहीं

फुरसत के क्षणों में पकौड़े खाने का अलग ही आनंद होता है। वैसे तो कभी भी नाश्ते में पकौड़े खाने अच्छे लगते हैं लेकिन बरसात के मौसम में गरमागरम पकौड़े चाय के साथ खाने का मजा ही दूसरा होता है और अगर हर बार पकौड़ों का नया स्वाद मिले तो फिर कहना ही क्या। आइए जानते हैं पकौड़ों के नए-नए जायके बनाने की

विधियां- बेसन के घोल में थोड़ी उरद की दाल का पेस्ट डाल दें। इससे पकौड़ों का स्वाद बढ़ जाता है। बेसन के घोल में थोड़ी सी धुली मूंग की फूली हुई दाल मिला दें। इससे पकौड़ों का जायका और बढ़ जाएगा। मूंग की दाल के पकौड़े बनाने के लिए हमेशा छिलके वाली दाल का ही इस्तेमाल करें। दाल को छिलके समेत ही पीसें। इससे पकौड़े कुरकुरे बनते हैं। फटे दूध में बेसन घोल कर पकौड़े बनाने से उनका अनूठा स्वाद मिलता है। बेसन के घोल में थोड़ा सा कार्नफ्लोर मिला देने से पकौड़े अधिक करारे बनते हैं। पकौड़ों के घोल में चावल का आटा डाल देने से पकौड़े काफी कुरकुरे बनते हैं।

कौड़ों के घोल में में थोड़ा सा अचार वाला तेल मिला देने से पकौड़ों का स्वाद अलग हो जाता है। पनीर बनाने के बाद बचे पानी से बेसन घोल कर पकौड़े बनाने से स्वाद अच्छा लगता है। चना, उड़द, मूंग, मसूर बराबर मात्रा में लेकर पानी में कुछ घंटे भिगो कर पीस लें। इस मिश्रण के पकौड़े बेहद स्वादिष्ट होते हैं। पकौड़ों के घोल में अधिक मात्रा में धनिया पत्ती काट कर डालने से स्वाद बढ़ जाता है।